







UNNAT BHARAT ABHIYAN

(A Movement for Progressive India)

Annual Progress Report

(Uttarakhand & West Uttar Pradesh Region)
April 2022 to March 2023

of

Regional Coordinating Institute (RCI)

Indian Institute of Technology Roorkee



Organic Farming



Water Management



Renewable Energy



Artisans, Industries & Livelihood



Basic Amenities



Convergence

Regional Coordinating Institute (RCI)

Unnat Bharat Abhiyan 2.0 Indian Institute of Technology Roorkee Roorkee-247 667 (Uttarakhand)

Webste: https://www.iitr.ac.in/rci/index.html; E-mail: rciubaiitr@iitr.ac.in, Phone: 01332-286566





Regional Coordinating Institute (RCI) Annual Progress Report

This Annual Progress Report provides the details of activities carried out by the Regional Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan, Indian Institute of Technology Roorkee, from April 01, 2022 to March 31, 2023. The RCI, UBA, IIT Roorkee organized the following activities:

Date	Meetings/Webinars	Keynote Speaker
	/Workshops	
April 2-3, 2022	Samarthya – to lead the	Dr. Khushboo Mirza, Senior
	transformation, 2022"	Scientist, Regional Remote
	Launching of UBA Survey	Sensing Centre (RRSC-N),
	App	NRSC, ISRO, New Delhi
May 17, 2022	UBA Meeting with PIs of Uttarakhand & West UP Region	
June 2, 2022	UBA Meeting with PIs of Uttarakhand & West UP Region	
June 9-10, 2022	Visit to SVNIT, Surat for attending the "Brainstorming and Orientation workshop"	
June 29-30, 2022	Visit to CSIR-Institute of Himalayan Bioresource Technology (IHBT), Palampur for attending "Technology Demonstration and Business Networking Meet"	
14-07-2022	Initiative - Donations of Computers & Chairs	
30-07-2022	Tech4Seva Event at Regional Level	
28-01-2023	Disaster Awareness Training Programme	
		On .
17.02.2022		
	"UNNATI"	
18-03-2023		Il Intervention)
	April 2-3, 2022 May 17, 2022 June 2, 2022 June 9-10, 2022 June 29-30, 2022 14-07-2022 28-01-2023 17-03-2023 to	April 2-3, 2022 Samarthya – to lead the transformation, 2022" Launching of UBA Survey App May 17, 2022 UBA Meeting with PIs of Ut June 2, 2022 UBA Meeting with PIs of Ut June 9-10, 2022 Visit to SVNIT, Surat for atte Orientation June 29-30, 2022 Visit to CSIR-Institute of Him (IHBT), Palampur for attending Business Net 14-07-2022 Initiative - Donations 30-07-2022 Tech4Seva Event 28-01-2023 Disaster Awareness A Primary /Secondary 17-03-2023 (Unnat Bharat Abhiyan Network)





"Samarthya – to lead the transformation, 2022" Launching of UBA Survey App

INTRODUCTION

"Samarthya – to lead the transformation, 2022" is a platform organized by Unnat Bharat Abhiyan IIT Roorkee to bring NGOs, experts from corporate and social sectors, SHGs, farmers, entrepreneurs, and students under one umbrella. In this program, Regional Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan, IIT Roorkee in collaboration with RRSC-North, NRSC, ISRO, New Delhi launched a "UBA Survey App" on April 02, 2022 (Saturday) at 10:00 am.

UBA Participating Institutions (PIs) coordinators from Uttarakhand, West Uttar Pradesh regions, IIT Roorkee faculty members, students, and Gram Pradhan's farmers of adopted villages attended this program.

INAUGURAL SESSION



Prof. Ashish Pandey, Coordinator, Regional Coordinating Institution, Unnat Bharat Abhiyan, IIT Roorkee, welcomed the dignitaries and participants. He informed that Ms. Khushboo Mirza, Senior Scientist, Regional Remote Sensing Centre (RRSC-N), NRSC, ISRO, New Delhi in collaboration with RCI, UBA IIT Roorkee has developed a "UBA Survey App". and this app would be beneficial for collecting the House Hold Survey

Data of the UBA adopted villages in the Uttarakhand and West Uttar Pradesh region.

Prof. Pandey elaborated on the RCI – UBA activities and said that 86 participating institutions and 426 villages are under the regional coordinating institute, IIT Roorkee. The RCI, IIT Roorkee, is trying to connect more colleges under the UBA umbrella to work together passionately for rural development.

Dr. Khushboo Mirza, Senior Scientist, Regional Remote Sensing Centre (RRSC-N), NRSC, ISRO, New Delhi, RRSC demonstrated the working of the developed mobile app for conducting Household surveys. This App helps in conducting the geospatial survey in the villages and sends the data directly to the server. It collects the data on 15 major heads ranging from Family details, Migration status, Utilisation of govt services, Water availability, Energy sources, Agriculture,







etc in addition to the geolocation of the household. The data collected through this app will help in the spatial planning of villages. A few screenshots of the mobile app are shown below:









Login Screen

Home Screen

Village Selection

Respondent Info

UBA Survey app was successfully launched on 2nd April 2022 at IIT Roorkee, during the 'Samarthya-2022' Program at IIT Roorkee, with participants from NGOs, experts from corporate and social sectors, SHGs, farmers, entrepreneurs, and students. The app was launched in the presence of Prof. Ajit K. Chaturvedi, Director, IIT Roorkee, Padma Shri Bharat Bhushan Tyagi, Prof. Manoranjan Parida, Dy. Director IIT Roorkee, Ms. Khushboo Mirza, Scientist/Engineer 'SF', NRSC, and Prof Ashish Pandey, RCi Coordinator IIT Roorkee.





Few Glimpses of the program











News Coverage



Dainik Jagran, 4 Apr 2022

ग्रामीण विकास के लिए परिवर्तन जरूरी

प्रोद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रहको ने 175 वर्ष पुरे क्षेत्रे पर उन्तत धारत अधिवान के तहत मिलकर सामर्ज पार्यक्रम का आशंजन किया। इसका उद्देश्य पैर सरकारी संघटनी, स्वर्ष सहायता समृह, किसान, रात्र एवं उद्यमियों को एक मैच पर लाकर ब्रामीय क्षेत्रों में परिवर्तन के लिए क्षेत्री में ब्रिट्स तरह के ब्रांतरण विश जय इस पर चर्चा की रही।

कार्वक्रम की शुक्रआत करते हुए संस्कान के निदेशक थे. अर्जात कुमार चतुर्वेदी में कता कि हामीण क्षेत्र के विकास के लिए खेली में परिवर्तन जरूरी है। बड़ी आबादी अभी भी खेती पर निर्भर करती है। र्याय से यदि पतायन को सेकन है तो सबसे पहले खेती आचरित उद्योगें को विकसित किया जाए और खेती में बदलाय करना होगा। खोती से ही आधिक से अधिक रोजगर के साधन बहेरे। पट्मको भरत पुषत त्यामी ने बल कि इस तरत के कार्टक्रम एउं वर्षात्राप से किस्तानों को बाफी लाध मिलेगा। इससे वह खेती के आधनिक तीर-तरीकों को और बदने का काम बरेरे। उन्होंने बता कि आने पाले रामय में जैविक खेती हो आर्थिक सप से किसान को मजबूत बनाएगी।



रुढ़की आध्यावती में अर्थितिक सामर्थ्य 2022 में प्रतिमानियों को संबंधित करते संस्थान के निर्देशक हो , असीत कमार सत्त्वेदों + सक्षार सम्बद्धा

होया। इस मौके पर 550 से अधिक बिसान सहकारी संगठनों की ओर से अपने जैविक उत्पाद को प्रकृति टेबन चर्च का भी आधीतन किया राया। इस मीके पर इसारे नई दिल्ली सं परित्र पैजनिक रा. सुराब् मिर्जा ने आसीआहं, बुबीए, आहआहटी रुट्डी के संस्थान से वृद्धीए सर्वेक्षण एवं बनाया। यह एवं उत्तरहर्षंड एवं

किसान मानकृत होगा तो देश स्क्राताता. परिधमी उप्र में युक्कीए (उन्नत भारत अधियान) द्वार सीट लिए सए शीवी के तरास तेएट गर्वे का दूश वक्त करने में मदद करेगा। इस मीक पर थी तर्गाई गई। इसके बाद सर्वेट द उद्यमी सैम्य कृष्णामूर्ति, सम्पन्तिक कार्यकर्ता असीष शर्मा पर्यावरणीवट रामकीर तीवर, वन सीरक्षण के नीडल अधिकारी कपिल जोती, अनीता गुप्त, च. हंगलत एवं अक्रमहर्ट रहतो के उप निदेशक थे. मनोरंजन परिद उपस्थित स्टें।

Dainik Hawk, 4 Apr 2022

उन्नत भारत अभियान और आईआईटी रुड़की ने 'सामर्थ्य 2022' का आयोजन किया

बीबोरिकी संस्थान रूडकी (बाईबाईटी रुडकी) के 175 वर्ष होने से अवस्था पर राज्यत क्ष तान व जावार पर जनत नाता जरिवाम (JBA) और अर्थआईटी नवामी ने तत्त्र नितानर पामां – द्रानिय ती द्रातामीमान का जायोजा किया। सामार्थ , रेर सरकारी किया सामध्य पर सरकार सगदर्गों (NGOs) +वथ सहायदा सन्दर्भें (SGHs), किरदर्भे, यद्यमध्यें और प्राची को एक संध पर आने, यामीश क्षेत्र में मरियार्गन लाने के दिए प्रधास बरने और उन्हें में मुख्य कुनीतियों का किसी तथा से सम्प्रधान निकातने के लिए बनायां नया का एक संघ है। यह कार्यक्रम 2 और 5 अंतिर 022 को एलएक्सी 2 और प्रेरण प्राप्त आईअईटी कामी 1 अवोदित क्रिक्ट क्या था। ग अवस्थाता क्रिया नया था इस समारोह ने मुख्य रूप थी इस मिश्रों की सीरीक पर कोकस था. केड्स निर्माण सोसाल नर्ज इन्जियन, पीर्यम एन्यावरमेट, मीरानं एसीकस्था और ऐसीपीटेंग करत इतिया।

इस कार्यक्रम से गेस्ट ऑफ ऑनस्प्रतम की (2010).

वी बारत मूचन त्यागी जी थे. मूच्य अभिने जाईआईटी शतकी के निर्वेशक, प्रोकंशन जानीत क नवारक प्रकार करात कुमार वर्तुर्वेदी जी और आईआईटी शतकों के प्रम निदेशक एवं सामार्थ के सामक प्रे. समोजना परिद्य की थे। याच्या मारत कमियान

आईआईटी रुवनी का दिल्ल नीलेज इंस्टीलयुट्स की सदद से पार्थेण क्षेत्र में परिवर्तन काने के साथ-साथ बावा निर्माण

करना है। सन्देनेबल घोध को नहीं देने के लिए नहींचारी प्रतिपदार्थी और उपमुक्त देननेतीजींस के मध्यम विश्वा दरनावाता व नवन में पानेंच भाग की विकास की पुनीरियों का उस्त करने के दिए स्थानीय अनुवार्था (लोकास कन्युनिटिया) के नाम प्रस्थ डिका सम्बन्धनों को लोकन वाली प्रतिपातों को एकाम करने के लिए एक आदीलन के रूप में

संबंदिया किया गया है। कार्यक्रम को शंबीधित कर्ना हुए अईआईटी स्टब्से के निर्देशक की अजीत जुमर ब्युकेरी ने जारा मा । अर्डकाईटी सडकी की एक पातन के सप में

सामध्ये ने विभिन्न साम्यानी सं सामग्रिक समूची प्राप्त किए एए उन्हेंगी करते को स्वीकार किया है। इस सार्थकम में NGOs, SHSe में जिल मुद्दी यह करन किया है, जैसे की विद्यापी सामग्रिक महानो चपानीयार्थे और अधिनकार्थे के साथ-साथ प्रशासनिक और बाजूनी समस्याओं में प्रनकी ्रा रामस्याओं में प्रान्ती सहायता करने से तिरू पर्या की गई।

इस कार्यक्रम को पर्वशीका वं योशस संस स्ट्रतीय क्षम्बद्धिकला नेनट शेक्सार्ग और प्रतिनिधा गणमान्य अधिन्ये द्वारा कार्यत देशम विश्वसान्य में बीटा गवा था। आयोजन जी कूछ गतियिक्तियों में प्रतीकाल्यल एक्टिक भारतीय मेश-साद मेवल सर्वा शापिक शामिल हैं। इसके अधिरेक पुरिए आईआईटीआर वे तहत गार्थ के मंदिल स्वयं सहायत रायु के गहरत स्वयं सहायता समूती (SHGa) में अपने जोडकद सं. जैसी गहने, हस्त्रिक्तिम् आर्थनिक अध्यक्ती

अहरि को विभी के लिए प्रचानक ужун Понто полож बावनी जिस्टिट के 550 किसान सरकारी संगठन के किसानी ने अपने आर्थिक क्षेत्रकट्टा केंग्रेड

राजंत देशन विस्तालय में रुदंश दिकाशिय मुं सूची मांच्या कुम्मार्थी देखानी । बी अधीव मानं (साराधिक बार्चकर्ग / बार्धकर्मा), की मामबीच गांचर (पर्धावरण बार्यकर्म / सर्वकर्मा), और की वर्गकर कोगी कुमारिकरम् नेमाम अधिकारी, नार राखाना ने सूचीनीपूर्ण मामाजिक सराधानी कर राजां की

तेश्व श्रीकर्म की सभी नाट प्राप्तकत वा सूता में वैन विभागवन प्राप्तकट्स देवलपमेंट फांचरेशन में कार्यकार निदेशक कार्याण वैन में अने में संभागक मारा के पीन्तमेंन, प्रभागित मारा को पीन्तमेंन, प्रभागित मारा कार्यका की संभागक तारा, व्यक्तियं की शंकतापत्र क्षेत्रमा कुरापुर्ति, संद्रापुर स्तिता करात केंद्र (क्षिएसवर्का) की सामानक अमीत पूरता, रुपूर्विय स्थाप्तक किंद्रमान, सूर्यी कं एक्टिक्सन सिमान निर्देशक, एव यूपीय्वरूपीएस विभाग कं एक्टिक्सन सिनोक्ट क्षाव्यव्यक्ति हाँ होता त्यान (anfeyes), मीरहरू

प्राप्त भी (2019) से

सन्वतीतः से सवा कृत त्यापे. ने सामध्ये 2022 द्वारा प्रधान सिट् गए सवसरों से सरे ने सत करते पूर उन्होंने कहा, श्रेमें हमेंट और प्रश्नीने कहा, श्रेमें हमेंट और प्रश्नीन किनानों को कांगुनिक प्रकारी को अन्तरने के हिए प्रश्नीतिक कोंगी, नुस्स कर से जैतिक कोंगी, निस्नीनिक कार्मिन), जो कि काल्युक्त आप्रसित्त से प्रवादित क्यूकर में जोती की आर्थिक रूप से जीवत क्लार्गी, जबकि क्लाने जो बीटों के हमारों और जालापु भरम श्रीमाओं से दिए अधिक मजबूत

Sans Disc offer **भेटर** (बारबारएससी-एन), एमबारएससी, इससे, नई विल्ली से विषय वैद्यापिक डी खुराजू किली, में RCL चुरीए आईआईटी माननी के सहस्रोग से एक पुढ़िए स्वीक्त ऐन बनाया है। वॉ निजों ने कहा कि यह एँप उत्तराखंड और परिचर्ग उत्तर प्रदेश में क्षेत्र में सूबीए द्वारा गीर लिए वप मार्ग में राजन डीस्स सर् एककित करने 8 सर्वे हेथ' का प्रवासि का त्या

The Hawk, 3 Apr 2022

Samarthya 2022 Organized By UBA IIT Roorkee

Roorkee (The Hawk): On the occasion of the 175 Year celebrations of Indian Institute of Technology Roorkee (IIT Roorkee), Unnat Bharat Abhiyan (UBA) IIT Roorkee organized Samarthya - to lead the transformation". Samarthya is a platform to bring NGOs, SHGs, farmers, entrepreneurs, and students under one umbrella, to celebrate their efforts for rural transformation and to address the major challenges in the same. The event was organized on April 2nd and 3rd, 2022 at LHC and ABN Ground IIT Roorkee. The major themes on focus was upon a series of vari-ous events-"Leadership Building", "Social Nerve Ignition". Women Empowerment" "Modern Agriculture" and "Elevating Rural India".

Guest of Honor for the event was Mr. Bharat Bhusan Tyagi, Padma Shri (2019); the Chief Guest was Prof. Ajit Kumar Chaturvedi, Director IIT Roorkee; and Prof. Manoranian Parida, Deputy Director, IIT Roorkee who is the patron of the event.

Unnat Bharat Abhiyan IIT Roorkee is inspired by the vision of transformational change in rural development processes by leveraging knowledge institutions to help build the architecture of an inclusive India. Its mission is conceptualized as a movement to enable processes that connect institutes of higher education with local communities to address the developmental challenges of rural India through participatory processes and appropriate technologies for accelerating sustainable growth.

Addressing the event, Prof. Ajit Kumar Chaturvedi, Director IIT Roorkee, said, "As an initiative of UBA IIT Roorkee, Samarthya acknowledged the groundwork done by social groups of various institutions. The event highlighted past social initiatives, achievements and difficulties faced by NGOs. SHGs, along with a discussion for assisting them in the administrative and legal problems they often face.

The event was divided into sessions of workshops, case studies, competitions guest lectures and round table discussions by eminent dignitaries.

Some of the activities of the event involved Agricultural workshops, Agrotech Exhibitions, Manch-Tantra, Manthan, to name a few. Additionally, Women Self-Help Groups (SHGs) from the villages under UBA IITR presented their products, like ornaments, handicrafts, organic incense sticks, etc., for sale. Farmers from the 550 strong Farmers Cooperative Organisation of Bhuamrit Farmer Producer Co. Ltd. sold their organic products

The round table discussion saw Ms Sowmya Krishnamurthy (Entrepreneur), Mr Ashish Sharma (Social activist/worker). Mr Ramveer Tanwar (Environmental activist) worker), and Mr Kapil Joshi (IFS, Nodal Officer, Forests Conservation) discussing challenging social problem.

The list of guest speak included Kalyan Paul, Executi Director, Pan Himalayan Grassroots Development Foundation; Ramveer Tanwar, Founder of SayEarth "Pondman India": Soumva Krishnamurthy, Founder, AATIKE: Anita Gupta. Founder, Bhojpur Mahila Kala Kendra (BMKK): Dr. Heera Lal (IAS), Additional Mission Director, National Health Mission, UP, Additional Project Director, UPSACS.

Mr. Bharat Bhusan Tyagi, Padma Shri (2019) talked about the opportunities that Samurthya 2022 provided, he said, "The event and workshops will encourage farmers to adopt modem practices, mainly organic farming, which will make farming economically sustainable in the climate crisis affected future, while yielding crops that are more robust to pest attacks and climate extremes

Dr. Khushboo Mirza, Senior Scientist, Regional Remote Sensing Centre (RRSC-N), NRSC, ISRO, New Delhi, in collaboration with RCI, UBA IIT Roorkee has developed a "UBA Survey App". Dr Mirza said that this 'App' would be beneficial for collecting the House Hold Survey UBA adopted vil Uttarakhand and Pradesh region. S onstrated the 'UB





Amar Ujala, 4 Apr 2022



Rookee (The Hawkit: On the possion of the 175 Year celebrations of Indian Institute of Technology Roorkee (IIT Roorkee). Uppat Branch Abhiven (UBA) ITT Roorlee organized "Samarthya - to lead the transformation", Samarthya is a platform to bring NGOs, SHGs, farmers, entrepreneurs, and students under one umbrefa, to celebrate their efforts for rural transformation and to address the major challenges in the same. The event was organized on April 2nd and 3rd, 2022 at LHC 2 and 48N Ground IIT Roonker. The major themes on focus was upon a series of various events-"Leadership Building", "Social Nerve Ignition", "Women Empowerment", "Modern Agriculture" and "Seveting Rural India",

Guest of Honor for the event was Mr. Bharat Bhusan Tyagi, Padma Shri (2019); the Chief Guest was Prof. Alit Kumar Chaturvedi, Director IIT Roonkee; and Prof. Manoranjan Parida, Deputy Director, ITT Roonkee who is the patron of the event.

Usual Bhasti Aboven IIT Roorker is inspired by the vision of transformational change in rural development processes by leveraging knowledge institutions to help build the architecture of an inclusive India. Its mission is concentualized as a movement to enable processes that connect institutes of higher education with local communities to address the developmental challenges of rural India through participatory processes and appropriate technologies for accelerating sustainable growth.

Addressing the event, Prof. Alit Kumar Chatumedi, Director ITT Roonkee, said. "As an initiative of UBA ITT Roonkee, Samartive advrowledged the groundwork done by social groups of various institutions. The event highlighted past social initiatives, achievements and difficulties faced by NGOs, SHGs, along with a discussion for assisting them in the administrative and legal problems they often face."

The event was divided into sessions of workshops, case studies, connections quest lectures and mund table discussions by eminent distributes. Some of the activities of the event involved Agricultural workshops, Agrotech Exhibitions, Manch-Tantra, Manthan, to name a few. Additionally, Women Self-Help Groups (SHGs) from the villages under UBA ITTR presented their products, like ornaments, handicrafts, organic incense stocks, etc., for sale. Farmers from the 550 strong Farmers Cooperative Organisation of Bhuamrit Farmer Producer Co. Ltd. sold their organic products. The round table discussion saw Ms Sowmie Krishnamurthy (Entrepreneur), Mr Ashish Sharma (Social activist/worker), Mr Karnveer Tanwar (Environmental activist/worker), and NY Kapil Josh (JFS, Nodal Officer, Forests Consenation) discussing challenging social problem. The list of guest speakers included Kalyan Paul, Executive Director, Pan Himalayan Grassroots Development Foundation; Ramweer Tarwar, Founder of Saufarth "Rondman of India": Sourma Krishnamurths, Founder, AATIKE: Anta Gunta, Founder, Bhotour, Mahila Kala Kendra (BMKX): Dr. Heesa Lal (IAS), Additional Mission Director, National Health Mission, UP. Additional Project Director, UPSACS.

Mr. Bharat Bhusan Tyagi, Padma Shri (2019) talked about the opportunities that Samenthya 2022 provided, he said, "The event and workshops will encourage farmers to adopt modern practices, mainly organic farming, which will make farming economically sustainable in the climate crisis affected future, while visiding crops that are more robust to pest attacks and climate extremes."

Dr. Khushboo Mirza, Senior Scientist, Regional Remote Sensing Centre (RRSC-N), NRSC, ISRO, New Dehi, in collaboration with RCI, UBA IIT Roonkee has developed a "UBA Survey App". Or Minza said that this "App" would be beneficial for collecting the House Hold Survey Data of the UBA adopted villages in the Littarakhand and West Littar Pradesh region. She also demonstrated the "LBA Survey App".

किसानों के उत्थान पर दिया जीर

रुड़की, संवाददाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुडकी ने अपनी स्थापना को 175 वर्ष होने पर समर्थ-ट् लीड दी ट्रांसफॉर्मेशन कार्यक्रम आवोजित किया। साथ की किसानों के उत्यान को कार्य करने पर जोर दिया ।

आईआईटी रुड़की में रविवार निदेशक प्रोफेसर अजीत कुमार कुष्णमूर्ति, आलीपशर्मा, रामवीर तंक आयोजित कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ चतुर्वेदी, उप निदेशक एवं समर्थ के और कपिल जोशी ने चुनीतीप ऑनर पद्मश्री पारत पषण त्यागी ने कहा । संस्थक प्रो. मनोरंजन परिदा रहे । सामजिक समस्वाओं पर चर्चा की कि ऐसे इवेंट और वर्कजांप किसानों को । आईआईटी निटेशक प्रो., चतर्वेदी ने इस दौरान रीजनल रिमोट सेंसिंग सेंटर आधृनिक प्रथाओं को अपनाने के लिए । कहा कि चुबीए और आईआईटी रुड़की । एन आएएससी, इसरो नई दिल्ली रे प्रोत्सहित कोंगी। मख्य रूप से वैविक 🏻 की एक पहल के रूप में समर्थ ने 🐧 वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. खराब मिर्जा ने खेती वो कि क्लाइमेट क्रइसिस से विभिन्न संस्थाने के सामाजिक समहों आरमीआई, वर्बाए, आईआईटी रुड़की प्रभावत भविष्य में खेती को आर्थिक । की ओर से किए गए जमीनी कार्यों को । के सहयोग से एक यबीए सर्वेक्षण ऐप रूप से जीवंत बनाएगी। मुख्य अतिथि स्वीकार किया है।

 आईआईटी रुडकी में कार्यक्रमका आयोजन

 विभन्न मुद्दें पर वक्ताओं ने रखे अपने विचार

एलएचसी ट और एबीएन ग्राउंड के रूप में अईआईटी रुड़की के

कार्यक्रम में एनजीओ व एसजीओ ने विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा हुई। जिसमें पिछली सामाजिक पहली उपलब्धियों, कठिनडयों के साथ-साथ प्रशासनिक, काननी समस्याओं मे उनकी सहावता करने के लिए चर्चा की गई। तर्रंड टेबल डिस्क्शन में सौम्य बनाय है।

Hindustan, 4 Apr 2022

'पलायन को रोकने के लिए खेतीबाडी का विकास जरूरी

आईआईटी में उन्नत भारत अभियान के तहत सामर्थ्य-2022 का आयोजन

मंबद न्यून एटेसी

रुड़की। ज्यांबाइंटी में संस्थान के 175 वर्ष पूरे होने पर उन्तर भारत ऑपधन के जात अपॉर्जिंग समर्थ्य कार्यक्रम में हामीन क्षेत्र में क्रिकेट साम क्रिकेट में क्रिकेट के क्रिकेट की कैसे अर्थे बहुक कर इसके पर्यो की रही ताब ही क्रिकेट के विकट देवी की और सहस्त करने के लिए प्रेरिक से किया गया।

र्तमण को भारतेर ब्रेसेरिको त्रवाचा का पालाव इत्यावका, सम्प्रत (अर्थक्टी) रहाती ने 115 मां मूं होने वा उत्तर पाला अर्थका के कहा जिल्ला पालक कर्मका के वार्यक्रम का क्रांत्रक का प्रतंक्रम का मुक्ति पंतान के निद्राल के अर्थक कृत्या पाल्टी ने किया उत्तरी कार्य कि पालाव मंत्र के निवास के लिए मोर्ट में का कामा का का अकाम का तता होता व परिपर्णन करने हैं। आज भी बड़ी अकाड़ी क्षेत्री का निर्ण है। तांज में पार प्रकार को ऐक्टन हैं तो सको पार्ण खेती आधीरा उद्योग पर्धों को विकासत करने होंगे। खेती में ही अधिक में जांधिक तेंत्रका के साथन कोंगे। बार्क्डम में प्रदेशों बात पूरण तारों ने बड़ा कि इस तरह के कार्क्डमों से किसलें को कारों तम मिल्डा है। कार्यक्रम में 550 में औरक विभाग महत्वारी संगठनों ने विवेच उत्पद को प्रदानने भी सम्बं। उससे जो दिल्लों से जरूरा नैज्ञानिक डॉ.

सुराषु मिर्ज ने अगरीका, पूर्वेद अर्थाआईटी या यांच के शास झेरण सर्वे का देटा एका आंख्या के सेहरा आँक कड़की के सहयोग से पूर्वीय अर्थेक्षा एवं करने में मदर करेगा। बार्गक्रम में इस सैंक पा अस्टेल पूर्वा मेंबूद खें



हाफ मैराथन में कृष्ण और वंदना ने मारी बाजी

कामा । सा एव उत्तरकोर एवं प्रीपानी उत्त में जाउनी मीन्य कृष्णानृति मान्योतक कार्यका पूर्वी () जान भारत अभिन्न) ह्या बेट तित्र । अर्थात शर्या पर्वकार्यान्य प्रान्ती तका क यह योग के राजन तीरह जानें का देश एकड । मोन्यत के मीत्रान अभिनक्तों करिता जोट





Minutes of Meeting of RCI, UBA-IITR and PIs Coordinators of Uttarakhand & West U.P. on May 17, 2022 at 3:00 PM

UBA Regional Coordinator's Name: Prof. Ashish Pandey

The Regional Coordinating Institution, Unnat Bharat Abhiyan, IIT Roorkee, organized a online meeting with PIs Coordinators of Uttarakhand and West U.P. region on May 17, 2022, at 3:00 PM.

Attendees: The 42 coordinators of the participating institutes (PIs) of the Uttarakhand and West Uttar Pradesh regions attended the meeting.

Purpose: This meeting aimed to discuss the UBA activities with the Coordinators of the Participating Institutions (PIs) of Unnat Bharat Abhiyan.

The Agenda of the Meeting:

- Discussion about the UBA Activities
- Discussion on the Project proposal- Four selected PIs for SEG Grants i.e.
 - o Uttarakhand Technical University Dehradun (Technical Development)
 - Moradabad Institute of Technology (Technical Development)
 - o Graphic Era Deemed to be University (Technical Development)
 - o Meerut Institute of Technology, Meerut (Technical Customization)
- To request all PIs for using the UBA Survey App for the village household survey
- Seed Money (Need to submit the project proposals)
- How to apply for adopted village change?
- How to plan the activities in adopted villages?





Minutes of Meeting of RCI, UBA-IITR and PIs Coordinators of West U.P. on June 02, 2022 at 11:30 AM

UBA Regional Coordinator's Name: Prof. Ashish Pandey

The Regional Coordinating Institution, Unnat Bharat Abhiyan, IIT Roorkee organized a web-based meeting with PIs Coordinators of West U.P. region on June 02, 2022, through the Cisco WebEx virtual platform at 11:30 AM.

Attendees: The 27 coordinators of the participating institutes (PIs) of the West Uttar Pradesh attended the meeting.

Purpose: This meeting aimed to discuss the number of the quantity of Gur Bhatti in adopted villages of West U.P.

Mr. Nitin Verma welcomed all the coordinators of Participating Institutes of West U.P. He requested all PIs to share the information about the Gur Bhatti in their adopted villages.

The coordinators presented their information as given below.

- Mr. Sushil Sharma from Maharaja Agarsen College of Engineering told that there are three Gur Bhatti in their adopted villages and all are working seasonally.
- Mr. Ankit Kumar from Shri Ram College Muzaffarnagar informed that there are eight Gur Bhatti's, out of which five are working and three are closed.
- Mr. Ashutosh Mishra of Chaudhary Charan Singh University, Meerut said that they have found that there is no Gur Bhatti plant in the adopted villages.
- Coordinator of Meerut Institute of Technology said that there are 12 Gur Bhatti in their adopted villages and all are working. He said that he is constantly get in touch with them and providing every possible facility and information.
- Mr. Raj Kumar said that there is no Gur Bhatti in his adopted village as of now but he wanted to know what is the processor to start this project. Then Mr. Nitin told him that a meeting would be held for this, in which he will be given complete information.

Rest of PIs wil try to provide the information about the installation the Gur Bhatti.

In the end, Mr. Nitin Verma, thanked all the participants who attend the meeting, shared the details, and proposed a formal vote of thanks to all the participants.





Visiting Report (SVNIT, Surat) "Brainstorming and Orientation workshop" on 9th-10th June, 2022

Mr. Nitin Verma participated in the two-day "Brainstorming and Orientation workshop" held on June 9 and 10, 2022. The workshop was organised by the National Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan, IIT Delhi in collaboration with the "Yojak Center for Research and Strategic Planning for Sustainable Development" and SVNIT, Surat. Regional Coordinators and their staff from several NITs, IITs, and other institutions have attended this session.

The aim of conducting the Brainstorming and Orientation workshop is analzing the current status of development in Bharat, in light of Bharartiye Vikas Chintan based approach. It will also present the contemporary methodology emerging from Bharatiye Developmental philosophy to move ahead in this endeavor.

Through his lecture, the speaker illustrated the technologies that had related to rural development and tribal development. Dr. Gajanan Dange, President, YOJAK elaborated in his talk that these stalwarts about development can be summarized as Earth provides enogh to satisfy every human's needs, but not every human's greed, Developemnt should be balsed on community consciousness, Use of appropriate technology wherever necessary, Eco-friendly carrying capacity – based improvement of productivity and Decentralized rural industrialization should be the future of Bharat's development. He is leading initiative YOJAK to take technological solutions and innovations to establish field level models especially in agriculture, animal husbandry and rural livelihood in tribal areas.

One of them, Brig. Ganesham, palle Srujana, Andhra Pradesh discussed on his topic "Rural Innovators and Possible Linkages with Unnat Bharat" that a part of Honeybee nationwide network, nurtures the creativity in the rural regions. it is important to Scout and document the creativity of the grassroots innovations as they solve their problems. An innovation in a village will be needed in many other villages of the country. Hence, horizontal dissemination is important. Such technology made by locals, with local resources, local problems and local solutions make them significant for their development and growth. Once identify their ability to innovate and capture the innovations they found, we can pursue them for dissemination, reengineering, validation, and manufacture etc., where required. Having understood their ability to solve their problems, complements their effort to improve their Innovations and address those problems which are beyond them. All efforts should be made to supplement their creativity not to replace it.





Further, there are many topics covered in this workshop like; Technological Challenges in Rural Development, Skill Development and Vocational Training for Rural Technologies: Expectations from Research Institutions, Revamp the Traditional System of Tools Production, Technology Needs in Agriculture and Forest Livlihoods, Baripada: Convergence Experience and Role of Research Institues in Evidence – Based Policy Making etc.

In the end of the session, interaction with grassroot development practitioners.













Visiting Report – CSIR- IHBT, Palampur "Technology Demonstration and Business Networking Meet" on 9th-10th June, 2022

Team Members

- Mr. Nitin Verma, Regional Staff, IIT Roorkee
- Mr. Abhishek Singh (B.Tech. Civil Engineering)
- Mr. Shubham Pal (B.Tech. Metallurgical and Materials Engineering)
- Dr. Neeraj Sharma, Graphic Era University, Dehradun
- Dr. Ashutosh Mishra, CCS University, Meerut

Unnat Bharat Abhiyan (UBA), Council of Scientific and Industrial Research- National Institute of Science Communication and Policy Research (CSIR-NIScPR), and Vijanana Bharati (VIBHA) jointly organized a two-day technology Demonstration and networking meeting for Rural Livelihood. Eminent scientists and professionals conducted interactive sessions and labs and field visits. This event saw the participation of various Regional Coordinating Institutes (RCIs) and Participating Institutes (PIs) under Unnat Bharat Abhiyan.

Dr Shashi K Dhiman, Vice-Chancellor, Himachal Pradesh Technical University, was the honorable Chief Guest, and Shri Praveen Ramdas, National Secretary of Vijanana Bharati, New Delhi, was the Guest of Honour. The team of the Council of Scientific and Industrial Research

- Institute of Himalayan Bioresource Technology (CSIR-IHBT) introduced its motto and its functioning to all the participants, followed by lab/field visits which were followed by an interactive session by Scientists from different fields. This was followed by a session of stakeholder interaction on the diffusion of CSIR-IHBT Technologies. The event was concluded by a Vote of Thanks followed by a National Anthem.

Day - 1

The inauguration ceremony started with a lot of enthusiasm with the Sansthan Gaan, CSIR-IHBT. This was followed by Welcome Address by Dr Sanjay Kumar, Director, CSIR-IHBT Palampur. Then an online presentation on 'Transforming Rural Livelihood through Science and Technology' was delivered by Prof. Vivek Kumar, National Co-Ordinator of Unnat Bharat Abhiyan, IIT Delhi followed by a speech on 'Fast-tracking rural livelihood through Unnat Bharat Abhiyan' by Prof. A.M. Rawani, Director of NIT Raipur. followed by an informative speech by Prof. Ranjana Aggarwal, Director of CSIR-NIScPR, New Delhi, followed by a motivational speech by Sh. Praveen Ramdas, National Secretary of Vijanana Bharati, New Delhi.





The ceremony ended on a high note, with Dr Shashi K Dhiman motivating all the participants and thanking all the scientists for their efforts. Team CSIR-IHBT, along with participants and guests, took a group photograph and went for High-Tea.

TECHNOLOGY DEMONSTRATION (Lab/Field visits)

The team started by understanding the technology behind crispy fruits. Through this, the participants learnt about how they can preserve fruits for a long time and how farmers can benefit from it. The machine behind crispy fruits chops fruits into slices and extracts all the water content from the fruit, keeping the rest of the nutrients in it. The fruit slices can be stored like this for the off-season. Dipping the slices in water for 10-15 minutes renders them fit for eating as they regain their original colour with water content and nutrients. Participants did a practical on crispy fruits and confirmed the same. Participants also learnt about the technology behind extracting fibers from lemon peels and its usage in reducing ulcers. Participants got to know the impact of such technologies in daily life and the Self-Help Groups members. After this, the team and all the participants went for lunch. After lunch, the participants moved towards the bamboo hub, where they saw different bamboo products and seeds, including heeng and saffron. Participants interacted with scientists and questioned the possibility of growing those plants in their respective adopted villages. Participants then went to a nursery of bamboo, natural sweetener (stevia), Monk Fruit (Siraitia grovsvenorii), a low-calorie sweetener, and Lawrence (Kapoor) and spoke to the scientists present over there. The participants then observed mushroom cultivation and got to know about Shiitake Mushroom, which is rich in vitamin D2; and gathered information on their production and market possibilities. It was followed by moving towards the apple orchards by Bus.





Day - 2

INTERACTIVE Q/A SESSION

Day 02 started with stakeholder interactions on the diffusion of CSIR-IHBT Technologies, followed by the participants asking questions on implementing the technologies shown on Day 01. Team UBA, IIT Roorkee met a professor involved in incense sticks and cone-making technology and gathered information from primary to end for its implementation. Team UBA, IIT Roorkee asked questions on Shiitake mushroom, Bamboo, Stevia, Monk Fruit, Incense Sticks, and Cone making technologies. The session ended with the Vote of Thanks, followed by the National Anthem.





Learnings

- Freeze drying The team visited the Freeze-drying unit of CSIR-IHBT and learnt the process of making Crispy fruits (apples, pineapples, bananas, different vegetables, etc.) which can be conserved for a long time. Cost of the machine being used over there was around Rs 01 crore/-. In the unit, the team also learnt that different products like jelly and juice can be made from fruits and vegetables through different procedures which require different types of machinery.
- **Protein-Enriched Shiitake Mushrooms** The team got to know about the climatic conditions for Shiitake Mushrooms to grow properly. The team learnt to set up artificial conditions for mushroom growth, the process of spawning and the cost of production, and the selling price.

• Stevia, monk fruit, and other plants-

- Stevia and monk fruit plants are edible and sweet, having sweetness of about 200 times sugar.
 These can be used as alternatives to sugar.
- o The team learnt about the places where climatic conditions are good for the growth of saffron.
- The team learnt about Asafoetida's species which can be grown in India, the difference between different kinds of heeng, and the climatic conditions that nurture these.
- o The team learnt about the climatic conditions of Ginger and Turmeric.
- Bamboo plants The team learnt about different species of Bamboo plants and got to know about climatic conditions for these. It was followed by a visit to the Bamboo Museum of CSIR-IHBT where the team got to analyse different art and crafts, edible products, and household products which were made of bamboo. Bamboo plant is a miraculous plant as every part of it, from the tip of the leaf to the root, can be used for various purposes. It can be grown in Haridwar as it will prove to be extremely useful for the people as well as for providing employment to villagers.
- **Lidar Technology** The team learnt about Lidar technology and its uses in finding about the vegetation of any place. It makes different spectrums for different kinds of vegetation and can be used for places where human reach is difficult.
- Incense stick The team learnt about the manufacturing process of incense sticks. A custom machine can be provided by CSIR-IHBT for SHG usage at the lowest price of around Rs 5,000/-. Training can be provided by CSIR-IHBT to SHGs by signing an MOU (Memorandum of Understanding) between IIT and CSIR IHBT.
- 18-19% fewer VOCs (Volatile Organic Compounds) are emitted by these incense sticks compared to ordinary incense sticks which cause less pollution. Therefore, they are very prospective in nature.
- Floriculture- Th team learnt about different flowers like Calla Lily, Lilium, Gerbera, Gladiolus flower, etc. which can be sold at a good price in the market. Marigold has a good market in Ghazipur (Delhi). Floriculture has good potential in Haridwar.





• Processing of Tea and Nutrient extraction- The team learnt about the processing of tea from raw form to different end products. Different products like Tea Catechins, Tea wine and 'Ready to Serve' tea concentrates can be made of Tea. The team also visited a Lab where different nutrients were extracted out of fruits and vegetables. According to the analysis by the team members, it was concluded that such products don't have much scope in the villages adopted by Team UBA IITR.

Glimpses of the event













INITIATIVES BY UBA IIT ROORKEE

Content

S. No.	Title
1.	Overview of Initiatives
	Beladi-Salhapur
	Chandpur-Horawala
	Meerpur

Overview of Initiatives: Beladi-Salhapur

Vermicomposting Initiative

Vermicomposting is the process by which worms are used to convert organic materials (usually wastes) into a humus-like material known as vermicompost. Agriculture based only on chemical fertilizers and other chemical inputs is not desirable because constant use of such inputs causes soil infertility and affects productivity. To solve this problem in the village Beladi, Team Unnat Bharat Abhiyan, IIT Roorkee decided to implement vermicomposting. The team initiated the cause by bringing some worms and testing them in the laboratory of IIT Roorkee. The results were phenomenal, worms replicated and formed good compost. After analyzing the results, the team brought the worms from Organic Pura Ferm, a self-business in Unnav, and with the help of cattle dung from farmers successfully implemented the idea of vermicompost in the farms of Beladi. The first bed was set up in January while the second bed was set up in June to finally complete the initiative.

SHG formation Initiative

With the aim of empowering women in the rural society, this initiative involved enrolling needy and financial deprived women in the village to come together and form and SHG (Self Help Groups). By the formation of SHG, the women can collectively run a business and help their families. The team contacted the women one by one and provided them with complete information of the procedure and method of enrolment for the SHG. They were also told that after the formation of the SHG, they will be trained after which the women can run their own business and aim to become financially stable. All documents required were submitted in the office and soon the training of the women will commence in short span of time.

Overview of Initiatives: Chandpur-Horawala

School Adornment Initiative

Upon surveying at Government Inter College (GIC), Horawala, the team found that the furniture in the computer lab where computers were kept, tables, and chairs in classrooms were not in proper condition. Most of the tables were broken and could not be used. Some of the tables accommodated the computers more than their capacity. After taking permission from the dean of infrastructure, the team surveyed for unused furniture which was in good state. So, after ensuring the necessary repair work of the furniture, 06 tables and 20 chairs were donated to GIC Horawala and school adornment was completed.

Health Camp Initiative

In an attempt to counter the problem of unavailability of good health care centre, and no health camp or health related initiative since last 04 years in the village Horawala, Team Unnat Bharat Abhiyan (UBA), IIT Roorkee organized a Health Camp in the village Horawala. A team of 04 doctors along with 02 pharmacists was present for the general check-up and medicine distribution. The team received a very positive response from the people in the village and 42 people came for the check-up. Free medicines were also given to the patients who needed them. Pamphlets containing phone numbers of doctors and emergency health care providers were made available to all the residents in case such a need may arise in the future.

Overview of Initiatives: Meerpur-Muwazarpur

Vermi-composting Initiative

Unnat Bharat Abhiyan IIT Roorkee set up a vermicompost bed with a dimension of 15 ft x 4 ft x 0.25 ft in the village Meerpur. The earthworms named $\it Eisenia fetida$ were bought by the team and used in the bed to make compost. The bed was set up on the field of a farmer responsible for overseeing its further maintenance. The team will look over the bed periodically and work on multiplying the number of beds in the village.









UNNAT BHARAT ABHIYAN

Dev Sanskriti Vishwavidyalaya Gayatrikunj-Shantikunj, Haridwar-249411

PROGRESS REPORT

April to June, 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Ashwani Kumar

Email: ashwani.sharma@dsvv.ac.in

Phone Number: 9258369607

S.No	Name of Adopted Villages	Name of Blocks	District	State
1.	Udpalta (उद्पाल्टा)	Kalsi	Dehradun	
2.	Rani Pokhari (रानी पोखरी)	Doiwala	Dehradun	
3.	Itharna (इठारना)	Doiwala	Dehradun	Uttrakhand
4.	Rakhwal (रखवाल)	Doiwala	Dehradun	
5.	Boodpur (बूड़पुर जट)	Narsan	Haridwar	

List of Activities:

We had proposed above five new villages in place of earlier proposed villages and a proposal in this regard was submitted on 22nd March, 2022 to the National Coordinator, UBA with a request for approval for the same. A response from the National Coordinator UBA on change of villages is awaited. However, Dev Sanskriti Vishwavidyalaya Unnat Bharat Cell has now completed the survey of all the above villages.

ACTIVITY 1:

Name of Activity: Pre Survey Meetings with concerned Government Officials and

villagers.

Need of the Activity: To establish rapport with the local government officials and to seek their

cooperation for village survey (s) and implementation of UBA activities

subsequently.

To sensitize the residents of the identified villages about UBA and also to learn critical issues and local constraints/problems as faced by them.













Description in 200 words (along with the Pictures):

The selected villages represent three distinct ecologies. Two villages each from hills and foot hills and one village from plain.

To sensitize the residents of the identified villages a UBA team from the University visited the following villages in the month of April and May, 2022. Meetings with government officials









from Narsan (Haridwar), Doiwala and Kalsi Blokes (Dehradun) were also held in May, 2022 and a detailed plan for villages survey was finalised and shared. Details of the villages is as follows-

1. Boodpur Jat (Haridwar)

Boodpur Jat is a Village in Narsan Block in Haridwar District of Uttarakhand State. It is located 44 KM towards South from District headquarters Haridwar. 9 KM from Narsan block office. 83 KM from State capital Dehradun. Distance from Dev Sanskriti Vishwavidyalaya about 60 KM.

This Place is in the border of the Haridwar District and Muzaffarnagar District, near to the Uttar Pradesh State Border.



2. Udapalta (Dehradun)

Udpalta is a Village situated at an altitude of about 2000 meters in Kalsi Block in Dehradun District of Uttarakhand State. It is located 36 KM towards North from District headquarters Dehradun and from Dev Sanskriti Vishwavidyalaya about 130 KM. Its Pin code is 248196 and postal head office is Sahiya .

Udpalta is surrounded by Chakrata Block towards North, Vikasnagar Block towards South, Mussoorie Block towards East, Sahaspur Block towards South.

















3. Rani Pokhari (Mauja) (Dehradun)

Rani Pokhari is a small Village/hamlet in Doiwala Block in Dehradun District of Uttarakhand State. It comes under Rani Pokhari Panchayath. It is located 28 KM towards East from District headquarters Dehradun. 4 KM from Doiwala. 27 KM from the State capital Dehradun and from Dev Sanskriti Vishwavidyalaya 25 KM. Rani Pokhari Pin code is 248145 and postal head office is Rani Pokhari.











4. Rakhwal Gaon (Dehradun)

Rakhwal Gaon is a small Village/ hamlet in Doiwala Block in Dehradun District of Uttarakhand State. It comes under Rakhwal Gaon Panchayath. It is located 28 KM towards East from District headquarters Dehradun. 6 KM from Doiwala. 26 KM from State capital Dehradun and from Dev Sanskriti Vishwavidyalaya about 35.

Rakhwal Gaon Pin code is 248143 and postal head office is Bhogpur (Dehradun).





5. Itharna (Gadool) (Dehradun)

Itharna is a small hamlet situated at an altitude of about 1600 meters in Doiwala Block in Dehradun District of Uttarakhand State, It comes under Gadool Panchayath. It is located 55 KM towards East from District headquarters Dehradun. About 25 KM from Doiwala. Distance from DSVV about 50 KM.









Its Pin code is 248143 and postal head office is Bhogpur (Dehradun).





ACTIVITY 2:

Name of Activity: Village Survey

Need of the Activity: This is the first step and a pre-requisite for implementing the UBA activities.

Description in 200 words (along with the Pictures):

The household survey for the above five villages was taken up and completed in the month of June, 2022 with the help of students.

































ACTIVITY 3:

Name of Activity: Rally on "World No Tobacco Day" 31 May, 2022

Need of the Activity: Protect the Environment and Human being.

Description in 200 words (along with the Pictures):

The campaign is aimed to raise awareness among the public on the health and environmental impact of tobacco. It will give tobacco users one extra reason to quit.









ACTIVITY 4:

Name of Activity: Tree Plantation on World Environment Day 5 June, 2022

Need of the Activity: To live in perfect harmony with nature and protect the environment.

Description in 200 words (along with the Pictures):

The students undertook plantation activities in the above villages during the survey.













ACTIVITY 5:

Name of Activity: International Yoga Day 21June, 2022

Need of the Activity: Health and overall wellbeing

Description in 200 words (along with the Pictures):

To spread awareness about the practice of yoga and its holistic approach to physical and mental wellbeing students organised yoga day for the residents of Rani Pokhari, Rakhwal villages at Bhogpur and Dev Sanskriti Vishwavidyalaya.







Action plan for next quarter:

Sr. No.	Activity to be conducted (along with reason)
1	Analysis of the survey data
2	Preparation of action plan for each village
3	Undertake activities as per the above plan









UNNAT BHARAT ABHIYAN INSTITUTE

AISHE CODE: C - 46966

DEWAN VS INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY, MEERUT

PROGRESS REPORT

APRIL, MAY, JUNE 2022 (03 MONTHS QUARTERLY REPORT)

UBA Coordinator's Name: PRASHANT RAGHAV, MEENAKSHI SINGH

Email: prashant@dewaninstitutes.org, singh28.minakshi@gmail.com

Phone Number: 8476020835, 8218472711

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT	
1	MOHIUDDINPUR (CT)			
2	MOHIUDDINPUR LALSANA			
3	TIKRI	MEERUT, RAJPURA, JANI KHURD	MEERUT	
4	ITAYIRA	V11111111111		
5	AMINAGAR URF BHOORBARAL			

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity:

Career Counseling Session at Village Mohiudinpur by Dewan VS Institute of Engineering and Technology

Need of the Activity:

The economically weaker section of students of village who want to pursue their higher studies and not getting any directions towards government scholarships and upliftment of rural education need some guidance and career counselling.

Next action plan:

Sr. No.	Activity to be conducted
1	Upliftment of Rural Women and children for education awareness program.
2	Awareness program for cleanliness & Hygiene in rural areas.
3	Conservation of water resources to stop wastage of water.

UNNAT BHARAT ABHIYAN <u>DEWAN VS INSTITUTE OF ENGINEERING &</u> TECHNOLOGY, MEERUT (WESTERN UP)

(UBA PI Id: C-46966)

Career Counseling Session at Village Mohiudinpur by Dewan VS Institute of Engineering and Technology



Dewan VS Institute of Engineering and Technology organized a career counseling session for the students of village Mohiudinpur Meerut on June 25, 2022 at Panchyat Ghar to give a right direction to the students and enable them to take progressive decisions for choosing their career. The students were advised to choose the career on the basis of their aptitude and interest. The resource persons for the career counseling session were Dr. KP Jayant HOD (CS) and Mr. Shekher Pundir HOD (ECE). The personality development session was conducted by Ms. Minakshi Singh (Verbal Ability and PDP Trainer). The technical assistance was provided by Mr. Ranjanam Surya (Lab Technician). Besides, the students were also advised to set a priority order which includes the first preferred and second preferred options along with numerous backup plans. The students were

further suggested to link their attributes to the available career options to create a personalized roadmap. The head of the village Mr. Vijay also motivated the students to come up with flying colours in their career. The students' queries regarding career options were also answered in the session. All the students found the session to be quite meaningful and informative.











UNNAT BHARAT ABHIYAN

DEWAN VS INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY, MEERUT (WESTERN UP)

(UBA PI Id: C-46966)

PROBLEMS IDENTIFIED IN 5 ADOPTED VILLAGES

Please find the List of Problems identified with geo tagged pictures during survey of adopted 5 villages as instructed by Regional Coordinating Institute IIT Roorkee UBA Coordinators.

Regards,

Meenakshi Singh (8218472711) (Coordinator UBA) Prashant Raghav (8476020835) (Coordinator UBA)

TIKRI VILLAGE

- 1. The village has total 07 water bodies out of them 02 are filled with waste water and rest of them being encroached by the villagers. Hence there must be a utilization of the active water bodies after their cleaning so that any business activity like fishing pond can be made in those water bodies.
- 2. The Village is having a Ganga River canal with ample amount of water. There is no power generation utility system nearby. The proposal may resolve the Electrical power requirement of the villagers.
- 3. There is no power generation. The village has a primary school till 8th standard. The Gram Pradhan needs the school to be upgraded upto 12th standard at least for girls.

(AMINAGAR) BHURBARAL

- 1. The village has its primary school which is not equipped with smart classes and up to date library. As per Gram Pradhan will, the school must be equipped with smart classes, library and computer systems so that it may be a role model for new PM Shree School Venture of GOI.
- 2. The village has two water bodies which are filled with waste water and being encroached by the villagers. Hence there must be a water treatment plant with advance water reservoir which is solar powered.

- 3. There is no Govt Water tube well in the village and there are problems in irrigation of farms. Government run water tubewell must be installed in the village.
- 4. There is nearby Alps private company which is producing water pollution in the village.

ITAIYRA VILLAGE

- 1. The village has a primary school till 8th standard. The Gram Pradhan need the school to be upgraded upto 12th standard at least for girls.
- 2. The village has a water body of 12 beegha which is waste land and being encroached by the villagers. It has to converted into water reservoir with a boundary wall so that encroachment must be stopped and water reservoir must be used for some purpose.
- 3. The village is constructing an elevated water tank with 500 feet water boring to supply water to villagers. Proper pipelining and digging and filling of trenches within the village need some monetary and non monetary assistance.

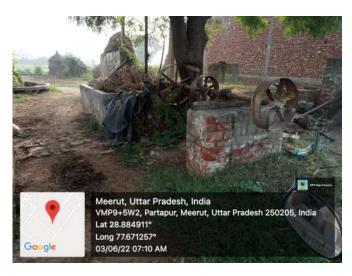
MOHIUDDINPUR (CT)

- 1. The village is already working for cleanliness and hygiene with fabrication of garbage segregation sheds into numerous types. Monetary and non monetary assistance will pace up the fabrication of this garbage treatment & segregation plant.
- 2. Water and air pollution due to nearby sugar mill and baggase burning is creating a lot of problem for the air and water quality of the village.
- 3. Water tank installation need to be done to supply drinking water to each home in the village. The monetary and non monetary assistance will pace up the planning and execution of its installation.

MOHIUDDINPUR (LALSANA)

- 1. The village has a primary school till 8th standard. The Gram Pradhan need the school to be upgraded upto 12th standard at least for girls.
- 2. The village needs some garbage segregation plant for cleanliness & hygiene.
- 3. The village has three water bodies which are being converted into DALDAL and being encroached by villagers. It has to converted into water reservoir with a boundary wall so that encroachment must be stopped and water reservoir must be used for some purpose.
- 4. The village has a number of stray animals. There is no arrangement of these stray animals.

































UNNAT BHARAT ABHIYAN

DEWAN VS INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY, MEERUT (WESTERN UP)

(UBA PI ld: C-46966)

Subject: Regarding <u>Catch the Rain Campaign</u> under National Water Mission (NWM).

Respected Sir,

As per the directions of Regional Coordinating Institute, following information is being shared regarding Catch the Rain Campaign under National Water Mission, an activity is carried out in one of the adopted village TIKRI.

Please find the attached geo tagged pictures as well as details of all water bodies available in the village after meeting with Gram Pradhan Mr. Sanjay Singh.

There are total 7 water bodies in the village details area wise given as below.

S. No.	Name of Vikaskhand	Name of village	Total number of water bodies.	Water Body Number	Area in hectares	Utilization of Water Body
1				557	2.265	Waste Water Pond
2				553	1.265	Waste Water Pond
3	loni	T:1:		8	0.405	Encroachment
4	Jani	Tikri	7	729k	0.228	Encroachment
5				10	0.089	Encroachment
6				81	0.063	Encroachment
7				560/1	0.051	Encroachment

Only two water bodies are visible now 557 & 553 and rest of water bodies are encroached by the villagers and they have built up their houses on the land. In addition to that a Ganga River Canal (Bhole ki jhal) is also flowing through the village with enormous amount of water. Find attached geo tagged pictures and vikaskhand document.

Coordinator(Participating Institute)

Mr. Prashant Raghav Ms. Meenakshi Singh













तहसील मेरठ के राजस्व गामों में स्थित तालाब / जोहड की गाटावार सूची

क्र0 सं0	विकास खण्ड का नाम	राजस्य ग्राम का नाम	राजस्य ग्राम में कुल तालाबों की संख्या		तालाब का क्षेत्रफल (है०मे
1	2	3	4	5	6
39	jani	satwai	6	310	0.8350
				149	0.5440
			_	28	0.3040
				469	0.2660
				380	0.1140
				654	0.0510
40 .	jani	sisola khurd	5	215	0.3290
		SISOIA KIIUIU	5	388	0.2910
					0.2910
				406	
				442	0.2400
41	jani	de la		393	0.2280
-11	jan	sisola bujurg	3	329	.6580
				676	0.1520
42	ioni			720	0.0890
0.000	jani jani	mansabgarh	1	43	0.4110
100	jarii	kitholi	8	244	0.9180
				/ 592	0.5830
				745	0.2940
		•		1076	0.2380
		9		1086	0.1790
				688 kh	0.1160
			-	401	0.1010
				1217 kh	0.0890
167	jani	bafar	4	158	0.6960
	3			420	0.1640
				154	0.1140
400				549 mi	0.0260
168	jani	khedki mujjaakipur	3	391	0.2710
				365	0.0820
100				83 kh	0.0250
169	jani	jamalpur majra	2	131	0.3040
470	· · · ·				0.2910
170	jani	jani khurd	7		3.4090
)•			0.8220
		·*			0.2530
					0.1950
					0.1520
					0.1270
171	jani	tikri	7		0.1260
)		<u> </u>		2.2650
					.2650
					0.4050
					0.2280
					.0890
				560/1 0	.0630

46

तहसील मेरठ के राजस्व ग्रामों मे स्थित तालाब/जोहड की गाटावार सूची

क्र०सं०	विकास खण्ड का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	राजस्व ग्राम में कुल तालाबों की संख्या	तालाबों का खसरा/गाटा संख्या	तालाब का क्षेत्रफल (है0में)
	•	3	4	5	6
1	2	jani bujurg	38	806	1.4670
172	jani	Jan bujurg		802 kh	0.9230
			v	863	0.4680
			1	746	0.3160
				744/1	0.3040
,				707	0.2780
				103	0.2020
				1359/13	0.1900
				114	0.1390
				1324/2 mi	0.1390
				1333/1 mi	0.1390
			100	1325/3 mi	0.1390
				1325/1	0.1260
				716	0.1140
				1310/5 mi	0.1010
	•			1310/11	0.1010
				1310/6	0.1010
				697	0.0890
				1334	0.0890
				1310/3 mi	0.0890
				1310/7 mi	0.0890
				1310/8	0.0890
*				1310/12	0.0890
				1310mi	0.0890
		**		1310/10 mi	0.0890
				1310/4 mi	0.0890
				365	0.0760
			11	1359/4 mi	0.0630
+:				1359/8·mi	0.0630
				1359/2 mi	0.0630
				1359/5	0.0630
	(a)			1359/9	0.0630
				1359/10	0.0630
				1359/11	0.0510
				1359/6	0.0510
				1359/3	0.0510
				64k	'0.0190
				205	0.0030
		leur dheleri 201 V	1/7	1164/1 ,2	0.8320
173	jani	rasolpur dholari	1	358	0.5060
		{ ' } }		1263	0.4430
				649/6,7	0.4170
				648	0.3290
				1176 mi	0.3040
				866	0.1390
			3	576	0.2280

वस्यीव	ਮੇਹਰ	4	गानक	mil	tr	क्रिशन	तालाब	/ जोहड	की	गाटावार	सूची

क्रथसंव	विकास खण्ड का नाम	राजस्य ग्राम का नाम	राजस्य ग्राम में कुल तालाबों की संख्या	तालाबों का खसरा/गाटा संख्या	तालाब का क्षेत्रफल (है०में)
			15241532	5	6
1	2	3	4	575	0.1140
				574	0.0380
			5	579	0.8980
175	jani	bahrampur khas	3	561/2	0.1200
				110 m	0.1130
				105 k	0.0630
				108	0.0630
			3	780	0.2020
17.6	jani	bahrampur morna	3	707	0.1260
				578	0.0510
			3	1555	0.3160
177	jani	mohhamadpur dhoomi	3	1398	0.1770
				1562	0.0630
			-	33	0.1010
178	jani	chakmorna	1	573	0.6580
- National - 775	jani	dhilora urf daluhera	2 V	93	0.1390
	J		-	719	0.2660
180	jani	rawa	2	599 k	0.0760
100	Jum			0	0
181.	ioni	sikri	0	476 kh	0.1360
		meerpur jakheda	1 1	355 kh	0.6960
	jani	khanpur	10	780	0.6580
183	jani			282	0.5310
				782	04810
				784	0.4050
				615	0.3040
10				716	0.1260
-				884	0.1260
				232	0.1010
*				101	0.0890
				61	1.5560
		pastra	4	166	0.4050
184	jani	pastra		234	0.3680
				95	0.1260
				206 kh	3.6820
-			2		1.1130
185.	jani	laharra		365	1.1510
100.			1	203	0.9230
100	jani,	mahpa	5	167	
186	jani	bhavi		182	0.3160
187	Jain .			308	0.2910
				240	0.1520
				412	0.114
			3	215	0.948
		basatikri		2	0.442
188	jani			225	0.392
			-	100 mi	1.404
		kishori	2	100 1111	1.404

तहसील मेरठ के राजस्व ग्रामों में स्थित तालाब / जोहुद की गाटावार सची

	जन्म जन्म प्राम्	ठ के राजस्व ग्रामों मे स्थित ता राजस्व ग्राम का नाम	राजस्य ग्राम में कुल तालाबों की संख्या	तालाबों का खसरा/गाटा संख्या	तालाब का क्षेत्रफल (है0मे)
1	2	3	4	6	6
				200	0.7970
90	jani	johra	3	200	1.8130
				226	0.3790
				233	0.2150
191	jani	kurali	15	867	1.5050
				876	1.3660
				485 k	1.2200
-				423	0.6200
		1		905	0.5190
- 100				1211	0.5060
_				543 mi	0.3290
				875 k	0.2020
				877	0.1900
	<u> </u>			484	0.1770
- 27				919	0.1640
_				373 kh	0.1640
				664	0.1140
				753	0.0630
				741	0.0380
	N .	nek JIM 4-1171	11011110	357	0.1.0620
192	jani	nek JIM 4-1171	NILL HAND	547	0.5190
				266	0.3410
				252	0.2020
	6			247	0.1140
				248	0.0890
				246	0.0760
				249	0.0760
				250	0.0630
				337 k	1.9530
193	jani	timkiya	3	390 kh	0.3790
				511	0.0630
·			5	169	0.5190
10/	ı jani	raghunathpur	5	153 mi	0.3790
15-	+ jan			63	0.0510
-				168	0.510
_				61	0.0250
				0	0.0230
	- 1::	khajoori .	. 0	901 k	3.5120
19		siwal khas	15		0.8470
19	6 jani			1667	
				458 kh	
				1461	0.4300
	•			1409	0.4050
				1262	0.2400
	(4)			996 gl	0.214
				1361 n	ni 0.202
				535 kl	0.113

तहसील भेरत के राजरव ग्रामों में रियत तालाब / जोहज की पाटानार गुनी more wi सालाबी का ब्रेजमल (केंग्री) strutes tite & राजस्य ग्राम का नाम विकास खण्ड का नाग क्षत्राचा / गाडा क्रा बाल तालाबाँ की 4/40/11 4(494) . 4 0.1010 a 848 2 1 กลลดก 1600 0.0800 1380 0.0510 1175 0.0380 1350 0.0350 1404 1.0340 350 0.0480 chandora 303 jani 197 กลอลก 317/3 0.3700 100 3 0.1380 nagla kumbha 13 jani 198 0.1140 51 0.3380 178/3 12 0.3660 amanullapur 280 199 jani 0.3390 387 0.3030 inn 0.3030 403 0 1000 655 0.1000 780 0.1300 677 0.1360 680 0.0800 414/B00 0.0380 184 0.0130 343 0 0110 531 0.2810 041 dhadra 200 jani 0.3530 703 0 1520 636 0 1260 651 0.1060 420 0.0890 754 0.0410 302 0.0370 322 0.6580 101 3 0.2150 chobla 143 201 jani 0.0100 142 8070 643 b A 0.8220 gejha 640 jani 202 0.4610 775 0.0380 508 2.1750 143 9 4 poothri 0.6450 77 jani 203 0.0340 167 166 1.1760 1 1-61001 mujjakipur 0.6700 jani 244 204 120 0.5560 shipura

1

jani

205

तहसील मेरठ के राजस्व ग्रामों मे स्थित तालाब/जोहड की गाटावार सूची

)सं०	বিকা	स खण्ड व	ग नाम	7	राजस्व ग्राम का नाम		राजस्य ग्राम कुल तालाबी संख्या		तालाबॉ व बसरा/ग संख्या	ाटा है	तालाब का नेत्रफल (है0में)
-						-		-	5	\neg	6
1		2			3		4	-	205	-	0.9360
206	jani			ghat			4	-	567		0.6700
								_	593	_	0.3670
								-	744		0.1520
									168/	_	0.4270
207	jani			sohar	(a		3	_	95	_	0.3790
								_	91	_	0.2150
								-	11		0.9230
208	jan	ii		anjou	li		2		41/		0.2150
									0		0
209	jar	ni		mew	a		0		1/2-1		3.5790
210) ja	ni		pano	hali khurd		6		100		1.6190
	Ť								97		1.0240
	+								100		0.8600
-	+				6				100		0.3290
-	+				1.				95		0.0380
-	+		-						65		0.4550
2.	11 li	ani		afja	lpur pawti		6	1 20		_	0.4380
1	- 1			Ť			5	do		3	0.1900
-			_			2.5.0	OX) -	FILE 13,922	10	0.1770
-	-			\neg						26	0.1260
-	-									92	0.0760
-				+						62	1.5050
-	212	jani		ra	mpur pawti			1		01	1.1260
_	216	jani			lanjari			9	A Company of the Comp	104 740	0.6580
-	2 (0	Jan								019	0.4930
-									- 9	009	0,3790
-	_	-		_						411	0.3350
-	_	-			Ance					1011	0.2150
ŀ	_	+								790	0.0570
+		+		1						467	0.0510
		+							-	481	0.0380
	-							3		206	0.4050
	21	7 jani			dimoli			3	_	296	0.3040
	1								-	239	0.2530
	-	-						4	-	443	61970
	2	18 jani			dindhala		_	5.13		678	0.3670
	F									339/kh	
	-					_				02/4 kl	7-139-134-1
					- Joh paggr			4		299 m	
	1	219 jani			saleh nagar			- 15		363	0.847
	F									174 a	0.253
	-					_				395	0.063
					faizabad panchgao			1		160	0.911
	1	220 jan			aghera	_		9		105	1.480
	1	221 jar	ni		agricia				_	135	0.118

UNNAT BHARAT ABHIYAN

<u>TECHNOLOGY, MEERUT (WESTERN UP)</u>

(UBA PI ld: C-46966)

GUD BHATTI SURVEY IN 5 ADOPTED VILLAGES

Please find the data of Gud Bhatti survey in adopted 5 villages along with their geo tagged pictures as instructed by last online meeting held on 02 June 2022 with IIT Roorkee UBA Coordinators.

Regards,

Meenakshi singh (8218472711) (Coordinator UBA) Prashant Raghav (8476020835) (Coordinator UBA)

TIKRI VILLAGE

- 1. Gud Bhatti total 02
- 2. Gud bhatti Running 02. (both were running in April 2022)
- 3. Gud bhatti closed NIL (will run again in September 2022)

(AMINAGAR) BHURBARAL.

- 1. Gud bhatti total:- 03
- 2. Gud bhatti running :- 01
- 3. Gud bhatti closed :- 02
- 4. Reason of closure: Unavailability of sugarcane currently.

ITARIYA VILLAGE

- 1 Gud bhatti total 02
- 2. Gud Bhatti Running NIL.
- 3. Gud bhatti closed 02
- 4. Reason of closure Unavailability of labour.

-Land sold to a person.

MOHIUDDINPUR (CT)

- 1. Gud bhatti total :- 02 running in past (30 years back)
- 2. Gud bhatti running:- NIL.
- 3. Gud bhatti closed :- 02 closed since 30 years ago.
- 4. Reason of closure :- Death of family member and migration of whole family to other place in Ghaziabad.

MOHIUDDINPUR (LALSANA)

- 1. Gud bhatti total :- NIL
- 2. Gud bhatti running:- NIL
- 3. Gud bhatti closed:- NIL
- 4. Reason of closure: Non profitable.





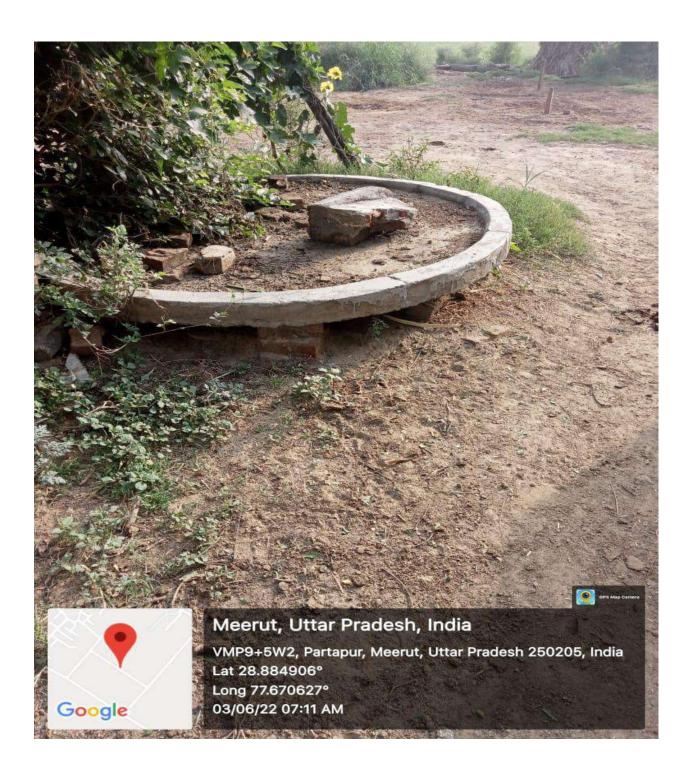




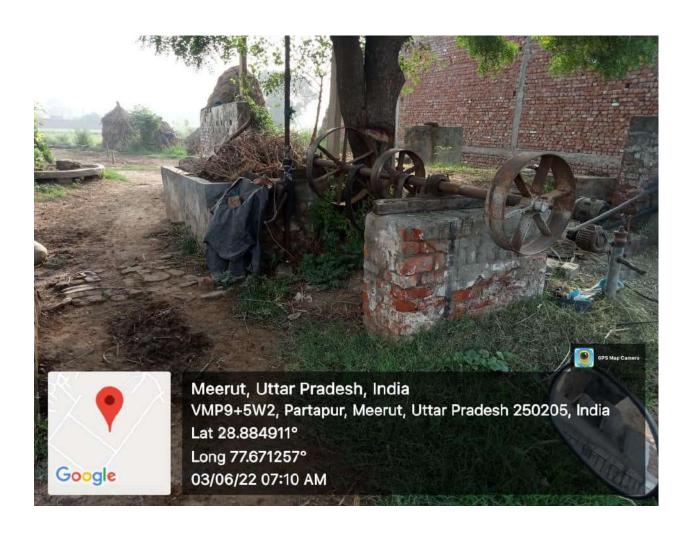




ITAYIRA VILLAGE GUD BHATTI PICTURES



ITAYIRA VILLAGE GUD BHATTI PICTURES



AMINAGAR BHOORBARAL VILLAGE GUD BHATTI PICTURES



TIKRI VILLAGE GUD BHATTI PICTURES





Dewan VS Institute of Engineering & Technology, Meerut (311)

Unnat Bharat Abhiyan (PI - AISHE CODE: C-46966)

TIME LINE OF UBA PROGRAM AT DVSIET

Here is the summary of Village visits and other work done by UBA Team Members so far.

S. No.	Date	Location	Details
1	09 April 2022	DVSIET	Submission of Mandate form and UBA application at UBA Website after the selection of 5 villages to be adopted by DVSIET. Done by Ms. Meenakshi Singh & Mr. Prashant Raghav
2	11 April 2022	DVSIET	Revert Email from Regional Coordinating Institute (RCI) IIT Roorkee that your all the documents are successfully verified and are under the process to be signed by MHRD. You will be notified after that through emails for further steps.
3	26 May 2022	DVSIET	Email of Congratulations received from Regional Coordinating Institute IIT Roorkee that the application of UBA has been accepted and DVSIET has been registered as a Participating Institute under UBA Program.
4	02 June 2022	DVSIET	Online meeting with RCI, IIT Roorkee Mr. Nitin Verma. Information and survey regarding a technology based on GUD BHATTIs in 5 villages is asked to be collected. attended by Ms. Meenakshi Singh & Mr. Prashant Raghav
5	03 June 2022	Tikri	Pradhan details & Village Gud bhatti technology survey with geo tagged pics done by Mr. Amit Sharma (Lab technician DVSIET)
6	03 June 2022	Mohiuddinpur	Pradhan details & Village Gud bhatti technology survey with geo tagged pics done by Mr. Harendra Kumar & Mr. Avneesh (Lab technician DVSIET)
7	03 June 2022	Bhoor Baral	Pradhan details & Village Gud bhatti technology survey with geo tagged pics done by Ms. Rajni Vikal (Faculty CE, DVSIET)
8	03 June 2022	Itayira	Pradhan details & Village Gud bhatti technology survey with geo tagged pics done by Mr. Johny Kumar (Lab technician DVSIET)
9	08 June 2022	Tikri	Meeting with Gram Pradhan, filling up of survey documents, geo tag pics collection of water bodies under National Water Mission given by NCI. Done by Ms. Meenakshi Singh & Mr. Prashant Raghav.

10	16 June 2022	Itayira	Meeting with Gram Pradhan, filling up of survey documents, geo tag pics collection of water bodies under National Water Mission given by NCI. Done by Ms. Meenakshi Singh & Mr. Prashant Raghav.
11	17 June 2022	Mohiuddinpur	Meeting with Gram Pradhan, filling up of survey documents, geo tag pics collection of water bodies under National Water Mission given by NCI. Done by Ms. Meenakshi Singh & Mr. Prashant Raghav.
12	17 June 2022	Lalsana	Meeting with Gram Pradhan, filling up of survey documents, geo tag pics collection of water bodies under National Water Mission given by NCI. Done by Ms. Meenakshi Singh & Mr. Prashant Raghav.
13	23 June 2022	DVSIET	A sum of Rs. 50,000 /- has been credited to the Bank account of DVSIET by NCI IIT Delhi as a first seed money grant of UBA.
14	25 June 2022	Mohiuddinpur	An awareness program conduction focusing career counselling of 12 th students followed with quiz competition and prize distribution ceremony and samman samaroh at gram panchayat office hall conducted by Ms. Meenakshi Singh, Dr.K.P.Jayant & Mr. Shekhar Pundir with lab technicians.
15	27 June 2022	Bhoorbaral	Meeting with Gram Pradhan at DVSIET Meerut, Done by Ms. Meenakshi Singh & Mr. Prashant Raghav.
16	30 June 2022	DVSIET	List of identified problems in adopted 05 villages is submitted via whatsapp as requested by Mr. Nitin Verma Program Coordinator (IIT Roorkee) Done by Ms. Meenakshi Singh & Mr. Prashant Raghav.









UNNAT BHARAT ABHIYAN MEERUT INSTITUTE OF TECHNOLOGY, MEERUT C-46194

Quarterly Report

April, May & June 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Himanshu Sharma

Email: himanshu.sharma@mitmeerut.ac.in, Phone Number: +91-9837717212

INTRODUCTION

This quarterly report is for the month of April, May, June 2022. It is designed to provide an update on progress during this quarter towards achievement of Institution's Objectives towards community Development. This report provides the progress and updates regarding the programs conducted by the institution in the various developmental domains, following are the adopted villages where the programs were executed.

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Arnawali	Block -Rohta	
2	Bisola	Block –Mawana Kalan	
3	Jataula	Block-Rohta	Meerut
4	Khirwa Jalalpur	Block-Sarurpur Khurd	
5	Mor Kalan	Block-Hastinapur	

OVERVIEW of the QUARTER

The last quarter was good for the institution's initiatives, this was the perios of harvesting for farmers and students were free from their exams so, we were able to execute multiple programs during this period. Our priority was to make awareness and provide solution to the problem faced by the community.









In this tenure we executed the following programs:

- Save the Soil
- ICT workshop
- Baal Vikas

The focus was to make the community aware about the above issues and develop the required mindset in today's challenging environment.









SAVE THE SOIL

UBA initiative Theme: Public Awareness Meerut Institute of Technology





Team MIT UBA took a step forward towards the awareness regarding the health of soil and its impact on the farm produce. With the basic interaction with farmers and gram pradhan, team came to know the problem of low productivity of fields and intensive usage of chemical fertilizers leading to high cost of input. The farmers were made aware about the following benefits of soil testing.

- Soil Analysis leads to more informed fertiliser decisions, reducing risks in the soil such as soil erosion, soil infertility and degraded lands and increasing farm profitability in the long-term.
- It reveals the amount of plant-available macro-nutrients in the soil and where soil nutrients are in the soil profile
- Identifies nutrients that could be yield-limiting
- Monitors soil health properties such as pH, EC and OC, which affect nutrient availability to crops and thereby yields and profitability









Save the Soil Campaign was initiated with focus on soil rejuvenation, and crop productivity enhancement for sustainable and environment friendly practices. The campaign promotes soil testing, reclamation & conservation, balanced & integrated application of nutrients, water resource development & conservation, inclusion of pulses in the cropping system, crop diversification, farm mechanization etc.

The campaign would be a major success and farmers can expect increase in the yield

across crops, improved soil health and implementation of improved & sustainable f arm technologies.









INFORMATION & COMPUTER TECHNOLOGY INITIATIVE

UBA initiative
Theme: Education- Basic Amenities
Meerut Institute of Technology





Computer literacy is a vital skill for higher education and jobs nowadays and there are very few government schools that focus on this. Identifying this problem, UBA Mor kalan team got the inspiration to start the ICT (Information and communications technology) Initiative for the students village college students, Mor kalan in which students were planned to be given basic computer education to help them feel comfortable with operating a computer as most of the students find it difficult in the start and they are scared from using it.

The ICT Initiative was held in the last week of May, 2022, in which students were taught how to draw to write paragraphs and edit them in MS Word and basic internet surfing activities. The main aim was to make the students familiar with a computer so every student was given some time with a laptop to practice what they learned in both the sessions.

The event turned out to be really fruitful as more than 50 students of were taught how to use MS Word and Internet during sessions with an adequate learning gradient. All the students were very enthusiastic and excited about operating a









computer and working on it. Hand-outs were distributed among the students and charts were pasted in their classrooms so that they remember the concepts for a long time. School teachers appreciated the team's efforts and persuaded us to implement more initiatives like this in the School.









BAL-VIKAS

UBA initiative

Theme: Child Health and cleanliness
Meerut Institute of Technology





The Wealth of a nation is not so much in its of economical and natural resources but it lies more decidedly in the kind and quality of the wealth of its children and youth. It is they who will be the creators and shapers of a nation's tomorrow.

With the motive of overall development of children. Last year the institution started the program of BAL-VIKAS which is spreading awareness to general public regarding child physical and mental health.

The children were sensitized about the importance of washing their hands before and after eating and exercising daily and the importance of playing sports and inculcating other healthy habits to avoid falling sick. This was the time of student's summer holidays, our team with school staff conduct summer camp activities in the primary school which this included dance classes, side drum and sports activities. The program was a huge success and we were able to have huge impact on students learning process









UNNAT BHARAT ABHIYAN

Government Polytechnic Gauchar

PROGRESS REPORT

MONTH and Duration, April - June 2022

UBA Coordinator's Name: RavindraSemwal

Email: principal_gpg8@yahoo.co.in

Phone Number:

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Sail		
2	Kameda		
3	Basantpur	Karanprayg	Chamoli
4	Rawalnagar		
5	Bandarkhand		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Name of Activity: Plantation

Need of the Activity: To save earth

Descriptionin 200 words (along with the Pictures):

On the occasion of World Environment Day, the plantation program has been conducted for the wellbeing of environment and earth. The Program was successfully conducted with help of students of the Institution.













ACTIVITY 2:

Name of Activity: Yoga

Need of the Activity: To stay healthy

Description in 200 words (along with the Pictures):

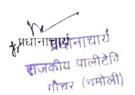
On the occasion of world Yoga day, the awareness regarding Yoga for better health has been conducted with help of students of the Institution.





Action plan for next month:

Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)	
1	To promote the schemes of Government so that villagers would be benefited.	
2	Work with the identified areas of needs like pure water for drinking, water harvesting, agricultural reforms etc.	











UNNAT BHARAT ABHIYAN

GOVERNMENT PG COLLEGE, MALDEVTA, RAIPUR, DEHRADUN

PROGRESS REPORT

MONTH - April, 2022

UBA Coordinator's Name: DR. MADHU THAPLIYAL

Email: MADHUTHAPLIYAL@GMAIL.COM

Phone Number: 7579045745

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	SARKHET		
2	SERKI	RAIPUR, MALDEVTA DEHRADU	DEHRADUN
3	THEVA		
4	ASTHAL		
5	BACHET		

List of Activities:

ACTIVITY 3: Entrepreneurship development and MSME schemes- Theva - 01/04/22

Name of Activity: Entrepreneurship development training

Need of the Activity: Villager are not aware about various schemes that are being pursued by Directorate of Industries, MSME, Govt. of Uttarakhand. Knowledge and information about various schemes of Directorate of Industries and Govt. of India will help the locals to plan their ventures in a better way.

Description in 200 words (along with the Pictures): A one-day awareness workshop on the topic of "Entrepreneurship development and various schemes of government" was organized under the "Unnat Bharat Abhiyan" of the Ministry of Education, Government of India, in Gram Sabha Theva.

Inaugurating the workshop, Principal, Prof. Satpal Singh Sahni said that Government PG College Maldevta Raipur Dehradun is dedicated to working with the locals and will work on programs of societal benefit with the help of activities related to Unnat Bharat Abhiyan.

Dr. Mahaveer Sajwan, Deputy Director, Directorate of Industries, Government of Uttarakhand, explained in detail to the villagers, especially women, as to how they can generate good income ranging from ten thousand to one crore rupees through various schemes. He said that all the artisans and traditional handicraft developed at local level can use the "Himadri Outlets" of the









Uttarakhand Government to display and sell their products. He also shared information of various schemes of Directorate of Industries, Government of Uttarakhand with the villagers. Villagers asked him several questions and Dr. Sajwan gladly replied to each query. Dr. Sajwan told that the Industries Department of Uttarakhand Government along with the college will give self-employment training to the villagers.

Program coordinator, Dr. Madhu Thapliyal shared that information about Unnat Bhart Abhivan and explained to the villagers the aims of this program. She said that Government PG College, Maldevta, Raipur, Dehradun has adopted five villages - Asthal, Bachet, Serki, Theva and Sarkhet, She said that under the program, mushroom production training was provided in Sarkhet, commercial fisheries related information and awareness was shared in Sarkhet and the meeting in Theva Village was oriented towards developing entrepreneurship capabilities, specially focusing on women. She said that under Unnat Bharat Abhivan many Government Departments of Uttarakhand are being brought to their doorsteps of villagers who are sharing information and promoting economic development by sharing information about earning good economics from training the villages about how to connect with self-employment and trainings and how to actually implement the information in project form.

Mrs. Sunita Kshetri, Gram Pradhan of Theva village, thanked the coordinator of Unnat Bharat Abhiyan, The Principal and the entire college team on behalf of her Gram Sabha Theva. She said that the college is coming to their village and giving information about self-employment to the people and encouraging them, which everyone in the village is appreciating.

Volunteer student of Unnat Bharat Abhiyan. Aarti Rathore informed the villagers about earning livelihood from mushrooms.

Dr. Shruti Chaukiyal and Dr. Rekha Chamoli, team members of Unnat Bhart Abhivan, expressed thanks to the villagers and all the dignitaries. More than 60 villagers including Mrs. Kamna, Rameshwari, Sangeeta, Vice-President Satendra, Lakmi Bhatt, president of rural group, volunteer students Varsha, Nikita, Khilafat Singh, Shivansi, Aarti, Dipti participated in the program..

Village Theva is 1 Km far from Maldevta/Raipur. Several villagers and Gram Pradan were among the participants. (Total number of participants -60)





















सरकारी योजनाओं का महिलाएं उठाएं लाभ

जागरण संवाददाता, देहरादूनः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता के उन्नत भारत अभियान के तहत ग्रामसभा थेवा के ग्रामीणों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उद्योग उपनिदेशक डा. महावीर सिंह सजवाण ने ग्रामीण महिलाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं केंद्र और राज्य सरकार की उन सभी योजनाओं को लाभ उठाएं जिसमें दस लाख रुपये से लेकर दस करोड़ रुपये तक की आय अर्जित की जा सकती है। उद्योग विभाग के हिमाद्री आउटलेट के जिर्ये प्रदेश के तमाम लोग अपने हुनर को प्रदर्शित कर सकते हैं। इस दौरान कई महिलाओं ने उद्योग विभाग से जुड़कर काम करने की इच्छा जताई। इस दौरान प्राचार्य प्रो.एसएस साहनी ने बताया कि कालेज की ओर से तमाम ऐसे जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जो समाज के विकास के लिए

सहायक हैं। कार्यक्रम की समन्वयक डा. मधु थपिलयाल ने बताया कि कालेज ने उनत भारत अभियान के तहत गांव अस्थल, बछेत, सेरकी, थेवा और सरखेत को गोद लिया है। इन गांवों को सशक्त बनाने के लिए कालेज की ओर से कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जिनमें मुख्य रूप से मशरूम पालन, मछली पालन हैं। जिससे उनकी आर्थिकी सुदृह हो सके। डा. मधु थपिलयाल ने थेवा गांव में रम सजवाण के पाइन रेस्टोरेंट की प्रशंसा की।









उत्तराखंड सामाजिक

उद्यमिता और स्वरोजगार को अपनाने से अच्छी अजीविका कमा सकती हैं महिलाएं

– डा. सजवान

पीजी कॅालेज मालदेवता रायपुर की ओर से ग्रामसभा थेवा में कार्यक्रम आयोजित

Ramesh Kuriyal - April 1, 2022 90 6 40 2 minutes read



राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता के उन्नत भारत अभियान के तहत आज ग्रामसभा थेवा, रायपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. महावीर सिंह सजवाण, उपनिदेशक, उत्तराखंड उद्योग विभाग के द्वारा ग्रामीणों को बताया गया कि उत्तराखंड व भारत सरकार की तमाम ऐसी योजनाएं हैं जिन्हें अपनाकर महिलाएँ 10 हजार से 10 करोड़ तक की आय कमा सकते हैं।

डा. सजवाण ने बताया कि उत्तराखंड उद्योग विभाग का हिमाद्री आउटलेट के जरिए प्रदेश के तमाम आर्टीजन अपने हुनर को शोकेश कर सकते हैं। डा. सजवाण के उद्बोधन के बाद कई सारे ग्रामीणों ने उद्योग विभाग के साथ जुड़कर काम करने की इच्छा जताई। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता के प्राचार्य प्रोफेसर सतपाल सिंह साहनी ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा तमाम सारे कार्यक्रम चलाऐ जा रहे हैं जो कि समाज के विकास में सहायक हों, उन्होंने बताया कि उन्नत भारत अभियान के तहत बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम 5 गांवों में चलाएे जा रहे हैं।









Home > शिक्षा > उद्यमिता और स्वरीजगार से अच्छी आमदनी संभवः डा. सजवाप

उद्यमिता और स्वरोजगार से अच्छी आमदनी संभवः डा. सजवाण

A Tirth Chetna 自 April 1, 2022 口 0 日 閉衛



Spread the love













II Post Views: 189

देहरादून। उद्यमिता और स्वरोजगार को अपनाकर महिलाएं आर्थिक तौर पर स्वावलंबी वन सकती है। स्वरोजगार के क्षेत्र में खासा पोटेंशियल है।

ये कहना है कि उद्योग विभाग के उपनिदेशक डा. महावीर सिंह सजवाण का। सजवाण शुक्रवार को गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, मालदेवता, रायपुर के बैनर तले उन्नत भारत अभियान के तहत ग्राम सभा थेवा में वोल रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और भारत सरकार की तमाम योजनाएं जो महिलाओं को स्वरोजगार में मदद करती है।

वताया कि उद्योग विभाग हिमाद्री आउटलेट के जरिए प्रदेश के तमाम आर्टीजन अपने हुनर को शोकेश कर सकते हैं। उन्होनें उद्योग विभाग की तमाम अन्य योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। कहा कि कॉलेज के साथ मिलकर उद्योग विभाग ग्रामीणों को स्वरोजगार हेत् प्रशिक्षण देगा। कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. सतपाल सिंह सहानी ने वताया कि कॉलेज के स्तर से समाज की बेहतरी को तमाम कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

कर्यक्रम की समन्वयक डा. मध् थपलियाल ने उन्नत भारत अभियान द्वारा गोद लिए गए पांच गांव बछेत, सेरकी, थेवा, खेत में कॉलेज द्वारा बहुत की संशक्त रूप से कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

डा. मधु थपलियाल के द्वारा थेवा गांव की बुजुर्ग महिला रमा सजवाण द्वारा चलाया जा रहा पाईन रेस्टोरेंट की तारीफ की। ग्राम सभा थेवा की प्रधान श्रीमती सुनिता क्षेत्री के उन्नत भारत अभियान की टीम तथा प्राचार्य का धन्यवाद अदा किया कि महाविद्यालय उनके गांव आकर लोगों में स्वरोजगार के प्रति जागरूकता फैला रहे हैं।

उन्नत भारत अभियान की स्वयंसेवी छा़ा आरती राठौर ने ग्रामीणों को मशरूम से आजीविका के बारे में जानकारी दी। संचालन डा़ श्रुति चौकियाल ने किया। इस मौके पर श्रीमती कामला, रामेश्वरी, संगीता, उपप्रधान सतेंद्र, ग्रामीण समूह की अध्यक्ष लक्ष्मी भटट, ंवर्षा, निकिता, खिलाफसिंह, शिवांसी, आरती, दिप्ती आदि मौजूद थे।

Tirth Chetna









UNNAT BHARAT ABHIYAN

INSTITUTE OF TECHNOLOGY GOPESHWAR (C-50743)

PROGRESS REPORT

April to June, 2022

UBA Coordinator's Name: DINESH KUMAR

Email: dinesh.kumar@itgopeshwar.ac.in

Phone Number: 7417876421

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	BANDWARA		
2	SIRON		
3	KATHOOD	DASHOLI	CHAMOLI
4	DEVALDHAR		
5			

List of Activities:

ACTIVITY 1:

In Uttarakhand, our institute is located in the Hilly region. Most of the villages we adopt are located between one and three kilometres away by road and reachable only on foot. With the help of staff and faculty, students visited adopted villages to spread awareness about the *Vradha Pension Scheme*, *Widow Pension Scheme* so that the villagers directly get benefits from the government.

ACTIVITY 2:

As the adopted villages are difficult to reach, still students along with faculty and staff visited the villages and teach basic computer skills to students living in villages, as well as provide information about government schemes that will benefit the residents' viz. e-Shram Card and its benefits etc.

Action plan for next month:

Sr. No.	Activity to be conducted (along with reason)	
1	In the upcoming months, volunteer students along with faculty and staff are planning to spread awareness about the computer and its basic use so that the villagers directly get benefits from the government.	
2		

IFTM University, Moradabad

School of Agricultural Sciences and Engineering (SASE)

Organized

Free Sanitary Pad Distribution in Nearby Villages Date-6 and 12 April 2022

Venue-Nearby villages- Gindora, Dhannupura, Nagla Banbir and Itaila Mafi

President (IUAA) - Prof. Anuj Srivastava, Secretory (IUAA) - Prof. Navneet Verma

Nodal officer-Dr. Sulekha

Menstruation and menstrual practices still face many social, cultural, and religious restrictions which are a big barrier in the path of menstrual hygiene management. In many parts of the country especially in rural areas girls and females are not prepared and aware about menstruation so they face many difficulties and challenges at home, schools, and work places. While, doing survey in villages, it is found that little, inaccurate, or incomplete knowledge about menstruation is a great hindrance in the path of personal and menstrual hygiene management. Girls and rural women have very less or no knowledge about reproductive tract infections caused due to ignorance of personal hygiene during menstruation time. In rural areas, females do not have access to sanitary products or they know very little about the types and method of using them or are unable to afford such products due to high cost. So, they mostly rely on reusable cloth pads which they wash and use again. Needs and requirements of the adolescent girls and females are ignored despite the fact that there are major developments in the area of water and sanitation. As a part of our social responsibility and to serve the society, IUAA and NSS unit of IFTM University has started campaign to distributed sanitary pads to rural women in villages adopted Unnat Bharat Abhiyan. Dr. Sulekha, SASE, Mrs. Richa Khanna, SASE, Dr. Alka Sharma, SSS and Dr. Ruchi Chaudhary, School of Home Science played an active role in smooth conduction of programme. Sanitary pad were distributed to the women's and girls in rural areas. Dr. Sulekha, Nodal Officer UBA and Dr. Alka Sharma gave lectures about health and hygiene among women and girls. A very cheerful and appreciative feedback was received from the villagers who got free sanitary pads. Prof. Anuj Shrivastava (IUA, President), Prof. Navneet Verma (Secretory, IUA) Dr. Virendra Singh, Director SASE, Mr K. K. Bansal, Director Training and Placement, Dr. Krishan Pal, HoD, SASE and Dr. Ashok graced the occasion and rendered all possible help in successful conduction of programme.

Details are as below:

S. No.	Name of Adopted Villages	No. of Beneficiaries	Date
1	Dhanupura	58	06-04-2022
2	Gindora	66	06-04-2022
3	Nagla Banbir	56	11-04-2022
4	Etiala Mafi	70	11-04-2022
Total Beneficiaries		250	

Outcomes:

- 1. The programme was mainly aimed to encourage awarenss among village girls and women's on menstrual hygeine.
- 2. Educate the girls and women's about the facts of mensuration cycle, physiological implications, significance of mensuration and proper hyygienic practices during mensuration and to ensures safe disposal of sanitary padsin an environmentally friendly manner.

Few Glimpses of the Events...









Media Coverage...

आईएफटीएम विश्वविद्यालय ने ग्रामीण महिलाओं व युवतियों के लिए चलाया स्वास्थ्य और स्वच्छता अभियान

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) की ओर से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत समीपस्थ गोद लिए गए गांवों में ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों हेत् स्वास्थ्य एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के प्रथम चरण में आईएफटीएम विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए समीपस्थ गांव गिदौडा और धनुपुरा में विश्वविद्यालय के द्वारा ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों को सेनेटरी पैड का इस्तेमाल हर महिला का हक स्लोगन के तहत सेनेटरी पैड का नि:शुल्क वितरण करने के साथ ही उन्हें स्वास्थ्यवर्धक संतुलित पोषक आहार लेने की सलाह दी गई। इसके अतिरिक्त उनसे अपने घर के



आस.पास स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की अपील भी की गई। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण में भी गोद लिए गये गांवों इटायला माफी एवं नगला बनवीर में महिलाओं द्वारा अपने हाईजीन का ख्याल रखने के उद्देश्य से नि:शुल्क सेनेटरी पैड का वितरण किया गया, ताकि मासिक कॉल के दौरान अपने आप को साफ व स्वच्छ रखकर

अनेक संकर्मण से उनका बचाव हो सके। सेनेटरी पैड वितरण के दौरान महिलाओं को मासिक कॉल के दौरान होने वाली समस्याओं तथा उनका निवारण आदि के सम्बन्ध में जागरुक किया गया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव व आईयूएए के अध्यक्ष डा. अनुज श्रीवास्तव ने बताया कि विश्व विद्यालय द्वारा विभिन्न गोद लिये गये ग्रामों में सेनेटरी पैड के वितरण का कार्यक्रम आगे भी कई चरणों में आयोजित किया जाएगा। साथ ही ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों को मासिक काल के दौरान स्वच्छता रखने के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। डा. श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बनाये रखकर हम महिलाओं एवं युवतियों की मदद कर सकते हैं। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. नवनीत वर्मा, सचिव, आईयुए, एवं नोडल अधिकारी डॉ. सुलेखा चौधरी की सह समन्वयिका के रूप में मुख्य भूमिका रही। विश्वविद्यालय द्वारा इस अभियान के प्रथम एवं द्वितीय चरण को संचालित करने हेत् डॉ. अलका शर्मा, सुश्री रुचि चौधरी, डॉ. रिचा खन्ना डॉ. अशोक कमार तथा डॉ. कृष्ण पाल की एक टीम को नामित किया गया

IFTM University, Moradabad

School of Agricultural Sciences & Engineering (SASE)

Organized

ESTABLISHMENT OF "NAARI SWAVLAMBAN PROTSAHAN KENDRA" IN DHANUPURA VILLAGE May 05, 2022







राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन के द्वारा उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत गोद लिए गए ग्राम धनुपुरा में स्थापित

नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र

Do not judge any women by the choices that she makes in her life, respect her and trying to support her

Innovative experiment of IFTM University Moradabad, towards women empowerment, sewing machine established at Nari Swavalamban Protsahan Kendra in Dhanupura Gram Panchayat, Moradabad. Society cannot be imagined without women, but for this the economic independence of women is necessary. Economic self-reliance of women is most important for women empowerment. Including accepting women's viewpoints or making an effort to seek them, raising the status of women through education, awareness, literacy and training. Realizing this importance, NSS unit and the Alumni Association of IFTM University Moradabad has established Nari Swavalamban Protsahan Kendra in Dhanupura village. Pro Vice Chancellor IFTM University, Prof. Rahul Kumar Mishra inaugurated this center on 05.05.2022. On this occasion Prof. Rahul Kumar Mishra emphasized on motivation and upliftment of women, he said that unless we

empower women in the society, society will not progress. That is why today there is a need to empower women. Dean Students Welfare (DSW) Prof. Arun Kumar Mishra said we are continuously working of rural women and encouraging them for their financial independence. During the program five sewing machine were established at the centre which can be used by all women for skill development. The Programme was graced by the presence of Dr. Sulekha, Nodal officer, UBA, Dr. Krishan Pal, Head of Agricultural Sciences, Director Training and Placement, Mr. K. K. Bansal, Director, School of Sciences and NSS coordinator, Dr. B.K. Singh, and Village Pradhan Noorjhan. Dr. Krishna Pal, presented the vote of thanks and wishes for the overall development of villagers. Mr. Abhay Saini, Assistant Professor, SASE actively participated in smooth conduction of programme.

Outcomes:

- 1. Rural women and girls were inspired to set up own production/servicing enterprises in their vicinity.
- 2. The programme was mainly aimed to make them self-reliant, So that they can start their own business when needed and can show up a successful entrepreneurs. This set up will definitely be a mile stone in holistic development of villagers.

Glimpses of the Event...













IFTM University, Moradabad

School of Agricultural Sciences & Engineering (SASE)

Organized

ESTABLISHMENT OF "NAARI SWAVLAMBAN PROTSAHAN KENDRA" IN ITAILA MAFI VILLAGE

May 13, 2022







राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन के द्वारा उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत गोद लिए गए ग्राम इटायला माफ़ी में स्थापित

नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र

There is no tool for development more effective than the empowerment of women

IFTM University Moradabad took an initiative towards women empowerment, and established Nari Swavalamban Protsahan Kendra in Itaila Mafi Gram Panchayat, Moradabad for the benefit and development of rural women. Society cannot be imagined without women and their economic independence but for this the economic independence is also necessary. Economic self-reliance of women is most important for women empowerment. Acceptance of women's viewpoints or making an effort to seek them, raising the status of women through education, awareness, literacy and training is very important. Realizing the NSS unit & Alumni Association of IFTM University Moradabad has established Nari Swavalamban Protsahan Kendra in Itaiala Mafi village adopted under UBA. The Director School of sciences and Coordinator of NSS IFTM University, Prof. B.K Singh inaugurated this center on 13.05.2022. On this occasion Dean Students Welfare (DSW) Prof. Arun Kumar Mishra motivated all of us about the importance of the upliftment of women,

91

he said that unless we empower women in the society, society will not progress. Director Training and Placement cell, Mr. K. K. Bansal also emphasized on the skill development of the rural women and encourage them to achieve the financial for their independence. During the program five sewing machine were established at the centre which can be used by all rural women for learning new skills and enhancing them. Dr. Sulekha, Nodal Officer, UBA actively organized the programme.

Village Pradhan Afsana actively participated in the programme. Total 60 villagers participated in this programme. Dr. Krishan, HoD, Department of Agriculture Sciences and Engineering, Mr. Rohit Gautam, Lab technician, SASE, played active role in smooth and successful conduction of programme.

Outcomes:

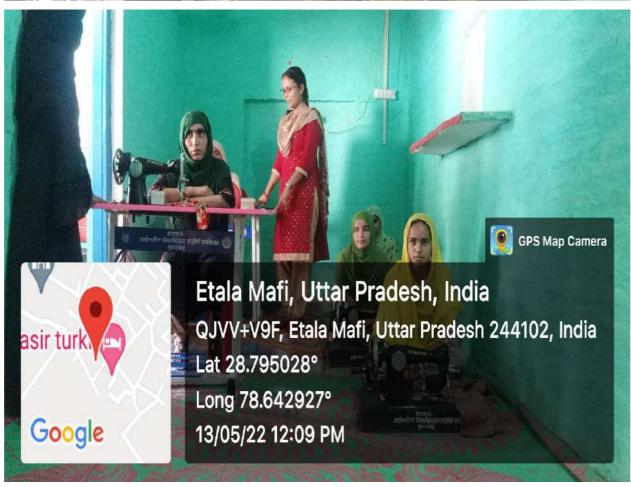
- 1. Rural women and girls were inspired to set up own production/servicing enterprises in their vicinity.
- 2. The programme was mainly aimed to make them self-reliant, So that they can start their own business when needed and can show up a successful entrepreneurs. This set up will definitely be a mile stone in holistic development of villagers.

Few Glimpses...









आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से ग्राम इटायला माफी में की गई नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र की स्थापना

शाह टाइम्स ब्यरो

म्रादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एनएसएस) के तत्वावधान में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एल्मनाई एसोसिएशन द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण की दिशा में अभिनव प्रयोग करते हुए 50 से अधिक महिलाएं व पुरूष तथा ग्राम प्रधान अफसाना और उनके पति की उपस्थिति में गोद लिए गए ग्राम इटायला माफी में नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र की स्थापना की गई। ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्थापित इस नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र का उद्घाटन एनएसएस इकाई के समप्वयक व स्कुल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बीके सिंह ने फीता काटकर किया। इस मौके पर आईएफटीएम विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने उपस्थित लोगों को संबोधित

करते हुए नारी स्वावलंबन के महत्व के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रो. मिश्रा ने महिलाओं के उत्थान पर जोर देते हुए कहा कि जब तक समाज में महिलाओं को सशक्त करते हुए उन्हें आगे नहीं बढाएंगे तब तक समाज आगे नहीं बढेगाए इसलिए आज महिलाओं को सशक्त करने की आवश्यकता है। प्रोण मिश्रा ने महिलाओं को आश्वासन देते हुए कहा कि आप सभी पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे आएं व सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं तथा आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से पहुंचाई जा रही सुविधाओं का भरपूर लाभ उठाएं। प्रो. मिश्रा ने यह भी कहा कि अगर ग्रामीण महिलाओं के पास अपने रोजगार जैसे कि पापड बनानाए अगरबत्ती बनानाए अचार इत्यादि को आगे बढाने का किसी भी तरह का कोई नया आईडिया हो तो वह अपने आइडियाज को आईएफटीएम विश्वविद्यालय के साथ साझा कर सकती हैं, विश्वविद्यालय उनको

सफल बनाने की दिशा में पुरा सहयोग व कोशिश करेगा। कार्यक्रम के दौरान महिला स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र में पांच सिलाई मशीनो की स्थापना की गईए ताकि महिलाओं को आर्थिक रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सकें। समारोह में स्कुल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस एवं इंजीनियरिंग के अपर निदेशक व ट्रेंनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री केण्के बंसल ने नारी स्वावलंबन पर विशेष बल देते हुए कहा कि महिलाओं का आर्थिक स्वावलंबन अत्यंत जरूरी है। जिसमें महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेस एंड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण पाल भी मौजूद रहे। स्कुल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस एवं इंजीनियरिंग विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुलेखा ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगा नारी स्वावलंबन केंद्र

जासं, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एनएसएस) के तत्वावधान में आइएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत महिला संशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम उढाया। शनिवार को गोद लिए गए ग्राम इटायला माफी में नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र की स्थापना की गई ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से संशक्त बनाने के उद्देश्य से स्थापित नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र का उद्घाटन स्कूल आफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बीके सिंह ने फीता काटकर किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने नारी स्वावलंबन के महत्व के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। केंद्र में पांच सिलाई मशीनों भी सौंपी गईं। स्कूल ऑफ एग्रीकल्चंरल साइंसेस एवं इंजीनियरिंग के अपर निदेशक व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक केके बंसल, स्कूल आफ एग्रीकल्चर साइंसेस एंड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डा. कृष्ण पाल भी मौजूद रहे। संचालन डॉ. सुलेखा ने किया।



विद्यार्थियों ने किया ओद्योगिक कंद्र का दौरा

it seem offer rentifications to troupled it. workly, breasts fine tobs WHEN IN WHICH I Abdition the Same

SCHOOL IN VIOLENCE were for the terr & shifter di Supplé è les some assessed that all the with the proper probables. Crems Not 4-0 a Supplied को विकास अगार्थ को कार्स व्यक्त in answers of the apart पेंक्षांत्रन तक को अलादन प्रक्रिया NO MINNOS DI

विद्यापियों ने प्रस्तादन की प्रक्रिया स्थापना नियमन तथा कृषि वच्चार आदि के बारे में वालाः इस दीवन अस्मिटेट प्रेमेरच्या प्रत राज्याचे स्थानी, मतेद क्षेत्रसं एव बजोटा क्राह्म आदि भौजूद रहे। ज्यूनो

नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र स्थापित

अमर अजला ब्यूरो

invaliance की राष्ट्रीय मेंग्रह कंत्रच इसर्व (एनएसएस) की क्षेत्र से अलोहकारीयय प्रतिकर्तिती network existences and the इटायान पान्नी में जारी मनावालेकन क्रेन्सल केंद्र की स्वापन की गई। त्रभाव भागत अभियान के तहत प्रतिता सामक्रीकरण को दिशा में अधिक प्रदेश पूर्व हुए 50 में अधिक प्रदेश-पूर्व और क्षम पूर्णन अफसाना को उपस्थिति में गोद लिए गए बाम इटायला पासी वे प्राचील महिल्लाओं को स्वरोधनार

के माध्यम से सलका बनाने के उद्देश्य सं केंद्र स्थापन किया गण है।

विदेशक थी. बीके सिंग, प्रो अरंग कुम्पर मिश्रा ने पता कि जब तक राजाज में महिलाओं को सगका करते हुए उन्हें आगे की बहुतांने, तथ तक समाज आने नहीं सहेगा।

महिला स्वायानंत्रन प्रोत्सवन केंद्र में पान सिलाई प्राप्तिने दी गई. ताकि महिलाओं को आधिक रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सके। इस दौरान के के बंगल हो कृष्य पान, इर्ग मुलेगा आदि मीज्द रहीं।

कार्यशाला में शिक्षकों को क्षमता वृद्धि करने की दी जानकारी

असंप्रकटीएम म्रादाबाट। विश्वविद्यालय के सकृत औफ DE एक्केन्स्त सहसेन इंजीनियरिंग में स्मार्ट कृषि के लिए शिया में अभिनव अनुसंधान को रामिल करना विषय पर मात दिवसीय है फेकेन्टी डेकलपमेट प्रोणम का आयोजन किया।

कुलसचिव प्रो संजीव अग्रवाल ने शिशकों की क्षमता वृद्धि के लिए ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता पर जोर दिया। इस एफडीयों में मुख्य ऑतिथि भारत सरकार के कृषि एवं

किसान कल्याण मंत्रालय में उद्यान विभाग के आयुक्त डॉ. प्रभात कुमार ने वर्तमान समय में भारतीय कृषि की चुनीतियों व उनका समाधान परक प्रस्तृतीकरण किया।

उन्होंने कृषि क्षेत्र में उच्च शिक्षण व्यवस्था पर प्रकाश डासते हुए कृषि शिवा के संदर्भ में शिवकों का मार्गदर्शन भी किया। इस दौरान निरंशक डॉ कीर्ड सिंह, संयोजक डॉ हिमाशु विवेदी, केंक बसल, डॉ. सल्पान सिंह, अभय सेनी आदि मीज्द रहे। ज्र

हिन्द्रतान

प्रोत्साहन केंद्र किया स्थापित

पुराकाबाद । आईएफटीएम विवि के एनएसस इस बोद शिक् वय ग्राम इटायाना माफी में नारी स्वायलंबन होत्याधन केंद्र की स्थापन की गई। इसमें महिलाओं को. आत्वविषरं बनावे पर जोर दिया। आर्थ्यफटीएम की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत एलुमनाई एमोपिएसन ने उन्नत भारत अभियान के तहत शरियार को केन प्रवापित किया। सुपारंथ स्कूल ऑफ साइसेज के विदेशीय हो, बीके सिंह हारा किया गया। इस दौरान ट्रेमिंग एंस प्लेसमेंट सेल के निदेशक केके बसल, डॉ. कृष्ण पास, अस्तिस्टेट प्रोपेस्सर डॉ. सुलोखा मीजुद रहे।

विद्यार्थियों ने जानी दवाई बनने की प्रक्रिया

मुरादाबाद । आईएकटीएम विशिवकालय के स्कूल ऑक बायादेवनोतीजी विधान क 83 विद्यार्थियों ने इंडीस्ट्राल दौरे में भाग लिया। शनिवार को काशीपुर स्थित एग्रान रेमेडीज पाईटेट लिमिटेड कंपनी में हुए दौरे में विद्यार्थियों ने दवाई बनने से लेकर प्रकेतिंग तक की प्रक्रिया जानी। आसस्टेट प्रोफेसर डॉ. उत्कर्ष त्यानी, वतंद्र देवरी वजीहा वजाहत ने बताया कि विद्यार्थी ऐसे दौरे से काम की बरीकियां सीखते हैं।

दैनिक जागरण मुरादाबाद, 15 मई, 2022

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगा नारी स्वावलंबन केंद्र

जारां, मुरादाबाद : आइएकटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई (एनपसारस) के तत्वावचान में आइएकटीएम युनिवसिटी एनुमनाई एसोसिस्सन द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत महिला सत्त्रवितकरण की दिशा में सर्वक कदम उदाया। शनिवार को गाँद लिए गए ग्राम इटायला माछी में नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र की स्थापना की गई। ग्रामीण महिलाओं को स्वरीजगार के माध्यम से सज्ञवत बनाने के उद्देश्य से स्थापित गरी स्वायलंबन प्रोत्साहन केंद्र का उद्घाटन स्कूल आफ साइसेंग के निदेशक प्री. बीके सिंह ने फीता काटकर किया। अधिवाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने नारी स्वावलंबन के महत्व के विषय में विस्तारपूर्वक जनकारी दी। केंद्र में पांच सिलाई मशीनों भी सीपी गई। स्कूल औं पर्योक्तवरत साइसेस एवं इंजीनियरिंग के अपर निर्देशक व ट्रेनिंग एउ प्लेसमेंट सेल के निर्देशक केके बसल, रुकूल आफ एसीकल्बर साद सेस एड इंजीनियरिंग के विभागाव्यक्ष डा. कृष्ण पाल भी मीजूद रहे। संवालन डॉ. सुलेखा ने किया।

छात्रों ने जानी खाद्य प्रसंस्करण प्रक्रिया

जासं, मुरादाबाद : आडएफटीएम विश्वविद्यालयं में स्कूल आठ बर्योटेकोलाजी के विद्याची काशीपुन, उतराखड़ स्थित रहोत रेमेडीज प्रा. लिमिटेड के और्योगिक दीने घर गए। इसमें वायोदेवनंतांजी के स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी शामिल हर । असिसटेट प्रोपेड्सर डॉ. उत्कर्ष त्यागी. वर्तेट चीवरी एवं वर्जीता वजाहत ने टीम का नेतृत्व किया। कामने के एवआर एरजीवपृद्धित टीपराज सिंह मेगी ने सभी का स्वागत किया। ओवोगिक दौरे के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न उत्पादों की कवी माल के प्रसंस्करण से शुरू होकर पैकेजिंग तक की उत्पादन प्रक्रिया को देखा। विद्यार्थियों ने उत्पादन की प्रक्रिया, स्वच्छता, विरागन तथा कृषि उपचार आदि की भविष्य की रणनीतियां के बारे दान भी पूछे। इस औवांनिक दौरे को सुगम बनाने में स्कृत आफ बायंटेकोलॉजी की प्लेसमेंट समन्वयक असिस्टेंट विकेसर क्षेत्रन लक्षेश ने का योगदान रहा।

IFTM University, Moradabad

School of Agricultural Sciences and Engineering

Organized

"ONLINE QUIZ COMPETITION"

May 22, 2022



"ONLINE QUIZ COMPETITION ON INTERNATIONAL DAY FOR BIOLOGICAL DIVERSITY"

Biodiversity is not just a term it includes a whole system of organisms that are dependent on each other as well as how they interact with their environment. Therefore it is a serious concern to maintain it. In order to spread awareness about biodiversity conservation an online quiz competition was organized by School of Agricultural sciences & Engineering on 22.05.2022. Total 46 students of IFTM University participated in the event and the winners were as follows:

Position	Name of Student	Roll No.	Course/Branch
1.	Rajesh Pandey	19210063	B.Sc. (H.) Agriculture
2.	Vishwash	21073043	B. Tech. (Mechanical Engineering)
3.	Maliha Nazeer	21022036	BBA
4.	Shankar Pal Singh	21098005	M. Tech. Agricultural Engg. (PFE)
5.	Raj Obrai	21210124	B.Sc. (H.) Agriculture

Outcomes: Through the quiz competition students were made aware about various aspects and the importance of Biological Diversity.

IFTM University, Moradabad

School of Agricultural Sciences & Engineering (SASE)

Organized

Kharif Krishak Gosthi (Samvardhan-2022)

<u>June 8, 2022</u>



A seed neither fears light nor darkness, but uses both to grow

For farmers, seed is life. The integrity and sanctity of every seed should be preserved and protected. The need is to strengthen local production, consumption and marketing of organically grown food and products to ensure the health and wellness of the citizens and to provide assured income to the farmers. Keeping these points in view, School of Agricultural Sciences and Engineering, IFTM University, Moradabad organized a Kharif Krishak Gosthi (Samvardhan- 2022) to discuss about the importance of good quality seed in agricultural production. Seed is one of the vital inputs of agriculture and in the absence of quality seed not only the production will decline but the quality of the product will also deteriorate.

On this occasion Dr. S.K. Ojha Principal Scientist, CSIR-NBRI was the chief guest and he explained the importance of turmeric farming to the farmer's. It is used by all of us in the treatment of various types of diseases, in marriage ceremony, food and drinks in daily life.

He said that cultivation of turmeric is very beneficial for the farmers. Senior technical officer Dr. S.K. Sharma said that by producing quality turmeric crop, farmers would get buyers at good prices. He said that there is demand for turmeric all over the world. On this occasion, Registrar Professor Sanjeev Agarwal said that along with increasing the production farmers should also pay attention to the quality of the crop. Addressing all the farmers present, he said that the doors of the university are always open for all of you. We are here to serve you in all possible ways. Mr. K.K Bansal, Director training and placement cell welcomed all the guests, and told about the importance of modern techniques of farming in present day agriculture. He also shared the university journey of enrolling in UBA and adopting villages.

During the programme, Kesari turmeric and improved varieties of seeds were distributed to the farmers under CSIR Aroma Mission, and detailed information was given on how to use it. Dr. Virendra Singh, Director, School of Agricultural and Engineering presented the outline of the progress of the school as well as gave detailed information about paddy, transplanting techniques, irrigation, fertilizers and precautions to be taken. In the end, Dr. Krishan Pal, Head of the Department of Agricultural Sciences expressed his gratitude to all. The programme was conducted by Assistant Professor Dr. Himashu Trivedi, on this occasion a large number of farmers including the village head (Pradhan) of the village adopted by the university were present. Nodal officer Dr. Sulekha, Director of various school and faculty of SASE graced the occasion. 66 farmers got free seeds of paddy and turmeric in the programme. Dr. A.N. Chaubey and Mr. Abhay Saini, Assistant professor, SASE, actively participated for smooth conduction of programme. The event ended with a very positive response from farmers and honb'le registrar sir facilitated the guests by presenting memento.

Outcomes: The farmers gained knowledge about quality seed production of Paddy crop and Haldi (Keshari Variety) and its importance in profitable agriculture. They also learned about various seed production technologies ongoing at CSIR-NBRI Lucknow Uttar Pradesh.

Few Glimpses...





आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित

खरीफ कृषक गोष्ठी (संवर्धन-2022) में किसानों को केसरी हल्दी और धान के बीज किए वितरित

शाह टाइम्स ब्यूरो

म्रादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कृषक गोष्ठी (संवर्धन-2022) में किसानों को केसरी हल्दी और उन्नत किस्म के धान के बीज वितरित किए गए। स्कल ऑफ साइंसेज एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग की और से आयोजित संवर्धन.2022 कार्यक्रम सीएसआईआर.एनबीआरआई के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डा. एसण्केण् ओझा ने मुख्य अतिथि के रूप में किसानों को हल्दी की उपयोगिता बताई। उन्होंने कहा कि हल्दी का प्रयोग हमारे जीवन में बहुत मात्रा में होता है।

यह हम सभी को विभिन्न प्रकार के रोगों के उपचार, शादी विवाह, तथा दैनिक जीवन में खाने में प्रयोग की जाती है। उन्होंने कहा कि हल्दी की खेती किसानों के लिए बहुत लाभकारी है। विष्ठ तकनीकी अधिकारी डा एसण्केण् शर्मा ने कहा कि गुणवत्तायुक्त हल्दी की फसल का उत्पादन करने से किसानों को अच्छे दाम पर खरीददार मिल जायेंगे। उन्होंने कहा कि हल्दी की मांग पूरे विश्व में है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोण् संजीव अग्रवाल ने कहा कि किसान उत्पादन बढाने के साथ.साथ फसल की गुणवत्ता पर भी ध्यान दें। उन्होंने उपस्थित सभी किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी के लिए विश्वविद्यालय के दरवाजे हमेशा के लिए खुले हुए हैं। प्रो अग्रवाल ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से हम सभी आपको हर संभव किया। कार्यक्रम के दौरान सीएसआईआर अरोमा मिशन के तहत किसानों को केसरी हल्दी और उन्नत किस्म के धान के बीज भी वितरित किए गए। स्कूल के निदेशक डा वीरेन्द्र सिंह ने स्कूल की प्रगति की रूपरेखा प्रस्तुत करने के साथ.साथ धान रोपाई की



सुविधाएं प्रदान करने हेतु दृढ़ संकल्पित हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के अपर निदेशक के के बंसल ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि समीपस्थ गोद लिए गए 5 गांवों के ग्रामीण विश्वविद्यालय की ओर से दी जाने वाली सुविधाओं का लाभ कैसे उठाएं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोण अग्रवाल ने सभी अतिथियों को स्मृति.चिन्ह भेंट तकनीक, सिंचाई, खाद और सावधानी बरतने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अंत में कृषि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ कृष्णपाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ हिमांशु त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के निदेशक, उन्नत भारत अभियान की नोडल अधिकारी डा सुलेखा तथा शिक्षकों के अतिरिक्त विश्व विद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के ग्राम प्रधानों समेत भारी संख्या में

आईएफटीएम में किसानों को केसरी हल्दी और धान के बीज किए गए वितरित

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कृषक गोष्ठी (संवर्धन-2022) में किसानों को केसरी हल्दी और उन्नत किस्म के धान के बीज वितरित किए गए। स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइसेज एड इंजीनियरिंग की और से आयोजित संवर्धन-2022 कार्यक्रम में सीएसआईआर-एनबीआरआई के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. एस.के. ओझा ने मुख्य अतिथि के रूप में किसानों को हर्ल्डी की उपयोगिता बताई। उन्होंने कहा कि हल्दी का प्रयोग हमारे जीवन में बहुत मात्रा में होता है यह हम सभी को विभिन्न प्रकार के रोगों के उपचार, शादी विवाह, तथा दैनिक जीवन में खाने में प्रयोग की जाती है। उन्होंने कहा कि हल्दी की खेती किसानों के लिए बहुत लाभकारी है। वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.के. शर्मा ने कहा कि गुणवत्तायुक्त हल्दी की फसल का उत्पादन करने से किसानों को अच्छे



दाम पर खरीददार मिल जायेंगे। उन्होंने कहा कि हल्दी की मांग पूरे विश्व में है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि किसान उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ फसल की गुणवत्ता पर भी ध्यान दें। उन्होंने उपस्थित सभी किसानों के सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी के लिए बिश्वविद्यालय के दरवाजे हमेशा के लिए खुले हुए हैं। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से हम सभी आपको हर संभव सुविधाएं प्रवान करने हेतु हढ़ संकल्पित हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के अपर निदेशक श्री के.के. करते हुए बताया कि समीपस्थ गोद लिए गए 5 गांवों के ग्रामीण विश्वविद्यालय की ओर से दी जाने वाली सुविधाओं का लाभ कैसे उठाएं।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने सभी अतिथियों को स्मृति-चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम के दौरान सीएसआईआर अरोमा मिशन के तहत किसानों को केसरी हल्दी और उन्नत किस्म के धान के बीज भी वितरित किए गए। स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह ने स्कूल की प्रगति की रूपरेखा प्रस्तुत करने के साथ-साथ धान रोपाई की तकनीक, सिंचाई, खाद और सावधानी बरतने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अंत में कृषि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णपाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हिमांशु त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के निदेशक, उन्नत भारत अभियान की नोडल अधिकारी डॉ. सुलेखा तथा शिक्षकों के अविरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के ग्राम प्रधानों समेत भारी संख्या में किसान उपस्थित रहे।



किसानों को हल्दी और धान के बीज वितरित किए

मुरादाबाद । आईएफटीएम विवि में खरीफ कृषक गोष्ठी संवर्डन — 2022 हुई । किसानों को केसरी हल्दी और घान के बीज वितरित किए गए। स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की ओर से हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एनबीआरआई के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ एसक ओझा, डॉ. एसके शर्मा, विवि कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, केके बंसल आदि मौजूद रहे।

साइबर तकनीक पर सख्त कानून जरूरी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि में साइबर सिक्योरिटी लॉ एंड प्रैक्टिसेस पर वैबिनार हुआ। जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा से असिस्टेंट प्रो. इंद्र कुमार सिंह ने साइबर विधि की तकनीकी बारीकियों पर चर्चा की। विवि कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा, डॉ. योगेंद्र सिंह, डॉ. उदय वीर सिंह रहै।

IFTM University, Moradabad

School of Agricultural Sciences & Engineering (SASE)
Organized

ESTABLISHMENT OF "NAARI SWAVLAMBAN PROTSAHAN KENDRA" IN GINDORA VILLAGE

June 17, 2022







राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन के द्वारा उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत गोद लिए गए ग्राम गिंदौड़ा में स्थापित

नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र

"A woman is the full circle, within her is the power to create, nurture and transform."

Under the Unnat Bharat Abhiyaan a "Naari Swavlamban Protsahan Kendra" was established in Gindora village by IFTM University, Moradabad. Women empowerment is when women have the freedom and choice to make their own decisions. They have the most potent right in deciding what's right for them and what's wrong for them. Keeping these point in mind IFTM University decided to establish Naari Swavlamban Protsahan Kendra in each adopted village to motivate and inspire the women for their empowerment.

Under the joint aegis of National Service Scheme Unit of IFTM University and IFTM University Alumni Association, Nari Swavalamban Protsahan Kendra was established in

village adopted under UBA. It was inaugurated by the Registrar of the University, Professor Sanjeev Agarwal by cutting the ribbon. Addressing all the villagers present on this occasion, he said that this Nari Swalamban Protsahan Kendra has been established with the objective of empowering rural women through self employment. Further he said that we will give you all the opportunity to move forward. Prof. Sanjeev Agarwal said that on behalf of the university, we are ready to help you. During this, Dean Student Welfare Professor Arun Kumar Mishra gave detailed information about the importance of women's self-reliance. Professor Navneet Verma, Dean of Pharmacy Academy also elaborated on the importance of entrepreneurship for empowering the women. In the successful organization of the program, the coordinator of the NSS unit, Professor B.K. Singh, Director Training and Placement Cell, Shri K. K. Bansal, Dr. Krishna Pal, Head of the Department Agricultural Sciences and Abhay Saini Assistant Professor, SASE has actively played an important role. The program was conducted by Dr. Sulekha, Nodal officer of Unnat Bharat Abhiyan at IFTM University. In the end, village head (Pradhan) representative Mr. Virendra Singh while expressing his gratitude to all said that the Nari Swavalamban Protsahan Kendra established by IFTM University will prove to be a milestone in future. More than 50 villagers participated in this program.

Outcomes: IFTM University aims to inspire rural women and girls to become successful entrepreneurs. So that they can create better society. IFTM University is eager to fullfill its social responsibilities towards the villagers. The beneficiaries were happy and thankful to IFTM University for taking an initiative to understand their needs. Smile on the faces of the villagers served our prupose.

Few Glimpses...









Media Coverage...

आईएफटीएम विश्वविद्यालय ने ग्राम गिंदौड़ा में की नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र की स्थापना

शाह टाइम्स ब्यूरो मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई और

ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस नारी नारी स्वावलंबन के महत्व के विषय में विस्तार से जानकारी दी। फार्मेसी एकेडमी के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने भी उद्यमिता के महत्व पर विस्तार से कार्यक्रम का संचालन आईएफटीएम विश्वविद्यालय के कृषि विभाग की असिस्टेंट प्रोफेंसर व उन्नत भारत अभियान की नोडल अधिकारी डॉ.



आईएफटोएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में उन्तत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए ग्राम गिंदौड़ा में नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र की स्थापना की गई। जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोण् संजीव अग्रवाल ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर उपस्थित

स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र की स्थापना की गई है तथा यह केंद्र आप सभी को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से हम सभी आपकी सहायता के लिए तत्पर हैं। इस दौरान आईएफटीएम विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो बीके सिंह, ट्रेनिंग एंड फ्लेसमेंट सेल के निदेशक केके बंसल, विश्वविद्यालय के कृषि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णपाल, असिस्टेंट प्रोफेसर अभय सैनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सुलेखा ने किया। अंत में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री वीरेंद्र सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से स्थापित नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा। इस कार्यक्रम में लगभग 50 से अधिक ग्रामीणों ने भाग लिया।



IFTM University, Moradabad

School of Agricultural Sciences & Engineering (SASE)

Organized

July 04, 2022







राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन के द्वारा उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत गोद लिए गए ग्राम पल्लूपुरा घोसी में स्थापित

नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केंद्र

"Feminism isn't about making women stronger. Women are already strong, it's about changing the way the world perceives that strength." G. D. Anderson

Under the joint aegis of National Service SchemeUnit (NSS) of IFTM University and IFTM University Alumni Association (IUAA), Nari Swavalamban Protsahan Kendra was established in the nearby village Pallupura Ghosi adopted by university under Unnat Bharat Abhiyan. The center was inaugurated by Professor B. K. Singh, Coordinator of the NSS Unit of the University and Director of the School of Sciences, by cutting the ribbon. On this occasion, Pro Vice Chancellor of the University, Professor Rahul Kumar Mishra told that this Nari Swavalamban Protsahan Kendra has been established with the aim of empowering rural

women through self-employment and we all aim to make rural women self-supporting in maximum numbers. He also said that this center will provide an opportunity to all of you to move forward, for which we are always ready to extend all possible help to you on behalf of the university. After this, Chief Proctor Professor Manoj Kumar explained in detail the importance of women's self-reliance

Dr. Krishan Pal, Head of Agricultural Sciences, while expressing his gratitude to all, highlighted the importance of entrepreneurship. Dr. Alka Sharma, Head of the Department of Sociology and Social Work, School of Social Sciences, while conducting the program, inspired the women of the village to become self-supporting. Director Training and Placement Cell, Shri K.K. Bansal, and Dean Students Welfare (DSW) Prof. Arun Kumar Mishra and Mr. Abhay Saini, Assistant Professor, SASE activelyplayed an important role in the successful complition of the program. In the end, while thanking the university management, village pradhan Mrs. Khairunnisa said that a commendable work has been done by the university in the direction of making the women of the village self-reliant. More than 60 rural men and women participated in this program.

Purpose: Women empowerment helps in boosting the status of women through literacy, education, training and awareness creation, it also promoting women's sense of self-worth, their ability to determine their own choices, and their righto influence social change for themselves and others.

Outcomes: Inspiring rural women and girls to set up own production/servicing enterprises in their own/rural areas, and to make them self-reliant, to start their own business. It will provide them employment opportunities as well as they can also start their own sewing work.

Few Glimpses...









Media Coverage...

आईएफटीएम की ओर से ग्राम पल्लूपुरा घोसी में की गई नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केन्द्र की स्थापना

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई और आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) के संयुक्त तत्वावधान में उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए समीपस्थ ग्राम पल्लुपुरा घोसी में नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केन्द्र की स्थापना की गई। इस केन्द्र का उद्घाटन विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपित प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केन्द्र की स्थापना की गई है तथा हम सभी का लक्ष्य है कि ग्रामीण महिलाएं ज्यादा से ज्यादा संख्या में स्वावलंबी बनें। उन्होंने यह भी कहा कि यह केंद्र आप सभी को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगा, जिसके लिए



विश्वविद्यालय की ओर से हम सभी आपकी हर सम्भव सहायता करने के लिए सदैव तत्पर हैं। इसी कड़ी में चीफ प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार ने नारी स्वावलंबन के महत्व के विषय में विस्तार से बताया।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के कृषि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णपाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के समाज शास्त्र एवं समाज कार्य विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. अलका शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए गांव की महिलाओं को

स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल, कार्यक्रम के सह समन्वयक व डीन ऑफ स्ट्डेंट्स वेलफेयर प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर श्री अभय सैनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में ग्राम प्रधान श्रीमती खैरून्निशा ने विश्वविद्यालय प्रबंधन को धन्यवाद देते हुए कहा कि गांव की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा यह अत्यंत सराहनीय कार्य किया गया है। इस कार्यक्रम में 60 से अधिक ग्रामीण पुरूष व महिलाओं ने हिस्सा लिया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय की ओर से ग्राम पल्लूपुरा घोसी में की गई नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केन्द्र की स्थापना

शाह टाइम्स व्यूरो

म्रादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई और आईएफटीएम युनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयएए) के संयुक्त तत्वावधान में उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए समीपस्थ ग्राम पल्लुप्रा घोसी में नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केन्द्र की स्थापना की गई। इस केन्द्र का उदघाटन विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कुल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बीके सिंह ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस नारी स्वावलंबन प्रोत्साहन केन्द्र की स्थापना की गई है तथा हम सभी का लक्ष्य है कि ग्रामीण महिलाएं ज्यादा से ज्यादा संख्या में स्वावलंबी वनें।

उन्होंने यह भी कहा कि यह केंद्र आप सभी को आगे बढ़ने का अबसर प्रदान करेगा, जिसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से हम सभी आपकी हर सम्भव सहायता करने एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के कृषि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णपाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश महिलाओं को स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री केके बंसल, कार्यक्रम के सह समन्वयक व डीन

> ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रोण् अरुण कुमार मिश्राए असिस्टेंट प्रोफेसर अभय सैनी की म ह त्व पूण' भूमिका रही। अंत में ग्राम प्रधान श्रीमती खैरूनिशा ने विश्वविद्यालय प्रबंधन को धन्यवाद देते हुए कहा कि गांव



के लिए सदैव तत्पर हैं। इसी कड़ी में चीफ प्रॉक्टर प्रो. मनोज कुमार ने नारी स्वावलंबन के महत्व के विषय में विस्तार से बताया। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ डाला। स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के समाज शास्त्र एवं समाज कार्य विभाग की विभागाध्यक्षा डा. अलका शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए गांव की की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा यह अत्यंत सराहनीय कार्य किया गया है। इस कार्यक्रम में 60 से अधिक ग्रामीण पुरूष व महिलाओं ने हिस्सा











COLLEGE OF ENGINEERING ROORKEE, ROORKEE

PROGRESS REPORT

Month- May, 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Amar Nath

Email: nathamar016@gmail.com

Phone Number: 9411926159, 6395645260

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Barampur		
2	Badheri Rajputan		
3	Bajuheri	Roorkee	Haridwar
4	Narsan Kalan		
5			

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Name of Activity: Baseline Household Survey & Awareness of Sukanya Samriddhi Yojna

Need of the Activity: To create awareness of Sukanya Samriddhi Yojna

Description in 200 words (along with the Pictures): The activity Baseline Household Survey & Awareness of Sukanya Samriddhi Yojna under the aegis of Unnat Bharat Abhiyan (UBA) was held at adopted village Barampur, Roorkee by COER during 18 May 2022 to 19 May 2022. The activity was conducted by UBA members and students of COER. All of them visited the village Barampur from COER College by college bus. Mr. Raj Singh (Chemistry Lab Staff) & Engineering students (B.Tech. I year) went to the village for the Survey and Awareness of Sukanya Samriddhi Yojna on different days.

Sukanya Samriddhi Yojna is a small deposit savings scheme to invest in favour of the education of girl children and save for their marriage expenses. It was launched as a part of









the 'Beti Bachao Beti Padhao' campaignback on January 22,2015 by the Hon'ble Prime Minister Narendra Modi. Students were divided into small groups after reaching the village. Under the coordination of UBA members, students took household surveys efficiently and created awareness among villagers about Sukanya Samriddhi Yojna.













Action plan for next month:

Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)
1	Awareness program on Health & Hygiene.









COLLEGE OF ENGINEERING ROORKEE, ROORKEE

PROGRESS REPORT

Month- May, 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Amar Nath

Email: nathamar016@gmail.com

Phone Number:9411926159,6395645260

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Barampur		
2	Badheri Rajputan		
3	Bajuheri	Roorkee	Haridwar
4	Narsan Kalan		
5			

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Name of Activity: Quiz competition.

Need of the Activity: To create knowledge for Unnat Bharat Abhiyan.

Description in 200 words(along with the Pictures): Unnat Bharat Abhiyan is inspired by the vision of transformational change in rural development processes by leveraging knowledge institutions to help build the architecture of an Inclusive India. To create awareness about Unnat Bharat Abhiyan College of Engineering Roorkee has performed one quiz competition for the students of B.Tech 1st year so that they can know about Unnat Bharat Abhiyan and they can contribute for the good cause. The quiz was held on May 31,2022 under the guidance of UBA Coordinator Dr. Amar Nath and was









coordinated by Unnat Bharat Abhiyan members. The Mission of Unnat Bharat Abhiyan is to enable higher educational institutions to work with the people of rural India in identifying development challenges and evolving appropriate solutions for accelerating sustainable growth. It also aims to create a virtuous cycle between society and an inclusive academic system by providing knowledge and practices for emerging professions and to upgrade the capabilities of both the public and the private sectors in responding to the development needs of rural India.







PROGRESS REPORT (APRIL-JUNE,2022)

SUBMITTED

by

UBA TEAM
KUMAUN UNIVERSITY
NAINITAL

UBA Coordinators Name: Dr. Neelu Lodhiyal

Email:neelulodhiyal@gmail.com

Phone.No. 6395172331 / 9411538146

S.No.	Adopted Village	Block	District
1.	Basani	Haldwani	Nainital
2.	Matiyal	Dhari	
3.	Saur	Kotabagh	
4.	Sawalde	Ramnagar	
5.	Vijaypur	Haldwani	

List of Activities:

Activity 1.

Title of Activity: Medical Health Camp.

Need of Activity: To provide medical facility to stakeholders.

Brief Description: A medical health camp was organized on 18th May, 2022, in village Basani. The camp was organized jointly by Unnat Bharat Abhiyan cell and Department of Pharmacy, Kumaun University Nainital. Medical team of Rastriya Bal Swasthaya Karyakram (RBSK), Motahaldu has participated including Dr. Ajay Chauhan, Dr. Priyanka, Pharmacist, ANM and ASHA worker of village.

In the camp OPD of 139 villagers was done. Team of doctors has also done the checkup /vaccination of students of Government Primary School and Government Junior High School of village. Students of M. Pharma have measured blood pressure, blood sugar level, hemoglobin, weight and height of villagers/ students. Prescribed free medicines were also distributed to villagers.

Dr. Neelu Lodhiyal, Coordinator UBA, Prof. L.M. Tewari, Director SRICC, Dr. S. Tamta, Dr. N.S. Bisht, Dr. B. Lal and Dr. M. Rana, Dr.Dheeraj Bisht ,Dr.Laxman Rautela ,students of M.Pharma ,pharmacists attended the camp.







GLIMPSES OF MEDICAL HEALTH CAMP AT VILLAGE BASANI

Activity -2

Title of Activity: Visit to Vijaypur for survey.

Need of Activity: To find out the major issues/problems of stakeholders.

Brief Description: Unnat Bharat Abhiyan (UBA) team has visited village Vijaypur. Team has done the survey of village and discussed the problems of village with Gram Pradhan. Main problem of village was the absence of proper connecting road for village specially during rainy season. Problem of drinking water, problems of irrigation facility, need of tube well were also identified during survey.







Other Activities

- 1. Organized an exposure visit to G.B..Pant High Altitude Zoo, Nainital along with KU-IIC and SRICC, Kumaun University, Nainital.
- 2. Celebration of World Environment Day on 5th June 2022 along with Department of Forestry and Environmental Science and KU-IIC.













MIET Kumaon, Haldwani [C-21279]

PROGRESS REPORT

March- April 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Kamal Singh Rawat

Email: kamal.rawat@mietkumaon.ac.in

Phone Number: 9639858711

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	Block	DISTRICT
1	Aan Singh Nawar	Haldwani	
2	Padampur Padaliya	Haldwani	
3	Jaipur Padaliya	Haldwani	Nainital
4	Jeetpur	Haldwani	
5	Kuriya Gaun	Haldwani	

ACTIVITY 1:

Name of Activity : Blood Donation Awareness and Camp

Need of the Activity : Myths and false information regarding blood donation in

rural areas

Activity Details:

- With the help of local level stakeholders blood donation camp was organized.
- The activity has been performed with the cooperation of Shri Balkishan Devki Joshi Charitable Blood Bank, Mr. Virendra Singh Bisht and Mr. Jaswant Singh, Gram Pradhan.
- Awareness on blood donation and heath check-up conducted with the help of Mr. Neeraj Hariya and Mr. Prakash Mehta.
- Staff, Students and villagers donated blood.

























ACTIVITY 2:

Name of Activity : Hackathon on Two Rural Problems

1. Rural Waste Decomposition and Convert into useful Product

2. How to Get Reusable Water from Waste-water in Villages

Need of the Activity : Hackathon has been conducted for the college student to nurture the habit

of innovation for the surrounding problems. Biodegradable waste can be decomposed and can be converted into organic fertilizer. To promote organic farming in villages, first problem statement was adopted. During the summer, water shortage is the major problem in the surrounding villages.

Therefore, there is a need to aware the society about water wastage and

how to make reusable water from wastewater.

Activity Details:

Total 5 teams were participated in the event.

- Two teams presented their ideas on "Rural Waste Decomposition and Convert into useful Product"
- Three teams presented their ideas on "How to Get Reusable Water From Waste-Water in Villages"
- Dr. Naveen Bhagat, Professor & Principle, Dr. S. Bhagat, Assistant Professor, Dr. Alok Panday, Assistant Professor of Govt. Degree College, Kotabagh judge the students ideas.
- Awareness talk on organic farming by Dr. Alok Panday.
- Awareness talk on water conservation by Dr. Naveen Bhagat.
- The final marks of all the teams are summarized in the follows:

Team 1	29	PS1
Team 2	33	PS2
Team 3	27	PS2
Team 4	38.5	PS1
Team 5	37	PS2

• Students are motivated to developed prototypes on their ideas.

















एमआईईटी में हुआ हैकथॉन का आयोजन

-फोटो- हल्द्वानी, कार्यालय संवाददाता। एमआईईटी कुमाऊं कॉलेज गुरुवार को उन्नत भारत अभियान के...

www.livehindustan.com

एमआईईटी में हुआ हैकथॉन का आयोजन

https://www.livehindustan.com/uttarakhand/haldwani/story-hackathonorganized-in-miet-6377307.html

For News on the go, Download Hindustan app. Click https://hhiphonehindiapp.page.link/download

8:26 pm



Organizing

Hackathon

Problem Statements







Rural Waste Decomposition and Convert into useful Product



How to Get Reusable Water From Waste-water in Villages









Action plan for next month:

Sr. No.	Activity to be conducted	
1	Workshop on possible livelihood opportunities for local rural ecosystem	
2	Awareness programme on start-up and entrepreneurship.	
3	Awareness programme on the safety and vaccination of children against COVID-19.	

RANI BHAGYAVATI DEVI MAHILA MAHAVIDHYALYA, BIJNOR UTTAR PRADESH

PROGRESS REPORT

April, MAY, & JUNE 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Parul Tyagi

Email: parultyagi100@gmail.com

Phone Number: 9837787953

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	RASEEDPUR GARHI		
2	RAMPUR BAKLI		
3	CHANDPUR FERU		BIJNOR
4	ETAVA		
5	BADSHAH PUR		

List of Activities:

ACTIVITY: ICT AWARENESS FOR THE CHILDREN IN ADOPTED VILLAGES THROUGH LECTURERS

Name of Activity: ICT AWARENESS FOR THE CHILDREN IN ADOPTED

Need of the Activity: Awareness for Government's plan for rural development with use of ICT

Description 200 words (along with the Pictures): Spreading awareness in villages adopted by UBA cell regarding how ICT can improve the education quality as well as its importance in children's growth Ms. Seemab from R.B.D Mahila Mahavidyalaya, discussed the basic key concepts of ICT and discussed various plans run by UP/ centre Govt. to provide ICT knowledge for the children of rural background. Its was also discussed that how certain certificate courses can offer jobs and open the doors of opportunity for the children. This initiative was highly appreciated by the villages.









Action plan for next month:

Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)
1	Plantation Week
2	
3	









Vidya College of Engineering, (C-46188) Meerut

PROGRESS REPORT

April to June, 2022

UBA Coordinator's Name: Mr. Gaurav Aggarwal

Email: gaurav.aggarwal@vidya.edu.in

Phone Number: 9897197321

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	KUNDA		
2	SISOLA KHURD		
3	GHAT	Meerut	Meerut
4	KITHOLI		
5	BAFAR		

List of Activities:

1. ACTIVITY:

Name of Activity: Vidya College of Engineering has organized offline International Yoga Day.

Need of the Activity: For giving the information about the Unnat Bharat Abhiyan

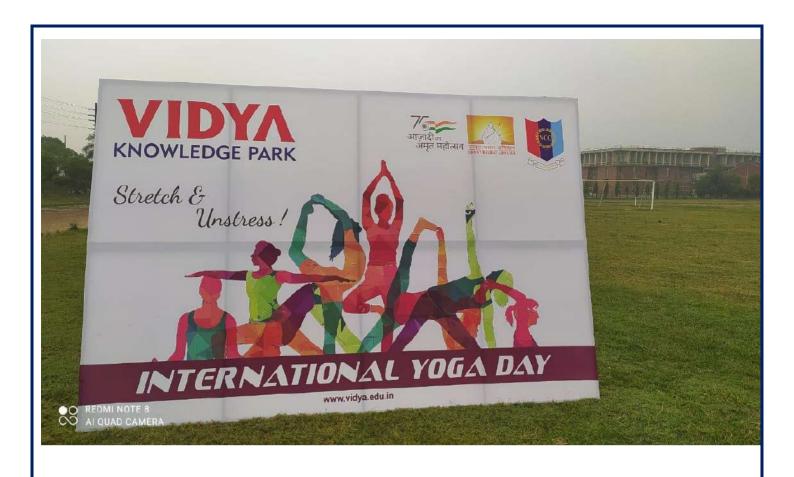
Description in 200 words (along with the Pictures):

Vidya college of engineering has organized an

offline International Yoga Day for updating the

benefits of the Yoga to the students. Some

glimpses are shown below:









2. ACTIVITY:

Name of Activity: Tree plantation activities have been conducted in Vidya College of Engineering.

Need of the Activity: For giving the information about the Unnat Bharat Abhiyan

Description in 200 words (along with the Pictures):

Vidya college of engineering has conducted tree plantation activities with the help of adopted villages students under the banner of UBA and Azadi ka Amrit Mahotsav. Some glimpses are shown below:









Action plan for next month:

If college will open then we are planning for some activities like:

Sr. No.	Activity to be conducted (along with reason)
1	We are planning for one Eye test and blood donation camp.
2	More awareness posters will be placed in adopted villages.









INSTITUTE / ORGANIZATION NAME

PROGRESS REPORT

April-June,2022

UBA Coordinator's Name: Mr. Abhinav Bhatnagar

Email: rceroorkee@gmail.com

Phone Number: +91 9927099228

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1	Mehwar Kalan		
2	Mehwar Khurd		
3	Piran Kaliyar	Roorkee	Haridwar
4	Rehmatpur		
5	Belda		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Roorkee College of Engineering organised Eye Check Up Camp collaboration with Ganga Mata Charitable Trust

Need of the Activity: Older peoples who have cataract and not having enough money for operate it.

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any)): Picture







Next action plan:

Sr. No.	Activity to be conducted (along with reason)
_	Career Counseling of students because in rural areas some parents not having so much knowledge to guide their children.









Roorkee Institute of Technology

PROGRESS REPORT

May, 2022

UBA Coordinator's Name: Mr. Munendera Singh Chauhan

Email: ritroorkee@gmail.com

Phone Number: +91-9927099218

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1	Bhalaswa Gaj		
2	Binarsi Urf Bulet		
3	Chudiyala Mohanpur	Bhagwanpur	Haridwar
4	Mohitpur		
5	Premrajpur		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Installation of RO Water Purifier in Government Upper Primary School, Village Binarsi.

Need of the Activity: To Provide Clean and Safe water to the children of Government Upper Primary School, Village Binarsi.

Description: Children studying in Government Schools in rural India often do not have the access to clean drinking water. They are forced to drink water from unsafe sources such as hand pumps or directly from bore well pipes. The levels of contaminants are often high enough to cause adverse health effects such as nausea, skin rash, vomiting and dizziness. This initiative was taken with the objective of providing the option of safe drinking water to the children in government school of Binarsi on May 7, 2022. The initiative was taken with the cooperation from the headmaster of school, Mr. Sunil Kumar.















iह

ता







√प्राथमिक विद्यालय में लगवाया आरओ



उन्नत भारत अभियान टीम के साथ विद्यालय के बच्चे।

सहारा न्यूज ब्यूरो रुडकी।

रुड़की इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी पुहाना इ.ए. उन्नेत भारत अभियान के तहत गोद लिये हुए भगवानपुर ब्लाक के ग्राम बिनारसी राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में एक आरओ लगवाया गया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार ने इस कार्य में अपना पूर्ण सहयोग दिया और आरआईटी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इससे विद्यालय के बच्चों को पीने के लिए स्वच्छ जल मिलेगा और जिससे बच्चे स्वस्थ रहेगें। इस अवसर पर संस्थान के मैनेजिंग ट्रस्टी, महानिदेशक और निदेशक ने कहा कि स्वच्छ जल जीवन के लिए बद्धत जरूरी है और द्रममें कई बीमारियों से बचाव किया जा सकता हैं। उन्होंने आरआईटी की उन्नत भारत अभियान टीम को भविष्य में भी ऐसे कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर मुनेन्द्र चौहान, हर्षित गौतम, प्रदीप कुमार व आरआईटी के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।









ACTIVITY 2:

Title of the Activity: Installation of Ceiling fans in Government Primary School, Village Bhalaswa Gaj

Need of the Activity: To provide basic amenties (Fans) to the children of Government Primary School, Village Bhalaswa Gaj

Description: Under the theme of "BASIC AMENITIES", which includes safe drinking water, sanitation, housing, all weather road to village, electrification, fuel, connectivity, healthcare centre, school, playground and recreational facilities, RIT UBA Cell took an initiative on May 18, 2022 to install four ceiling fans in school. It was a happy momentfor the school authorities as well as the children of school. The initiative was taken with the cooperation from the headmaster of school, Mr. Sushil Kumar and Mr. Amit Kumar Gupta (teacher).



































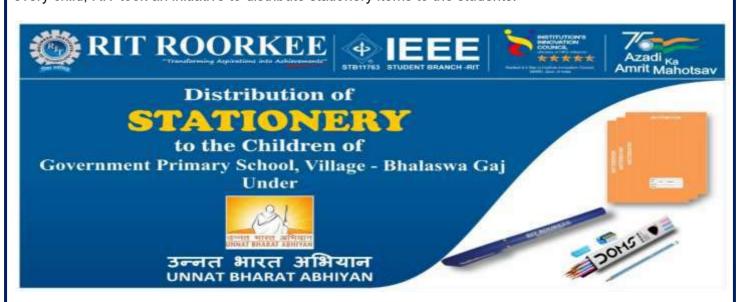


ACTIVITY 3:

Title of the Activity: Distribution of Stationery to the Children of Government Primary School, Village Bhalaswa Gaj

Need of the Activity: To provide study material to less fortunate children of Government Primary School, Village Bhalaswa Gaj

Description: RIT Roorkee UBA Cell took an initiative as a CSR promoter to Distribute Stationery (Note books of Hindi, English & Maths, Pen, Pencil, Eraser, and Sharpener) to the students of Grade 1st to 5th at Government Primary School, Village Bhalaswa Gaj, Block Bhagwanpur (Dist. Haridwar, U.K State) dated May 26, 2022. The initiative was taken with the cooperation from the headmaster of school, Mr. Sushil Kumar and Mr. Amit Kumar Gupta (teacher). Under the umbrella of Right to Education for every child, RIT took an initiative to distribute stationery items to the students.



































Long 77.747102° 26/05/22 11:06 AM











UNNAT BHARAT ABHIYAN

Roorkee Institute of Technology

PROGRESS REPORT

June, 2022

UBA Coordinator's Name: Mr. Munendera Singh Chauhan

Email: ritroorkee@gmail.com

Phone Number: +91-9927099218

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1	Bhalaswa Gaj		
2	Binarsi Urf Bulet		
3	Chudiyala Mohanpur	Bhagwanpur	Haridwar
4	Mohitpur		
5	Premrajpur		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Distribution of First Aid Kits at Village Bhalaswa Gaj

Need of the Activity: To provide First Aid Kits to the residents of village Bhalaswa Gaj and make them aware about the importance of having First Aid Kit at home.

Description: Roorkee took an initiative as a CSR promoter to Distribute First Aid Kits (Digital Thermometer, Cotton swabs, Bandages, Band Aids, Dettol antiseptic, Hand sanitizers, Face Masks, Omni Gel, Medical tape etc.) to the under privileged Villagers of Bhalaswa Gaj, Block Bhagwanpur (Dist. Haridwar, U.K State) dated June 4, 2022. The initiative was taken with the cooperation from the Village Development Officer, Mr. Vineet Kumar Gaur. Under the mission of Right to Basic Amenities, RIT took an initiative to distribute the First Aid Kits to the villagers. It was a happy moment for the people who are unable to buy these necessary items. The villagers were also made aware regarding the importance and use of having First Aid Kits at home.





नुनी

भीर

नीट

चा

की बना

ची

귝







आरआईटी ने ग्रामीणों को बांटी फर्स्टएड किट



रुड़की: ग्रामीणों को फर्स्टएड किट के बारे में जानकारी देती आरआईटी की टीम।

कड़की/एसएनबी।

रुड़की इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पुहानी रुड़की द्वारा उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिये भलस्वागांज के पंचायत भवन में ग्रामीणों को फर्स्ट एड किट वितरित की गई। किट में डिजीटल धर्मामीटर, ओमनी जैल, डिटोल, हैंड सेनेजटाइजर, रूई, बैंडेज, मेडिकल टेप आदि है। साथ ही ग्रामीणों को फर्स्ट एड किट के बारे में जानकारी दी।

संस्थान के मैनेजिंग ट्रस्टी, महानिदेशक और निदेशक ने आरआईटी की उन्नत भारत अभियान टीम को भविष्य में भी ऐसे कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर मुनेन्द्र चौहान, हर्शित गौतम, प्रदीप कुमार, छात्र उपस्थित रहे।















































UNNAT BHARAT ABHIYAN

INSTITUTE / ORGANIZATION NAME

PROGRESS REPORT

APRIL-JUNE, 2022

UBA Coordinator's Name: DR. SANGEETA GUPTA

Email: drsangeetamzn@gmail.com

Phone Number: 9897222887

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1	MIMLANA		
2	SHAHBUDDINPUR		
3		SADAR	MUZAFFARNAGAR
4			
5			

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: PLANTATION & HEALTH CARE (BY YOGA ASAN)

Need of the Activity: ENVIRONMENT AWARENESS

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any)): PICTURES

ACTIVITY 2:

Title of the Activity: POSTER COMPETITION ON PLASTIC AWARENESS

Need of the Activity: ENVIRONMENT PROTECTION

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any)): PICTURES

Next action plan:

Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)	
1	Health Awareness with villagers	
2	Slogan Competition – AZAADI KA AMRIT MAHOTSAV	
3	Invite Speakers for Agriculture Awareness	

है। विवि में नीर के जल विषय पर गोष्ठी एवं 'मयराष्ट्र के पुरातन जलाशय' पुस्तक के विमोचन में सर संघचालक मोहन भागवत ने यह बात जंगल पर आधारित है। भागवत ने कहा कि बिना प्राकृतिक समृद्धि के हमारी संस्कृति का कोई महत्व नहीं है।

विश

वैध वसूली दो किसानों करीब बीस हैं, जबकि हिं बिजली हि की कई क्सईएन से ई कार्रवाई

ते खिलाफ गंग की है। गेरेशन का र किसानों तिर्थ तक चल रहा है। किस रही हैं। रू कराने



एसडी कालेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में पेंटिंग बनाकर दिखाती छात्राएं। • हिन्दुस्तान

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पोस्टर बनाए

मुजफ्फरनगर, संवाददाता। एसडी कॉलेज ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

गुरुवार को कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि बीएफए विभागाध्यक्ष अमित कुमार, अंकिता साहु व कॉलेज प्राचार्य डा. संदीप मित्तल, बीबीए विभागाध्यक्ष राजीव पाल सिंह, बीसीए विभागाध्यक्ष डा. संजीव तायल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। इस दौरान मुख्य अतिथि बीएफए विभागाध्यक्ष अमित कुमार ने बाताया कि योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की तैयारी में जुटा प्रशासन : शामली। जिला प्रशासन आगामी 21 जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएंगे।

रोवर का निर्माण कार्य शुरू

ाल देव तर प्रदेश मा गांधी जना के ण कार्य द खंड मा द्वारा

ल देव जल भूजल रह की

अमृत

द यहां



मुजफ्फरनगर में बुधवार को अमृत सरोवर का शुभारंभ करते राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल। • हिन्दुस्तान

महाराज व

राज्यग

मुजफ्फरन राज्यमंत्री जिओ गीत जी महारा यहां राज्य

> **लेन दे** पुरकाजी

पुलिस ने एनसीअ आई। ग विवाद मे

मुजफ्फर वीरेंद्र सि

किस मुजफ्फर तक हरित

किसानों कहा कि जाएंगे।

मजदू पुरकाजी गया। था पाल सिंह







2/26, Sadar Bazaar, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh 251001, India

Latitude 29.4716341°

Local 11:07:15 AM GMT 05:37:15 AM

Longitude 77.6997807°

Altitude 195.8 meters Wednesday, 29-06-2022



Bhopa Road, FPCC+627, near SD degree college, Patel Nagar, New Mandi, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh 251001, India

Latitude 29.4702815°

Local 12:52:51 PM GMT 07:22:51 AM

Longitude 77.7196253°

Altitude 195 meters Wednesday, 15-06-2022













UNNAT BHARAT ABHIYAN

SANATAN DHARM COLLEGE, MUZAFFARNAGAR

PROGRESS REPORT

May-June, 2022

UBA Coordinator's Name: Dr Sarita Dhaka

Email: saritadhakaiitr@gamil.com

Phone Number: 8146866165

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1	Makhyali	Sadar	Muzaffarnagar
2	Tigri		
3	Kasauli		
4	Baruki		
5	Rasoolpur		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Awareness program on "World No Tobacco Day" (31st May 2022)

Need of the Activity: To aware the village residents about the harms of tobacco consumption.

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any)): Sanatan Dharm college organized an awareness program on "World No Tobacco Day" through a signature campaign at village Makhyali on 31st May 2022 under the "Unnat Bharat Abhiyan" scheme of government of India. We talked to the village residents to make them aware about the harms of tobacco consumption. All the present people were administered an oath not to consume tobacco. People actively participated in the signature campaign.

ACTIVITY 2:

Title of the Activity: Gud Bhatti survey in all adopted villages (4th June 2022)

Need of the Activity: Performed after the directions given by IIT Roorkee (Regional UBA Coordinator)

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any)):

Next action plan:

Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)	
1	Catch the rain, Under National Water Mission	









UNNAT BHARAT ABHIYAN (2.0)

THDC Institute of Hydropower Engineering and Technology, Tehri, Uttarakhand-249124

PROGRESS REPORT

April-June 2022

UBA Coordinator's Name: Mandeep Guleria

Email: mandeep@thdcihet.ac.in

Phone Number: 8171644880

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Khemra		
2	Jakh		
3	Godmu-Jaspur	Chamba	Tehri Garhwal
4	Kutha		Uttarakhand-249124
5	Painula		

List of Activities:

ACTIVITY 1: Continue......

Name of Activity: Passing of information regarding Pandemic, Farming Activities & Government Schemes

Need of the Activity: Pass the necessary information to rural peoples of adopted villages about the pandemic farming activities, livestock management & government schemes through KVK/Whatsapp channel.

Through district Krishi Vigyan Kendra (KVK) information regarding farming, livestock management, weather updates has been circulated with experts advised.

Prepared By:

Mandeep Guleria

UBA Coordinator (THDC-IHET, Uttrakhand-249124)









UNNAT BHARAT ABHIYAN INSTITUTE / ORGANIZATION NAME

PROGRESS REPORT

April, May & June 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Satya Manav Dayal

Email: uac.dehradun@gmail.com

Phone Number: 9759396321

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1	Khala Gaon		
2	Malsi		
3	Kuthal Gaon	Shahaspur	Dehradun
4	Bhandar Gaon		
5	Kirsali Gaon		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Polythene Awareness Program

Need of the Activity: To reduce the use of Polythene Bags

Brief Description:-

Polythene awareness program was conducted on 16.04.2022 with the students of villages viz., Khala Gaon, Malsi, Kuthal Gaon, Bhandar Gaon and Kirsali Gaon. Program was conducted by **Dr. Satya Manav Dayal, Principal UBA coordinators** and **Dr. Madhukar L. Shevale Vice-Principal** Uttaranchal Ayurvedic College, Dehradun. The main aim of the Program was to aware the rural population about reduction or stop the use of Polythene bags in day to day life. Program also focused on options used for replacement of Polythene. In this program, the organizers interacted with the students and villagers and suggestions and opinions of the villagers were taken for the development of villages.







ACTIVITY 2:

Title of the Activity: General Health Check up Camp

Need of the Activity: Health Check up of Villagers

Brief Description:

General Health Check up Camp was conducted on 14.06.2022 was organised in Anganwari Kendra Village Kuthal Gaon where 116 patients were checked and free medicine were distributed to the villagers in the camp. The Camp was organized by Uttaranchal Ayurvedic College & Hospital, Rajpur, Dehradun.







ACTIVITY 3:

Title of the Activity: Yoga Protocol Awareness Camp

Need of the Activity: To aware Yoga Protocol for International Yoga Day (21 June 2022) to Villagers

Brief Description:

Yoga Protocol Awareness Camp was conducted on 31.05.2022 with the students and villagers. Awareness leaflets were also distributed to the villagers of Khala Gaon, Malsi, Kuthal Gaon, Bhandar Gaon and Kirsali Gaon. People were also made aware about the Yoga and its benefits and villagers motivated for International Yoga Day on 21 June 2022.









Next action plan:

Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)	
1	Eye camps are required in the villages so our Institution will organize Eye camps in these villages.	
2	Health Check up camps will organize in these villages.	

"Initiative - Donations of Computers & Chairs

(Regional Coordinating Institute, IIT Roorkee)

The Regional Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan, IIT Roorkee has taken an initiative for donating of Computer Systems (12 Nos.) & Chairs (31 Nos.) in the adopted villages i.e. Beladi – Salhapur & Meerpur. Prof. Ashish Pandey, Regional Coordinator, UBA Pandey assured the principals who came from the adopted village that he would do everything possible for the development of the village.









Report on "Tech4Seva at Regional Level"

Regional Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan IIT Roorkee Organized "**Tech4Seva** *at Regional Level*" event on July 30, 2022, at the Department of Water Resources Development and Management, IIT Roorkee.

UBA Participating Institutions (PIs) coordinators from Uttarakhand, West Uttar Pradesh, IIT Roorkee faculty members, students, NGOs, Gram Pradhan's of the adopted villages attended this program. The list of participants is enclosed as annexure –I. The event schedule is enclosed as annexure – II.

Themes of the Event: The focal theme of the event was technology outreach as an enabler for inclusive, sustainable, and affordable healthcare. Sustainable agriculture systems, water resource management, rural energy systems, artisans, industries and livelihood, and basic amenities (infrastructure, education, healthcare) were the subthemes of the event.



Prof. Ashish Pandey, Coordinator, Unnat Bharat Abhiyan, Regional Coordinating Institute, IIT Roorkee apprised that the students from 45 participating institutions of Uttarakhand and 40 of Western Uttar Pradesh, working voluntarily under the Unnat Bharat Abhiyan program, are providing their services in about 425

adopted villages. He said that under the UBA program, continuous efforts are being made to make life easier and improve the living standard of villagers through technology intervention. He added that from the Tech4Sewa event, the three best devices/techniques would be selected in this event and shared with the UBA, NCI IIT Delhi, which would later be included in a compendium of 75 technologies chosen from all over the country. The three best entries would be selected by the panel of experts headed by Prof. M. L. Kansal, Prof. Kritika Kothari, and Prof. Bhanu Prakash Vellanki.

Prof. M. Parida, Deputy Director, IIT Roorkee, addressed the inaugural session of the program. He said that the students working voluntarily under the UBA program tried to understand the problems of villagers. They have developed simple devices which address the issues directly related to the villagers and farmers. He



said that IIT Roorkee is celebrating 175 years of its existence. This is a matter of





pleasure and pride that IIT Roorkee is successfully connected with farm ers and people of rural backgrounds through Unnat Bharat Abhiyan and Gramin Krishi Mausam Seva (GKMS) programs.



7. Mr. Navneet Kumar

Prof. Akshay Dvivedi, Dean SRIC, IIT Roorkee, apprised that IIT Roorkee has initiated a 'COMAL' (Common Man to Laboratory) scheme under which any common man (innovator) is welcome to approach Design Innovation Center at IIT Roorkee with his/her innovative ideas/design. This is another way to connect common people with IITs-like institutions.

Demonstration of Technologies

1.	Prof. Vinay Sharma, Dept. of Management Studies, IIT Roorkee		
	□ Low-cost Energy Through Forest Bio-Residue		
2.	Prof. R. P. Saini, RUTAG, IIT Roorkee		
	□ Aloe-Vera Processing Machine for Natural Cosmetic Multi Products		
	□ Mechanized Roller for Namda (Felt) Making		
	□ Efficient Pomegranate Seed Extraction Machine		
	□ Development of Air-Cooled Based Vegetable Vending Cart		
	□ Variable Speed Motorized Bageshwari Wool Charkha (Version-2)		
3.	Dr. Swapan Suman, MIET, Meerut		
	□ Hands-free Water Tap Mechanism		
	□ Automatic Plant Irrigation System		
4.	Dr. Brijesh Prasad, Graphic Era University, Dehradun		
	□ Waste Water Treatment Using Biomass Residue		
5 .	Mr. Alap Mahar, DR. APJ Abdul Kalam Institute of Technology, Tanakpur		
	□ Automatic Chaff Cuter Machine		
	□ Mechanical Floor Cleaner• Agricultural Multipurpose Machine		
6.	Dr. Manuj Agarwal, MIT Moradabad		
	□ Krishi Saarthi (Investigating Soil - Arduino Nano, NPK sensor)		
	□ Krishi Saarthi (Fasal Suraksha)		





Demonstration of Drone Technology

❖ Technology - Low-cost Energy Through Forest Bio-Residue By (Prof. Vinay Sharma, DoMS, IIT Roorkee)

	Basic Information of Technology		
	Items	Answers	
1.	Title of the technology	(Portable Manual Briquetting Machine for Converting Forest Bio Residue to Low Cost Energy Briquettes)	
2.	About technology (in short) (upto 50 words)	The Briquetting Machine is portable, manual, easy to use, low cost, low maintenance having high efficiency in terms of generating around 2000 PSI of pressure to compress forest bio residue in to briquettes without any requirement of mixing, drying or pyrolysis	
3.	Contact Details of Technology Developer (Name, affiliation, email id, mobile no.)	IIT Roorkee—Pls Dr. Vinay Sharma and Dr. Rajat Agrawal Professors, Department of Management Studies and Joint Professors at Department of Design at IIT Roorkee with technical advice of Dr. Kapil Joshi IFS. Emails and Mobile: vinay.sharma@ms.iitr.ac.in 9839022610, rajat@ms.iitr.ac.in 9719004491.	
4.	What is the scientific approach to choose the particular technology?	Forest Bio Residue is light weight and is available in large quantities, cannot be collected and brought down the hills for a particular usage. It possesses high calorific value. If can be compressed at the place of availability and may be used for energy generation would express large complimentary value. A system is required which does not requires any mixing, pyrolysis and easy for production while enabling usage	
5.	After what duration the first output can be seen?	The first output is ready and commercially viable as of now very well adopted by 2 villages in Uttarakhand and the Forest Division of Nowshera in Jammu and Kashmir	
6.	What kind of resources required (raw material, energy, water, others)?	Just the Forest Bio Residue especially PINE NEEDLES	
7.	What is the area foot print of the Process/Technology?	Whole of the North Western Himalayas	
8.	What kind of Climatic and Geographical location is required?	Himalayan Areas	
9.	Gestation period of the project?	The project requires larger expansion and the establishment of a fully functional commercial model	
10.	Minimum Economic Unit Size?	20 villages with 25 machines each	
11.	Indicative Investment for the Technology	9-10 Crore Rupees	

12.	Skill required for operations/ maintenance	Basic operational efficiency and very basic maintenance skills
	Salient Feature of	Process/Technology Information
13.	How everything from top to bottom (Supply Chain) to be made in the village itself (Circular and local)?	Pine Needles are shed by Pine Trees in millions of tons every year. There are hundreds of villages where pine needles are available in abundance. These needles must be collected and chopped along with briquettes being made. During shedding season of March — June ALL THREE ACTIVITIES of collection, chopping and briquetting must be done while REST of the NINE Months only Briquetting out of stored chopped needles can be done. This will provide cooking, heating with low carbon emissions at the house hold levels, Livelihood ALL YEAR through by sales proceeds from the Restaurants, Resorts and other commercial buyers. Larger out put may cumulatively be sold for industrial usage as well.
14.	Employment generation Potential	One machine is good enough for providing a sustained livelihood to one household or 5 individuals, hence a village may be provided with a livelihood for 125 people and 20 villages may have a livelihood for 2500 people, all the year round.
15.	How many Training Days or months required for the technology to be learned properly?	From production to marketing requires the training during one cycle of 4-5 months
16.	If it can be implemented at Family level or external manpower is required?	It is better if it is implemented at the family levels
	Add	litional Information
17.	How many Manpower required?	3-4 people per machine
18.	Cost of Technology (Please provide breakup if possible)	One machine installation with cutter and a mobile phone with marketing and information application is around 1,30,000 Rupees wherein Machine is around 90,000 Rupees and the rest are peripherals along with other associated costs
19.	What type of Certification required for the product?	No certifications required as such
20.	Risk involved?	No risk involved as such. The major precaution must be taken for the storage of the pine needles and the briquettes as these are highly inflammable
21.	Research Publications/ Newspaper publication/ Patent(authored by the technology developer)	 Sengar, A., Sharma, V., Agrawal, R., Dwivedi, A., Dwivedi, P., Dwivedi, Joshi, K., Dixit, G., Sharma, P.K., & Barthwal, M. (2020). Prioritization of barriers to energy generation using pine needles to mitigate climate change: Evidence from India. Journal of Cleaner Production, 275, 123840. Impact Factor – 9.297 Dwivedi, A., Dwivedi, P., Joshi, K., Sharma, V., Sengar, A., Agrawal, R., Sharma, P.K., Dixit, & Barthwal, M. (2022). Local leader's impact on adoption of renewable energy generation technology by rural communities in the Himalayan region. Journal of Cleaner

7	<u> </u>		
		Production, 352, 131479. Impact Factor – 9.297 3. Joshi, K., Sharma, V., & Mittal, S. (2015). Social entrepreneurship through forest bio residue briquetting: An approach to mitigate forest fires in pine areas of Western Himalaya, India. Renewable and Sustainable Energy Reviews, 51, 1338-1344. Impact Factor – 11.239 There are several news coverages on this a recent one is:	
22.	Any other Information	Photos/videos https://www.nmhs.org.in/pdf/success_story/18-01-2021_Dr.%20Vinay%20Sharma/Success_story.pdf	
		https://youtu.be/-izGxlxyZHw	





☐ Technology - Following T	Technology were demo	onstrated during th	e exhibition.
----------------------------	----------------------	---------------------	---------------

- ☐ Variable Speed Solar Based Bageshwari Wool Charkha.
- □ Pomegranate Seed Extraction Machine.
- ☐ Aloe-Vera Processing Machine for Natural Cosmetic Products.
- ☐ Mechanized Roller for Felt Making.
- ☐ Air Cooled based Tricycle Vegetable Vending Cart.

By Prof. R. P. Saini, RuTAG, IIT Roorkee, Shri. Vijay Saini & Shri. Imtiyaz Ali (Project Associate)

Variable Speed Solar Based Bageshwari Wool Charkha -

Foot operated traditional charkha is used for spinning of the wool in Uttarakhand, Kashmir and Himachal Pradesh. The traditional charka has drawbacks of non-uniform filling of bobbin; non-uniform thickness thread of yarn, low productivity. It requires strenuous efforts and physical work to run the charka. In order to overcome these issues, a modified Bageshwari Wool Charkha is developed by upgrading the traditional charkha as shown in Figure. The advanced Bageshwari Wool Charkha comprises of solar panel (75 W), electric motor (110W), battery (12 V) with 4 volt rechargeable battery operated through foot pedal. Further, a knob control is provided to adjust the course and fine spinning of wool. This system has advantages of a USB socket, battery backup, lightweight structure and its components that can be easily be assembled and disassemble. The main components of the automated Bageshwari Charkha are listed below. The components are also shown in figure.

Components of the Bageshwari Wool Charkha

S. No.	Component	Specification	
1	Battery:	12 Volt 35 amps	
2	Generator	4 volt (Operated through peddle fitted)	
3	D.C. voltmeter	6 to 100 Volt	
4	Motor	220 V 50Hz 110 watt , R.P.M. 7500	
5	Switch and Socket	220 volt Inverter output	
6	Knob control	Coarse and Fine control	
7	Worm Gear box (gear ratio)	1:48	
8	Solar Panel	75 watt	
9	Fly wheel	Dia-17", Thickness-18 MM	
10	Tool box	14.5" ×11.5"×6"	

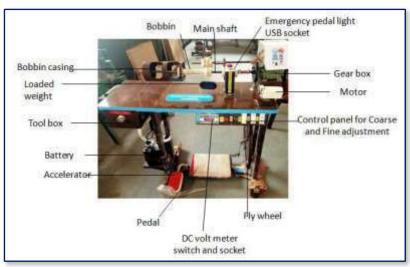


Fig: Photograph of Modified Bageshwari Wool





Pomegranate Seed Extraction Machine -

India being the largest producer of pomegranate is a host to various cultivated as well as wild varieties. Pomegranate is high in demand due to its rich nutrients, dietary fibers, foliates and vitamins. Wild pomegranate grows in vast tracts of mid altitude in Himachal Pradesh, Uttarakhand and Jammu and Kashmir states of India. It is highly valued for its nutritious arils and peel which is source of additional income to farming communities. Local farmers harvest wild pomegranate, extract arils and peels, and sun dry them for sale. In absence of efficient aril extraction technology the farmers undertake



Photograph of Pomegrante aril extraction machine

strenuous and time consuming labour. Yet, they are unable to process entire harvested pomegranate during its short shelf life coinciding with September rains. As a result, much of the harvested fruits rot and remain unutilized. In order to improve local extraction processing and to overcome the difficulties, RuTAG, IIT Roorkee has designed an electrically operated light weight pomegranate aril extraction machine. It can completely extract arils of 50-60 kg pomegranate in one hour as compared to maximum of 10 kg extraction in an hour using local technology in Himachal Pradesh. Use of this designed machine, could help in rapid aril extraction to prevent rotting of fruits which cannot be processed in time because of unavailability of efficient machines to the local people. A photograph of Pomegranate aril extraction machine is shown in Figure.2.

Technical Specifications of Pomegranate seeds Extraction machine

S. No.	Accessories	Dimension
1.	Shape	Cylinder-2 nos.
		(Base frame & Inner cylinder- Fruits Placing)
2	Size	2 feet
3	Motor	½ HP
4	Pulley	2" & 12"





Aloe-Vera Processing Machine for Natural Cosmetic Products -

Aloe-Vera, Wild apricot oil and Artemisia along with other natural ingredients which are found in states of Uttarakhand and Himachal Pradesh are used for preparing natural cosmetic products. In the pharmaceutical industry Aloe-Vera, has been used for the manufacture of products such as ointments and preparing cosmetic products like creams etc. The production process of Aloe Vera juice involves blending, grinding and heating of the entire leaf of the Aloe Vera plant to produce a liquid followed by various steps of filtrations and analyzed for its quality. The extracted juice is then mixed with other substance to produce a pharmaceutical, cosmetic or food product. However low-cost single unit at small scale which combines all operations is not readily available locally to the people. To Provide additional livelihood for the locals and upgrading skills through developing appropriate techniques to make various natural cosmetic products from Aloe Vera pulp and other useful plants, a low-cost machine is developed which can facilitate all operations of grinding blending& heating of Aloe Vera pulp &other products while controlling all critical parameters during the process in a single unit. This will provide sustainable source of income to the farmers/people

of the area.



Final Product cosmetic moisturizing cream



Aloe Vera Processing Machine

Components of Aloe-Vera Machine

Sr. No.	Item	Specification
1.	Motor ¼ HP	2800 RPM





2.	Heating Element	2000W
3.	Grinding Blade	-
4.	Cylinder Diameter	305mm
5.	Manual handle	-

Mechanized Roller for Felt Making -

Non-woven woolen ornamental felt making is a prominent handicraft cottage

industry in many states of India and it is a popular livelihood activity in the states of Jammu and Kashmir, Uttarakhand and Rajasthan. Felt has wide ranging usages for floors spreads, cushion covers, sofa covers, yoga and meditation mats, bags and fancy decoration item, and heat and



Photograph of Mechanized rolling devices

sound insulation material. Felting wool needs much less time in making as compared to that of handloom fabric. Therefore, it is highly useful in processing waste and discarded wool for making fabric of various thicknesses.

Due to harsh and labor-intensive traditional felting processes, the craft of making handmade felt has remained a part of men's profession, and over the years a large percentage of artisans have left the trade of making felt. With this new technology, revival of felt making can take place. Instead of beating and rolling mass of wool with feet, the felt makers can make felt by pushing rollers without exercising strenuous foot and leg work. It reduces physical strain. Women can easily operate the felt rolling machine.

Technical specifications of felting rollers

S. No.	Specification	Roller-1	Roller-2	Roller-3
1	Roller Size	2.5 feet	4.0 feet	5.0 feet
2	Material	Mild steel	Mild Steel	Mild Steel with rubber wheel
3	Size of Felt	2 ×6 feet to 2 ×8 feet	3 ×6 feet to 3 ×8 feet	4 ×6 feet to 4 ×8 feet





Air Cooled based Tricycle Vegetable Vending Cart -

Traditionally Vegetable hawkers use an open pushcart to carry fruits and vegetables from wholesale market to residential colonies or rural market to sale them. The vegetables are exposed and sold during daytime when the temperature is high most of the time, which leads to rapid deterioration in the quality of vegetables and fruits. It is estimated that rate of spoilage of vegetables alone increases 2–3



Air Cooled based Tricycle Vegetable Vending Cart.

fold with each 10°C rise in temperature. Due to this routine of daily movement for sale, the hawkers are unable to maintain appropriate quality of vegetables for more than two days in summer. Thus, most of the perishable unsold for two days old vegetables are disposed of at throwaway price or discarded as waste incurring heavy loss to vendors.

Perishable vegetables need low temperature and high relative humidity for longer storage, especially during summer months. Among various methods, evaporative cooling is an environmentally friendly air-cooling system where water and air are the working fluids The Design cart include air-cooled evaporation cycle for preservation of food and vegetables. It has cooling unit based on evaporative principle. Cool air rich in humidity circulates the storage area to cool and keep required humidity for long storage time. A battery is integrated for powering a DC pump for spraying water over pads and powering a DC fan for circulation of moist and cool air. The battery will be charged at the residence of vendor each night and it can be used throughout the day without any onboard charging. A small water tank of 10-15 liters' capacity is attached for watering the pads. Based on the data collected during the fielding testing, it is found that Aircooled Based Vending Cart is efficient for preserving the fruits and vegetable for 2-3 days.





Technical specifications for the components of the Pull-Cart

_Sr	Particular	Rating
No		
1.	Fan Motor	12 Volt, 3.03 Amp,36.36 Watt
2.	DC Pump Motor	12 Volt, 0.84 Amp, 10.84 Watt
3.	Led	12 Volt, 1.32 Amp, 15.84 Watt
5.	Fogger	24 Volt, 1Amp, 24 Watt
7.	Battery	12 Volt 65 Ah
8.	Stainless Steel Cabinet	123 cm x 119 cm x 88 cm
9.	Stainless Steel Water Tank	41 cm x 41cm x 17 cm (24-26 litres)
10.	Diameter of the tri-cycle pushcart wheel	28 inches

□ Technologies-

- ☐ Hands-free Water Tap Mechanism
- □ Automatic Plant Irrigation System

By Dr. Swapan Suman & Dr. Gaurav Kashyap MIET, Meerut

Hands-free Water Tap Mechanism -

Devansh Sharma and his team under the Guidance of Dr. Gaurav Kashyap and Dr. Swapan Suman present his idea 'Hands Free Water-tap Mecahnism'

- In the times of Covid-19, washing filthy hands, the user opens the faucet, washes
 the tap handle thereafter, and then repeats the process. Each and every prevention
 and precautionary measure is being taken, a foot operated tap for wash basins
 proposed.
- 2. The majorities of users do not or are unable to turn off the water, so it continues to flow to the sink without being used when cleaning many pots or utensils consecutively in the kitchen. This prevents the user from taking use of the water running during the times he changes between them.
- Most important advantage of this mechanism that this mechanism can be brought to the work make without damage to the old pipeline and its cost will be ready in less than Rs. 500-1000 only.

Due to the lack of water resources and extreme use of potable water, a mechanical system is proposed to prevent infection and decrease water consumption in washing of hands and faces, utensils, ablution and similar operations. This study presents a suitable cost mechanical ways with easy implementation to save water and prevent infection. The proposed methods depends on controlling the water flow valve using legs controlled pedals instead of hands because hands are already busy while





washing. This mechanical system is intended to save the cost of power and components and for safety thus, electrical or electronic control is not used. The system design is developed in a way that eases its practical application on the already installed water valves without need to replace these valves entirely. The system is characterized by its simplicity, easy installation and maintenance besides its low effective cost. Currently, there are some available commercial feet or knee operated tap valve systems. They are expensive and need to change and reinstall water piping systems. This design can be implemented on existing systems without changing the tap and/or the connections that are often inside the walls.

Automatic Plant Irrigation System -

Prakhar and his team under the Guidance of Dr. Swapan Suman present his idea 'Automatic Plant Irrigation System' in the event.

The logic of this system is very simple. In this system, the moisture sensor senses the moisture level of the soil and when the sensor senses a low moisture level it automatically switches the water pump with the help of a microcontroller and



irrigates the plant. After supplying sufficient water, the soil get retains the moisture hence automatically stopping the pump.

☐ Technology: Wastewater treatment using biomass residue

By Dr. Brijesh Prasad, Graphic Era Deemed to be University, Dehradun

Dr. Brijesh Prasad and his team, from the Department of Mechanical Engineering, Graphic Era Deemed to be University Dehradun have developed a unique method for water treatment, especially focusing on the paper, textile, and leather industries. These heavy industries use various types of industrial dyes as coloring agents and the waste effluent, at last, is then released into the water bodies. This causes an imbalance in aquatic life and creates difficult conditions for the aquatic ecosystem. Taking it as a factor of motivation a team led by Dr. Prasad started working on it and found a solution by making use of the waste biomass, which can reduce the released effluent effect in water bodies to some extent. The waste biomass has been converted into activated carbon using the pyrolysis technique, which is then used for dye





adsorption. The abundance and availability of biomass make it a cost-effective and attractive product. At present methylene blue and malachite green dye have been taken under consideration.

Experimental results have shown an almost 95% removal rate of the dye from the effluent solution using the developed activated carbon. The work has been patented and waiting to be granted. Presently the technology is in R&D phase and is soon to be completed with the help of Green Ashesh Technology Limited, Hongkong. After granting the patent, the technology will be tested for the pilot project and then will go for commercialization.

□ Technologies –

- □ Automatic Chaff Cutter Machine
- □ Agricultural Multipurpose Machine

By Mr. Alap Mahar, Dr. APJ Abdul Kalam Institute of Technology, Tanakpur

<u> Automatic Chaff Cutter Machine -</u>

Team Members: Vishwakarma Ashish, Vikram Nagarkoti, Gaurav Sharma, Tushar Goswami, Dhananjay Sharma & Mentor: Mr. Alap Mahar, Dr. Rahul Kshetri, Mr. Nitish Phulera.

Introduction: A chaff cutter is a mechanical device for cutting straw or hay into very small pieces before being mixed together with other forage and fed to horses and cattle. This aids the animal's digestion and prevents animals from rejecting any part of their food. Chaff cutters have evolved from the basic machines into commercial standard machines that can be driven at various speeds and can achieved various lengths of cuts of chaff with respect to animal preference type. New chaff cutter machines include portable tractor driven chaff cutter - where chaff cutter can be in the field and load trolleys. This device is designed and developed using technological advancements our hand operated chaff cutter and or manual chaff cutter is highly précised machine and are smooth to operate. Impeccably designed, these chaff cutters are useful for chopping up hay and oat-straw to feed livestock and prepare fine raw material for food processing industries. The technical specification of this chaff cutter is tabulated below.

Target Groups: Farmers





Detailed Budget and Technical Grief:

- Spur Gear (6)
- Motor (1 HP)
- Bearing (4)
- Shaft (2)
- Wooden Cover
- Stand
- Total Cost: Rs. 17000/-

Expected Outcome:

- Simplicity
- Constant Speed Drive
- Reliability
- Cost-Effectiveness
- Efficiency

Working Model





Mechanical Floor Cleaner -

Team Members: Kartik Verma, Vishwakarma Ashish, Nishant Chaudhary, Deepak Pant. Mentor: Alap Mahar, Dr. Rahul Kshetri, Mr. Nitish Phulera.

Introduction: A floor cleaner is very much useful in cleaning floors in hospitals, houses, auditoriums, shops, computer centers, etc. it is very simple in construction and easy to operate. Anybody can operate this machine easily. It consists of a moisture cotton brush, the brush cleans the floor and is dried with aid of a small blower. Hence it is very useful in hospitals, houses, etc. The time taken for cleaning is very less and the cost is also very less. The maintenance cost is less. Many types of machines are widely used for this purpose. But they are working under different principles and the cost is also very high. Good well-maintained entrance matting can dramatically reduce the need for cleaning. For public and office buildings, about 80 to

90% of the dirt is tracked in from outside. Installing a total of 15 feet of matting consisting of both indoor and outdoor sections will remove about 80% of this. Thus about two-thirds of the dirt can be removed at the entrance.

Target Groups: Rural Population, Disabled person.





Detailed Budget and Technical grief:

- Metal Frame
- Bearings
- Bevel Gear Mechanism
- Plastic-built Mop
- Tires (2)
- 90% parts are taken from scrap material
- Total Cost for 1st Model: Rs. 2500/-
- Total Cost for 2nd Model: Rs. 2000/-

Expected Outcome:

- Manual effort is reduced.
- Operating time is less.
- Cleaning and Polishing liquid can be done at same time.
- It consumes less cleaning fluid.
- Design is very simple.
- Easy Fabrication.
- Net weight is less.
- Maintenance cost is less.
- Smoother Operation.

Model Design







2nd Model

Agricultural Multipurpose Machine - Sprayer Machine -

Team Members: Deepak Pant, Kartik Verma, Nishant Chaudhary, Vishwakarma Ashish, Abhishav Pratap Singh. Mentor: Mr. Alap Mahar, Dr. Rahul Kshetri, Mr. Nitish Phulera

Introduction: Agricultural spraying machine is to overcome the problems faced by traditionally spraying done by farmers who carry knapsack-type sprayers because of its versatility, design, and cost. But it is time-consuming and requires human efforts causing problems like back pain. Hence, in order to overcome these problems, we have designed and developed a new agricultural sprayer that is more efficient than traditional sprayers and requires negligible human efforts. A multi-functional device will come in handy that can be used in different stages of farming as per farmers' requirements. This wheel-operated pesticide spray equipment consumes less time and achieves uniform nozzle pressure. A crank mechanism with a piston pump that is driven by a wheel is also used. The main aim of this project is to develop low cost





mechanically operated sprayer pump. The equipment has been validated by the users and feedback has been taken and improvements have been done.

Target Group: Farmers

Detailed Budget with technical grief

- Spindle Chain Mechanism
- Sprayer Tool
- Ploughing Tool
- Leveler
- Sprayer Tank (20 L capacity)
- Structure Cost: Rs. 8400/-

Expected Outcome:

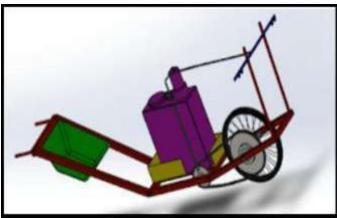
- Human effort in pumping is reduced.
- Fatigue load is reduced.
- · Spraying Capacity is increased.
- Cost effective.

Output Cost analysis:

• Insecticides/Pesticides/Fertilizers to be filled in Sprayer tank= Rs. 25000.

Model Design





□ Technology - Low Propagator House

By Animesh Raj, Saurav Singh, Manoj Kumar, Roshan Jeena, Krishna Kumar Singh, Abhijeet Pal, Sudarshan Anand; Mentor - Dr. Pashupati Nath COER, Roorkee

Introduction: Cultivation of high value vegetables under low cost protected structures has been found to be a viable technology for growing vegetables throughout the year. The crops grown in protected structures in fetch higher prices in the market. Low cost protected technology like plastic low tunnels, walk in tunnels, shade net houses are used for vegetable cultivation for getting high returns. Similarly insect proof net houses can also be used on a large scale for safe vegetable cultivation for minimizing the use of pesticides in vegetable cultivation and for production of virus-free seeding. Therefore to enhance income of the small and marginal farmers, off-season vegetables cultivation under low cost poly houses is found to be very economical and profitable venture. Alongside, this technology ensures availability of every kind of





vegetables throughout the year which ultimately helps in nutritional security of the countrymen. During the winter season, it is extremely difficult to grow tomato capsicum, cucurbits, French bean, amaranth and many other crop varieties in open field conditions, however various types of protected structures have been developed for growing some high-value crops continuously by protecting the excessive cold condition, but the cost of developing the structure is too high i.e. – 50 lakh rupee for 1-acre land. Similarly, this structure will also provide favorable environmental conditions to the plants at a very low cost.

Target Group: Farmers and Rural Population Detailed budget with technical brief:

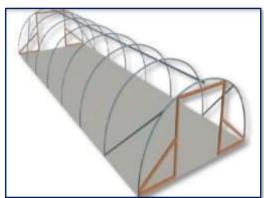
 \Box Size of structure (20 m (L) x 5 m (W) x 7' (H)) = 100 m 2

☐ Structure Cost: 170700/

Output Cost analysis:

□ No. of seedlings 8000 (polybags) + 7000 (portrays) = 15,000 seedlings.

☐ Seedling @ Rs. 10 = Rs. 150000.





Design: - (20 x 5 x 7) M2

Expected Outcome: It will be used to protect the plants from adverse climatic conditions such as wind, cold, precipitation, excessive radiation, extreme temperature, insects, and diseases. Raising the nursery in the protected structures will be to get higher profit and disease-free seedlings in the offseason. The temperature inside the structure will be 6-100 C higher than outsides during winter.





☐ Technlogy - Food Supply Chain

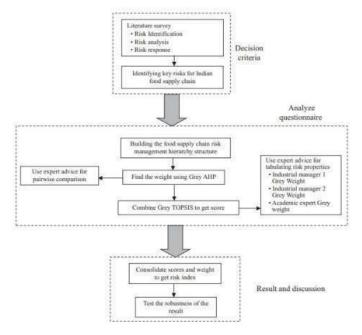
By Mr. Kshitij Jain & Team Members : Tannu , Shagun Gupta , Priya Jain, COER, Roorkee

A food supply chain or food system refers to the processes that describe how food from a farm ends up on our tables. The processes include production, processing, distribution, consumption and disposal.

The food we eat reaches us via food supply chains through which food moves

systematically in domino like motion from producers to consumers while the money consumers pay for food goes to people who work at various stages along the food supply chain in the reverse direction.

Every step of the supply chain requires human or natural resources. Because a food supply chain is domino-like, when one part of the food supply chain is affected, the whole food supply chain is affected, which is often manifested through changes in price.



Methodology:

The proposed research methodology is divided into two sections.

☐ Section 1 :-

- We propose a risk quantification framework for typical food supply chain.
 - ☐ Section 2 :-
- It reports a detailed application of the proposed methodology for the case of Indian food supply chain.

The various phases involved in the methodology are specified in the flowchart.

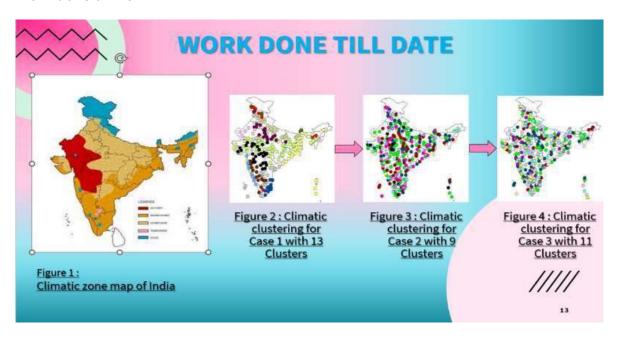
The first phase includes a comprehensive literature survey to identify and classify the relevant risks which may affect the Indian food supply chain. The second phase of the process is to assign weight for the different criteria according to their importance. Grey-AHP is used for assigning the weights based on the inputs from the experts. Calculation of the score for the various risks is done in the third phase, which is analysed using five different measures: categories of risks, the probability of



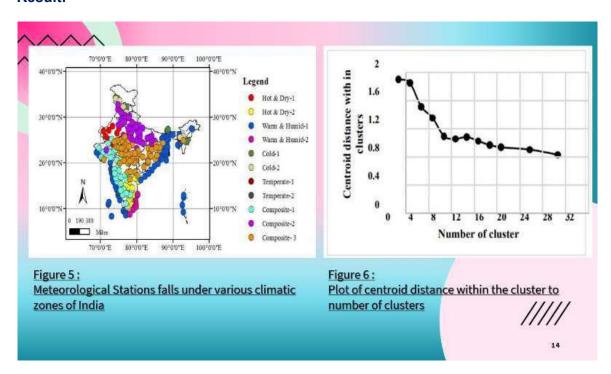


occurrence, impact on food supply chain performance, an increase in activity duration and growth in activity cost due to the given risk.

Work done till now:



Result:







☐ Technlogy – Fan with self cleaning Machanism of blades

By Rajat Sharma, Graphic Era Deemed to be University, Dehradun

Rajat Sharma showcased the patented product titled "auto cleaning fan" designed by Rajat Sharma, Dr. Sumit Kumar, Dr. Ashulekha Gupta. This product will further ease the life of rural Indians where pedestal fans are quite common and hence this affordable cleaning mechanism costing rupees four hundred eighty rupees is idol for rural India upliftment.

The innovation has following advantage

Rural people are the majority user of Pedestal fans
This innovation decreases the worn-out issue of element and motor and thus save
the funds of rural people.
Reduces the bacterial and allergic issues caused due to dust laden air coming
from the fan
Reduces the electricity consumption as dust accumulated blades consume more
power

(19) INDIA	ICATION PUBLICATION	(21) Application No.202211033094 A
(22) Date of filing of Application :09/06/2022		(43) Publication Date: 24/06/2022
(54) Title of the inver	ntion : FAN WITH SELF CLEANING MEC	THANISM OF BLADES AND METHOD THEREOF
(51) International classification (86) International Application No Filing Date (87) International Publication No (61) Patent of Addition to Application Numb Filing Date (62) Divisional to Application Number Filing Date	er :NA	(71)Name of Applicant: 1)GRAPHIC ERA (DEEMED TO BE UNIVERSITY) Address of Applicant: 566/6, Bell Road, Clement Town, Dehradun – 248002, Uttarakhand, India. Name of Applicant: NA Address of Applicant: NA (72)Name of Inventor: 1)Rajat Sharma Address of Applicant: Department of Management Studies, Graphic Era (Deemed to be University), Dehradun, Uttarakhane India ————————————————————————————————————

Patent copy





□ Technlogy -

■ Water purifier

□ Waste To Wealth - Vermicompost

By Prof. Bhanu P. Vellanki, Coordinator, UBA; Mr. Shubham Pal, UBA TEAM, IIT ROORKEE

Water purifier

First of all a preliminary household survey was conducted in the villages, and contaminated water came out to be one of the major problem faced by the villagers. Handpumps and taps were the source of water which contained bad smell and odour. Villagers were also prone to water on diseases like jaundice typhoid stomach pain etc. Therefore water samples from different locations and sources in the village were collected and brought to IIT Roorkee laboratory for testing. The water quality test reports in the laboratory revealed that the amount of total hardness turbidity iron content, coliform bacteria was more than the desired value.

Under the guidance of our faculty coordinator Dr. Bhanu Prakash Vellanki, the team designed the water filter. The filter was designed on the basis of sand filtration process using sand and gravels. The next difficult task was to find a suitable location for the setup of water purifier. After In puranpur village the water purifier was set-up in the government primary school after approving with the principal sir. The team procured the required raw material and further contacted plumber and labour for the setup. Then the gravels and sand were washed properly after sieving and then they were finally layered inside the tank. 6mm and 10mm gravels were used in the filtration tank. The water filter was also provided with backwashing techniques so that the filter can be cleaned as per the requirements. Complete setup of water purifier caused around 12,500 Rs.

One more water purifier plant was set up in Salempur near the plastic shredding plant for the workers present over there.





Waste To Wealth – Vermicompost

The presentation started with how our project aims to establish sustainable vermicomposting beds to promote the use of vermicompost, nutrient-rich manure in agriculture as an alternative to harmful chemical fertilizers like urea which certainly makes crops harmful for consumption and what are the objectives that we aim to achieve through this project. We also explained the bio reactions involved and future scope of development for making the process efficient and plans to collaborate with biotechnology department of the institute to work on the same. Later, we presented our current and previous work done in the villages and talked about our future of expansion of the beds. We also presented the scope of introducing new methodologies like usage of citrus fruits to prevent the compost from common pests, or usage of fruits like watermelons to maintain the moisture content and provide addins to the growing season. We also talked how we will be working on the maintenance and sustainability of the project starting from giving training to the farmers to providing them with raw materials and working on providing market for selling their compost. Also, the long- and short-term impact of this project was discussed, some of them which were the low skills job and employment creation through this, scope of crop productivity and less usage of chemical fertilizers and urea, maintenance of ecological balance and efficient usage of cow dung and other organic waste. At last, we talked about how this helps in soil enhancement by improving the aeration of the substrate, and helps in the grinding of the substrate which further saves the cost required from conventional method, and the improvement in the nitrogen, phosphorous and potassium content of the soil. The presentation ended with discussion of future goals and large impact of this project.





List of Participants

Annexure - I

S.No.	Name	Institute Name	
1 1	Mr. Vijayeshwar Dangwal	Shri kedar Janvikas Samiti, Dunder	
2 1	Mr. Bibhas Kumar	NIT, Uttarakhand	
1	Dr. Manuj Kr. Agarwal	MIT, Moradabad	
4 [Mr. Shivansh Chauhan	MIT, Moradabad	
5 1	Mr. Ashish Rana	MIT, Moradabad	
1	Mr. Vasu Agarwal	MIT, Moradabad	
	Mr. Rajat Sharma	GEU, Dehradun	
	Mr. Akshay Jaiswal	Ideaforge	
9 1	Mr. Harshit Gautam	RIT, Roorkee	
10 I	Dr. Rakesh Kumar	HESCO, Dehradun	
11 1	Mr. Navneet Kumar	Strategie DDN	
	Mr. Utkrisht Burman	COER, Roorkee	
13 I	,	AKIT, Roorkee	
1	·	AKIT, Roorkee	
	Mr. Vishwakarma Ashish	AKIT, Tanakpur	
1	Mr. Pratap Kumar	R.B.D. Mahila Mahaviodyalay, Bijnor	
17 I	Dr. Amar Nath	COER, Roorkee	
18 E	Er-AD Sharma	COER, Roorkee	
1	Mr. Animesh Roy	COER, Roorkee	
	Mr. Manoj Kumar	COER, Roorkee	
21 I	Mr. Saurav Singh	COER, Roorkee	
	Dr. Pashupati Nath	COER, Roorkee	
23 I	Dr. Suyash Bhardwaj	Gurukul Kangri Deemed to be university, Haridwar	
24 I	Dr. Sarita Dhaka	S.D. College, Mujaffarnagar	
25 I	Mr. Tushar goswami	Dr. APJAKIT, Tanakpur	
26 I	Ms. Usha	Dr. APJAKIT, Tanakpur	
	Mr. Shubham Dey	Dr. APJAKIT, Tanakpur	
1	Ms. Anushka Singh	Dr. APJAKIT, Tanakpur	
29	Ms. Esha Rawat	Dr. APJAKIT, Tanakpur	
30	Mr. Rahul Kandpal	Dr. APJAKIT, Tanakpur	
31	Mr. Dhananjay Sharma	Dr. APJAKIT, Tanakpur	
32 I	Mr. Vikram Nagarkoti	Dr. APJAKIT, Tanakpur	
33	Mr. Nitish Phulera	Dr. APJAKIT, Tanakpur	
34 I	Dr. Rahul Kshetri	Dr. APJAKIT, Tanakpur	
35 I	Dr. Madhu Thapliyal	Gov. PG College Raipur	
1	Ms. Tannu	COER, Roorkee	
	Ms. Priya	COER, Roorkee	
	Ms. Shagun Gupta	COER, Roorkee	
39 I	Prof. Ashish Thapliyal	Graphic Era, Dehradun	
1	Mr. Sachin Kumar	MIET, Meerut	
	- '	MIET, Meerut	
	Mr. Sagar Saini	MIET, Meerut	
43 1	Mr. Devansh Sharma	MIET, Meerut	
44 1	Mr. Manish Sharma	MIET, Meerut	
	Mr. Imtiyaz Ali	Rutag IIT Roorkee	





46	Mr Kshitij Jain	COER, Roorkee
47	Mr. Vijay Saini	Rutag IIT Roorkee
48	Pratap Mishra	SIT
49	Mr. Vishal Kashyap	Ideaforge
50	Mr. P.S. Sharma	DIT, Dehradun
51	Mr. Sudarshan Anand	COER, Roorkee
52	Mr. Roshan Jeena	COER, Roorkee
53	Mr. Abhijeet Pal	COER, Roorkee
54	Mr. Krishna Kumar Singh	COER, Roorkee
55	Mr. Ankesh Shekhar	Ideaforge
56	Mr. Pankaj	SEAD, Dehradun
57	Dr. Dheerendra Singh Gangwar	VMSB-UTU, Dehradun
58	Mr. Vibhu Tyagi	COER, Roorkee
59	Dr. Brijesh Prasad	Graphic Era University
60	Mr. Gagandeep	Graphic Era University
61	Mr. Nitin Verma	UBA-RCI-IITR
62	Mr. Abhishek Panwar	- OBA-ROI-IITR
63	Shubham Pal Srishti Mishra Mohit Umraiya Archi Gupta Rohini Srivastava Karan Maniyar Hemant Bidasaria Vaishali Dubey Sejal Shreya Mittal	UBA-IIT Roorkee





Annexure - II

mUur Hkkjr vfHk;ku unnat bharat abhiyan

TECH4Seva at Regional Level

Organized by

Regional Coordinating Institute (RCI), Unnat Bharat Abhiyan (UBA) INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY ROORKEE

Date & Time: July 30, 2022; 10:00 AM-5:00 PM Venue: Lecture Theatre, WRD&M Department

PROGRAM SCHEDULE Registration - (10:00 -10:45) Inaugural Session -(11:00-11:30) Technology Demonstration (11:30-13:30) 1. Prof. R. P. Saini, RUTAG, IIT Roorkee ☐ Aloe-Vera Processing Machine for Natural Cosmetic Multi Products ☐ Mechanized Roller for Namda (Felt) Making ☐ Efficient Pomegranate Seed Extraction Machine ☐ Development of Air-Cooled Based Vegetable Vending Cart ☐ Variable Speed Motorized Bageshwari Wool Charkha (Version-2) 2. Prof. Vinay Sharma, Dept. of Management Studies, IIT Roorkee ☐ Low-cost Energy Through Forest Bio-Residue 3. Dr. Swapan Suman, MIET, Meerut ☐ Hands-free Water Tap Mechanism □ Automatic Plant Irrigation System 4. Dr. Brijesh Prasad, Graphic Era University, Dehradun ☐ Waste Water Treatment Using Biomass Residue 5. Mr. Alap Mahar, DR. APJ Abdul Kalam Institute of Technology, Tanakpur ☐ Automatic Chaff Cuter Machine Agricultural Multipurpose Machine 6. Dr. Manuj Agarwal, MIT Moradabad ☐ Krishi Saarthi (Investigating Soil - Arduino Nano, NPK sensor) ☐ Krishi Saarthi (Fasal Suraksha) 7. Mr. Navneet Kumar □ Demonstration of Drone Technology Lunch (1:30 - 2:30 PM)

Presentation of Ideas/Technology (2:30-5:00 PM)





2:30 - 2:40 PM	Hands-free Water Tap Mechanism Dr. Swapan Suman, MIET, Meerut		
2:40 - 2:50 PM	Krishi Saarthi (Investigating Soil- Arduino Nano, NPK sensor)	Dr. Manuj Agarwal, MIT Moradabad	
2:50 - 3:00 PM	Automatic Plant Irrigation System	Dr. Swapan Suman, MIET, Meerut	
3:00 - 3:10 PM	Agricultural drone	Mr. Alap Mahar, DR. APJ Abdul Kalam Institute of Technology, Tanakpur	
3:10 - 3:20 PM	Krishi Saarthi (Fasal Suraksha)	Dr. Manuj Agarwal, MIT Moradabad	
3:20 - 3:30 PM	Automatic Chaff Cuter Machine	Mr. Alap Mahar, DR. APJ Abdul Kalam Institute of Technology, Tanakpur	
3:30 - 3:40 PM	Sustainable Agriculture System	Ms. Tannu, CoER, Roorkee	
3:40 - 3:50 PM	Mechanical Floor Cleaner Mr. Alap Mahar, DR. APJ Abdul Kalam Institute of Technology, Tanakpur		
3:50 - 4:00 PM	Agricultural Multipurpose Machine	Mr. Alap Mahar, DR. APJ Abdul Kalam Institute of Technology, Tanakpur	
4:00 - 4:10 PM	Low Propagator House	Mr. Animesh Raj (& group), CoER, Roorkee	
4:10 - 4:20 PM	Waste to Wealth - Vermicompost	Mr. Shubham Pal, PI - UBA Team Member, IIT Roorkee	
4:20 - 4:30 PM	Water Purifier	Mr. Shubham Pal, PI - UBA Team Member, IIT Roorkee	
4:30 - 4:40 PM	Fan with self-cleaning mechanism of blades and method thereof	Mr. Rajat Sharma, Graphic Era University, Dehradun	
4:40 - 5:00 PM	Group Discussion		
Tea			



Glimpses of "Tech4seva" Event





Registration of the Participants for the event



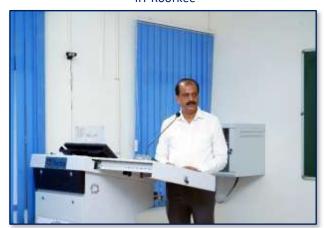
Lamp lighting during inaugural program



Mr. Shubham welcoming Prof. Parida, Dy. Director, IIT Roorkee



Mr. Hemant welcoming Prof. Akshay Dvivedi, Dean SRIC IIT Roorkee



Prof. M. Parida delivering the inaugural address



Prof. Akshay Dvivedi addressing the participants



Prof. Ashish Pandey addressing the participants



Prof. Vivay Sharma demonstrating the technology





Panel of Experts Visiting the Technology Demonstration Desk







Participants making a presentation on technology(s) during the event















Group photograph of the dignitaries & participants during the event





News Clipping

उन्नत भारत अभियान रीजनल कोऑडिनेटिंग इन्स्टीट्यूट आईआईटी रुड्की द्वारा आयोजित इवेंट के माध्यम से ग्रामीणों व किसानों के लिए उपयोगी सरल तकनीकी उपकरणों का





Regional Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan IIT Roorkee Organizes 'Tech4Seva' Event At Regional Level



Frei M. Faritz. Disputy Director, HT Radekie, addressed the Unaggind bereich of the program lie said that the madees working to be o directly Regenized of the ET Debricking



ting their services or c 455 attrapeed vel. The said that onder StA pengrain, now in efforts are brong to rooke the conse-ting or to brong to a voltagers

Bageshwai River, Ma



रुष्ट्रवर्दे में उन्नत भारत अधिकान क्षेत्रीय समन्वय संस्थान आईआईटी गड़की द्वारा आयोजित रीजन्ता टेक परि सेवा इसेट में परिश्वामी संस्थान क लाजी हारा ग्रामीमी और किसानी के लिए विकस्तित किए गए उपनीमी ग्रास्त उपचरण लोगों के आवर्षण का केन्द्र रहे। साथ ही नई तकनीकी से अन्तर लाग कमारे पर विरक्तर से बनकारी दी गई।

स्तान टेक्नोरचीची एक्शन पूप शर्द आईटी रूड़मी द्वारा विकसित मरानकारिक सच्ची रेड डी. उठ जो उत्पादन तकनीको पर मी दी जानकारी सिजयों को तरेकान रठाने की विधि मी बताई

रट्रेडियटेड चैतिएंट, एका कुल्य बेस्स वेजिटेबल दर्घ स्वाकिल, पुल-बार्ट, एमा कुल्ड बेस्ड बेजिटेबल बेडिंग पुश बार्ट जैसे उपकाप जहां एक राफ सब्जियों को साओं और दश तर रखने में चतायक हैं दशके ऑसंटक्त चीं, एपीजे अञ्चल बलाय इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी टक्कपुर के अओं निश्चेत चीचते, क्वतिक

निर्माण फुलेंग और गहुल क्षेत्री की टीम द्वारा विकासित मेकेनिकल फ्लॉर क्लोनिंग मधीन एवं एप्रीकल्चाल मर्शियापत महीन भी समीती-किसानों के लिए कामरे उपयोगी है। प्राप्तिक एए ग्रीम्स विकि देशराङ्ग के केन्द्रिकाल इंजीवियाँ र विकास के हाँ, जुलेश प्रसाद और उनकी टीम हार पहाड़ी पर सिद्धन जंगन हैं आह हने की घटनाओं को बाग करने और बीड के निर्दे हुए पनी से अधित जल शोधर की अपूरी तकरीक व बोदक्ट विकसित किया है। डॉ.

र्वकटबेटिश कार्यन को अपलिष्ट जा में 10 स्मिर वालकर रखने से यह जल की असुद्धियों को अधनोषित करके जल क्ये शुद्ध कर देशा है। अर्थ जार्रेटी रुड़कों में प्रक्त्यन आजनन निमान में प्रध्यागक थी. विकास सभी ने ली-कॉस्ट एनजी खू भाषी-टीजबुप के अंदर्गत चोड़ के धनों से जानी अन्यका नमारीक के आइडिया फोर्ज सम्पन्त से नजनीत बार ने किसानों न्द्र' उक्तरीकी की स्वार से जानकारी दी गई।

टेक फॉर सेवा में तकनीकी का प्रदर्शन

आईआईटी रुडकी की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

संबाद न्यूज एजेंसी

शहकी। आईआईटी सहकी की ओर से 'टेक फॉर सेख' इचेंट का आयोजन किया गया। इसमें पश्चिमी उत्तरप्रदेश व वलाखंड के संस्थानों की ओर से विकासित तकनीको च उपकरणी का प्रदर्शन किया गया। ये उपकरण काओं ने वन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गांची कर सर्वे करने के बाद विकरित विकास है।

उद्यादन साम में अवर्ड आईटी रूड़की के उपस्टिशक थ्रे. मनेरोडन परिदा ने कहा कि संस्थान उन्तत भारत अभियान और ग्रामीण कषि-मीमाम मेचा परियोजना के जीए सीचे प्रामीणी और किमानों से जुड़

आईआईटी के डीन प्रो. जसय दिवेदी ने बारा कि संस्थान आम आदमी भी जरूरती से जुड़े शोध व तकनीक में सार्थक उद्देश्य शासिल कर सकता है। हो. आसीम पांडेप ने बताया कि इवेंट में



रुड़की आईअर्ड्डरी में उपकरणों का प्रदर्शन करने शरू। नंतर

उत्कृष्ट तीन उपकरणी/सकतीक को चर्यानत करके उत्पत्त भारत अभियान नेशनल क्रोऑडिनेटिंग इंस्टीट्यूट दिल्ली को भेजा जाएगा, जिन्हें बाद में पूरे देश से घडनित 75 तकनीक के

कर्मोदियम में शमिल किया जाएता। इस दौरान बातानुकृतित सबतो रिटोफिटेड बेरिएंट, एपरकुल्ड **HAT** वेजिटेबल, ट्राई-माइकिल, पुरा कार्ट जैसे उपकरणों का प्रदर्शन किया गया।

सरल तकनीकी उपकरणों को किया विकसित

जगरम संसरका सदकी पारतीय प्रौद्योगियो संस्थान (आइआइटी) रुएको में टेक पता सेवा प्रवेट उत्ता धारा अधियन सर्वक्रम के अंतर्गत परिचमी जनर प्रदेश क इसरमबंद राज्य के संस्थानों की ओर से किसीसा समल तकनीकी एवं उपकरमें का प्रदर्शन किया गया।

बीरवार को संस्थान परिस्तर में उद्यटन सत्र को संबंधित करते हुए आहुआहुटी रुहुमी के उप निदेशक जो मानेरेजन परिच में कहा कि संस्थान अपना १७५वी स्थापन विस्ता मना रहा है। उन्नत फरत व्याध्यान व समीण कृषि-पौराम सेव परिवेजन जैसे बार्यक्रमों के जन्मि संस्थान समोजी व किसानी से सीमे पुढ़ का है। साथ ही तकनेक के माध्यम से उनके लोजन को सुगम क सरल सन्तरे में अपने पृथिक व सरल सन्तरे में अपने पृथिक निम्न सर है। संस्थान के ग्रीन सिक क्षे अध्यय विकेटी में बसाया कि आइआइटी सदुब्धे की और से शुक्र किय नवा कोमल झेलेक्ट एक ऐसे स्वोध है, जिसमें बोई वो सामान्य ज्योंका (अन्वेषक) अपने

अञ्चलक्ष्मी में उन्नत भारत अभिवान

कार्यक्रमके अंतर्गत हुआ आयोजन परिवर्षी उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड राज्य के संस्थानों किया प्रतिभाग

अभिवान के जरिये समीजों व क्रिसानों से सीधे जुड़ रहा है संस्थान

सकेनोपी विचार व डिजाइन व साथ अक्टबार्टर स्टब्से के विजयत प्रनोवेद्यान सेंटर से जुड़ सकता है। उन्तर भारत अधियन क्षेत्रीय स्थानस्य संस्थान ब्लाइआइटी सटको संप्रीय समन्त्रपथ प्रे. आशीष पटिय ने बताय कि इस कार्यक्रम में उत्तरहरू के 45 तथा परिचर्मा उत्तर प्रदेश के 40 ब्लाबार्य संस्थानी स्टेंशा 450 संस्थेच व ग्राम प्रधानी के माध्यम से लगभग 375 गोबी में दन्ता धारा अधियन कार्यक्रम के भोतनी विद्यार्थी स्वैत्तिएक सेवार्थ प्रदान कर की हैं। एकके अंतर्गत तकनेक को संघ एवं किसान के

जीवन सार में अविश्वत सुधार ला और उनके जीका को सरेल बनाने

के लिए मिलेर प्रथम जाने हैं। विभिन्न कानीकों का क्रिय **प्रता**न अपने ता ने प्रमान अहआइटे स्ट्बे के और विकरित जातनुकृतित सकते क्षेत्र -रेट्रीफटेड बेस्टिट, एक्ट कुल बेस्ड बेजियेन ट्राई-सहकित पुत-बार्ट, एपर कुल्ड बेस्ड बेनिटेबल विटिंग पूरा कोर्ट, पूर्णताय स्वध्यलित बारोपचर चल चसका, एलोकेत प्रोसेसिंग महीत परत कास्पेटिक पीतक्षा का प्राचीन किया गया मेक्रेनिकल पत्तीर क्लोनिंग महीर एवं एडोकल्फल मन्दी-परवत महोन, चोड् के पनों से अपहित्य जल गोधन को अनुहो तकनीक प प्रीहक्ट, एस्रीकल्परत द्वीन आदि की भी प्रदर्शित किया गया।

रुरिक्रम की और भी समर्थे पढ़े ww.jagran.com

📵 कार्यालय नगर विकास न्यास, भीलवाडा

इवेंट में ग्रामीणों के आकर्षण का केंद्र बनी वातानुकूलित सब्जी

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी टनकपुर के छात्रों ने विकसित की मैकेनिकल फ्लोर क्लीनिंग मशीन हो. थ्रुपा, ज. जान्युः सङ्क्षी बड़ी विशासः स्ट्रेसी द्वर विश्वासः करनुस्थितः सङ्क्षी बड़ी विशासः



विकासित रामीओं व किमानों के तिए प्राथमी बरल उपकरण तीर्ग

एका कुण्ड संग्रह पीतारेशन इसं-साहीकत पूल-कार्ट एका कुण्ड बेस्ट पीतरेशन वीर्डिय पूरा कार्ट की उपकार कार्टी क गएक सरिकारों को वाजी शा-भग गतुने में शहायब ्रिता पार्या व्यवस्था के तरण प्राथीलों को अन्य कर्त स्थितिकों क्राप्त करने में सक्षम

है। इसी प्रकार इसी गुप द्वार विकसित पूर्णगय स्वयस्ति। सारावरी गुल सम्बद्धा तथा एउनेका प्रोमीरिक समीन और कॉर्स्सिक वित्र वामीयों व विभागों के प्रोडकर्म भी डामीणी द्वारा उपयोगी करण रफस्य वर्षमें क्रीड-मीडा स्टॉडक्य गुरू करमें सक्तेय का क्रीज कर भी स्टाइट रफ्योगी है। इसमें स्टोडी एक्टाम हुए अर्थामांटी जीतिका दी एपीडी अनुस कसम

नुमन, एमआईटी मंत्र हात हेर्म प्रो करत रेग मतीत, हा ममुज अरुवाल, एमआईटी मृतराबार हाय कृषि मत्त्री कमल सुरक्षा तपकरण के ब जनकारी प्रशान की गई। भाग अभियान प्रतिकारी संस्थान आर्थअपूर्वी स्थानी से मुनीत दौन सरस्य शुभार पाल द्वारा व्यक्त प्यूरीकाचा अथा अपीतान्त स वर्गोक्रमांस्ट क्यानं की उत्तर तक्ष्मिक से अवस्था कराया तथा। करित्र और इंग्रेडिनर्शित सहकी से अन्तियेच राज व उत्तवी दीय हमा ले प्रोपेरेटर सात्रम रुख तान् व प्रशामे टीम झार सम्देनेकल पारीकानका विकास को जो वी









UNNAT BHARAT ABHIYAN INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY ROORKEE

PROGRESS REPORT

July-September 2022

UBA Coordinator's Name: Bhanu Prakash Vellanki

Email: bhanuprakashv@ce.iitr.ac.in

Phone Number: 01332-284832

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Beladi-Salhapur		
2	Chandpur-Horawala		
3	Chharba		Haridwar/Dehradun
4	Meerpur-Muwazarpur		
5	Puranpur		

List of Activities:

UBA activities at IIT Roorkee are student-driven. Around 180 students are actively involved in carrying out different initiatives in the five adopted villages. The following report contains the data of activities conducted in the adopted villages in August 2022.

ACTIVITY 1:

Name of Activity: Career Counselling Session (in village Beladi)

Need for the Activity: To help student discover more about the career options by organising career counselling sessions.

Description: Unnat Bharat Abhiyan conducted career counselling session at Beladi Government Secondary School on August 20, 2022 for classes 8th, 9th and 10th. The Career Counselling Initiative aims at making the students aware about the various options they have after pursuing their senior secondary education. The team made the class 10th students aware about different streams that can be taken by a student in class 11th as well as different career options related with each stream for further studies and jobs. They also told them about National level examinations like NTSE- its pattern, syllabus and benefits. For class 8th and 9th, we focused on different scholarship and entrance examinations like NTSE, NMMSS and JNVST. They also held a question and answer session for answering all queries. For further doubts or queries contact details of some members were shared. The class teacher and the principal further shared the presentations with students.

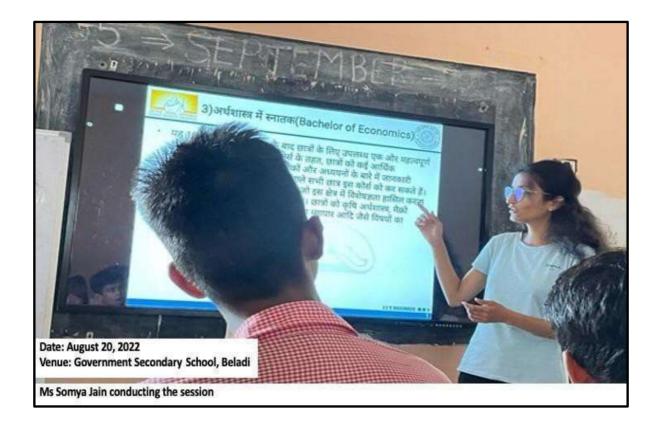
Autumn **2022** 201











ACTIVITY 2:

Name of Activity: Gram Sabha (in village Beladi)

Need for the Activity: To spread awareness amongst villagers about the ongoing initiatives of UBA and to get their view-point for the same.

Description: A session was conducted with Ms Neeraj Saini for smooth running of Self Help Groups (SHGs). The session was conducted to motivate the SHG members and to tell them about the Incense Stick Initiative. In the session, Ms Neeraj told the SHG women about the benefits and importance of being a part of SHG. She also made them realize their responsibility towards it. She even helped the women to complete their documentation work and motivated the SHG members to work more progressively and hold regular monthly meetings among themselves. At the end the SHG members were happy from this session and asked the team members to conduct sessions like these more often.











ACTIVITY 3:

Name of Activity: Gram Sabha (in village Beladi)

Need for the Activity: To aware villagers about the ongoing initiatives of UBA and to get viewpoint of them for the same.

Description: A proposal from NCI Delhi had come for conducting a *Gram Sabha*. It was decided to be conducted in Beladi Village. A visit was made a day before that is 14th August to tell the villagers about organizing a *Gram Sabha*. The team held a *Gram Sabha* in the village Beladi. The members went from house to house and gathered people for the *Sabha*. The Sabha was started by the members explaining the villagers about Unnat Bharat Abhiyan and its initiative. The *Sabha* further proceeded with the villagers discussing their issues. The team members motivated the villagers and urged them to actively participate in the initiatives conducted by them and also encouraged them towards conducting more such *Sabha's* by themselves.

Autumn **2022**











ACTIVITY 4:

Name of Activity: Book Distribution (in village Meerpur)

Need for the Activity: To promote knowledge and education and to inculcate curiosity among students.

Description: Unnat Bharat Abhiyan approached an Non-governmental organization (NGO) named International Institute Of SDGS And Public Policy Research (IISPPR), which works in Education Sector. The NGO is based in Saharanpur. The NGO had a Corporate Social Responsibility (CSR) of Byju's through which they decided to donate books to students of the village adopted by UBA, IIT Roorkee. A total of 45 books were distributed in the Lucky Junior High School of Meerpur to the students of classes 2nd. The books were on English and Mathematics subjects.

Autumn **2022** 204











ACTIVITY 5:

Name of Activity: RSETI Training Seminar (in village Puranpur)

Need for the Activity: To get an extensive idea about the problems faced by the villagers in order to find respective solutions.

Description: Unnat Bharat Abhiyan, Indian Institute of Technology, Roorkee had organized a training seminar for SHGs (Self Help Groups) on August 20, 2022 to provide them vocational training. It was an informative session for SHGs of Puranpur. It was done with the help of RSETI (Rural Self Employment Training Institute) officials who gave the information about different kinds of trainings to SHGs. The session saw participation of 60 active women with ample enthusiasm and commenced a seminar with inspiring comments. The session explained the training process for various skills, ranging from jute bag training to incense stick machine training. The session was concluded by giving vote of thanks to RSETI officials and motivation to participants to take trainings as much as they can to improve their livelihood and efficiency.











ACTIVITY 6:

Name of Activity: Survey regarding growing of aromatic plants for Center for Aromatic Plant Initiative (CAP) and Vermicompost bed (in village **Beladi**)

Need for the Activity: To get the names and details of farmers willing to setup a vermicompost bed or plant aromatic plants in their land.

Description: Center for Aromatic Plantation is an initiative by government in which farmers are promoted to plant aromatic plants in their lands for which seeds would be supplied by government and they also have a buy back policy. This helps the farmers not to worry about the sale of their crop and hence are beneficial for them too. Under vermicompost initiative, farmers are encouraged to setup a vermicompost bed in their land which can be easily set up using the cow dung and worms that Unnat Bharat Abhiyan helps them to purchase. The bed would then periodically give them compost which could be then used in farms and hence is very useful for farmers. Unnat Bharat Abhiyan, IIT Roorkee did a survey in the village to find out farmers for the same two initiatives. Farmers showed interest and were willing to do so. Some of them had some doubts which were cleared by UBA Team. The survey helped the team identify farmers for the two initiatives which could be later very beneficial to connect to them.

Autumn **2022**











ACTIVITY 7:

Name of Activity: Sanitary Pad Distribution Drive (in village Chandpur)

Need for the Activity: Get feedback over the Pad samples brought from RAG Innovations so that the appropriate dial is set for the Sanitary Pad Machine.

Description: Unnat Bharat Abhiyan, IIT Roorkee, during the visit to RAG Innovations for Sanitary Pad Machine Installation initiative, collected around 300 samples of pads of various kinds. This was done to conduct a sample survey and based on the results, the most appropriate pad would be chosen. This was necessary as the dial for the machine is set only once. There were 05 different types of samples. The samples were named- A, B, C, D, E and a set consisting sample of each type was made and distributed to volunteers. They were asked to use the samples and submit their response regarding the length, absorption capacity and overall quality of the pad samples. the volunteers were given about a month's time. Based on the feedback collected, the team came upon the conclusion that pad C was the best among the five of them. The team also received additional feedback regarding the sticker of each of them, which will be worked on during setting the dial in machine.





















ACTIVITY 8:

Name of Activity: Cattle Vaccination (in village Meerpur and Rithaura Grunt)

Need for the Activity: To explain villagers the different diseases that cattle can get affected by and vaccinate against them.

Description: According to the United Nations Food and Agriculture Organization (FAO), lumpy skin disease is highly lethal and contagious for cattle, hence appropriate vaccination is essential. Considering the concern of contagious 'Lumpy Skin Disease' among cattle over North India, Unnat Bharat Abhiyan IIT Roorkee successfully conducted a 'Cattle Vaccination' in the village of Meerpur and Rithaura Grunt. Cattles of the village had symptoms of the 'Lumpy Virus' disease, and some also showed signs of other conditions. The team and veterinary doctors went door to door for the vaccination and vaccinated 170 cattle in Meerpur. Dr Suman Saini, Government Veterinary Officer of Teliwala, in Meerpur and Retired Chief Veterinary Officer Dr Ram Kumar Khare in Rithaura Grunt explained different diseases to the villagers and suggested some medicines to combat them, which were made available by the team at Pradhan's house.



Autumn 2022











ACTIVITY 9:

Name of Activity: Science Experiment Workshop (in village Puranpur)

Need for the Activity: To introduce students to the actual Science, that includes practical demonstration to get them a feeling of importance of studying the subject.

Description: Unnat Bharat Abhiyan, Indian Institute of Technology, Roorkee had organized a Science Workshop on 04 September 2022 in Puranpur village among the students of class 8th to 10th. The interactive workshop included several small but interesting experiments being performed to get students indulge in the practical significance of science. The experiments included the operation of an electric circuit and a volcanic eruption with elephant toothpaste. Students volunteered to perform the experiments on their own after the team discussed the idea and carried out the experiments in front of them.











Autumn **2022**









PROGRESS REPORT

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1	Mehwar Kalan		
2	Mehwar Khurd		
3	Piran Kaliyar	Roorkee	Haridwar
4	Rehmatpur		
5	Belda		

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Students of Roorkee College of Engineering are teaching poor students in rural areas and in primary schools.

Need of the Activity: Some parents not having so much knowledge to guide their childrens and money to send their children in good private schools.

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any)): Picture





Next action plan:

Su No	
Sr. No.	Activity to be conducted (along with reason)
1	Organic farming activity will be start in some villages









UNNAT BHARAT ABHIYAN

COLLEGE OF ENGINEERING ROORKEE, ROORKEE

PROGRESS REPORT

Month- August, 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Amar Nath

Email: <u>amaranth@coer.ac.in</u>, nathamar016@gmail.com

Phone Number: 9411926159.6395645260

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	BADHERI RAJPUTANA		
2	BAJUHERI		
3	BARAHMPUR	Roorkee	Haridwar
4			
5			

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Name of Activity: HAR GHAR TIRANGA

Need of the Activity: To encourage the villagers to hoist the national flag of india at their homes with pride and to instill patriotism in the hearts of villagers.

Description in 200 words(along with the Pictures): Har Ghar Tiranga is a campaign under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsav to encourage people to bring the Tiranga at home and to hoist it to mark the 75th year of India's independence. Our relationship with the flag has always been more formal and institutional than personal. Bringing the flag home collectively as a nation in the 75th year of independence thus becomes symbolic of not only an act of personal connection to the Tiranga but also an embodiment of our commitment to nation-building. The idea behind the initiative is to invoke the feeling of patriotism in the hearts of the people and to promote awareness about the Indian National Flag. In view of this, College of Engineering Roorkee had organized an event 'Har Ghar Tiranga Abhiyan' in adopted villages under unnat bharat abhiyaan for the celebration of azaadi ka amrit Mahotsav on August 13, 2022 Saturday. The main objective of this event is to encourage the villagers to









hoist the national flag of india at their homes with pride and to instill patriotism in the hearts of villagers.

























Action plan for next month:









Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)
1	Awareness sessions on Women Health & Hygiene.

RANI BHAGYAVATI DEVI MAHILA MAHAVIDHYALYA, BIJNOR UTTAR PRADESH

PROGRESS REPORT

July, Aug & Sept. 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Parul Tyagi

Email: parultyagi100@gmail.com

Phone Number: 9837787953

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	RASEEDPUR GARHI		
2	RAMPUR BAKLI		
3	CHANDPUR FERU		BIJNOR
4	ETAVA		
5	BADSHAH PUR		

List of Activities:

ACTIVITY: Plantation Week

Name of Activity: Plantation week

Need of the Activity: Contributing in govt. plan to establish green and clean environment.

Description 200 words (along with the Pictures): under govt's. instruction a plantation week was celebrated in villages adopted by UBA cell Rani Bhagyawati Devi Mahila Mahavidyalaya Mrs. Deepa Convenor of UBA Dr. Neeru, Dr. Sharda Convenor of NSS with their team spread awareness about greenery. They planted eco-friendly plants in the campus along with the villages adopted by UBA RBD Mahila Mahavidyalaya.

On this occasion Dr. Parul Tyagi (Principal RBD) Appreciated Govt's. initiative and requested all the faulty members along with the students to contribute in making this earth pollution free and a place to live on. Dr Suresh and Dr. S Yadav From Vardhama Degree college also Presented on this occasion of plantation and they had high word for this generous activity.







Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)	
1	One day workshop on Menstruation hygiene	
2		
3		









INSTITUTE OF TECHNOLOGY GOPESHWAR (C-50743)

PROGRESS REPORT

July to September, 2022

UBA Coordinator's Name: DINESH KUMAR

Email: dinesh.kumar@itgopeshwar.ac.in

Phone Number: 7417876421

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	BANDWARA		
2	SIRON		CHAMOLI
3	KATHOOD	DASHOLI	
4	DEVALDHAR		
5			

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Although it is challenging to get to the adopted villages, students, faculty, and staff still went there to teach the local pupils the fundamentals of computer use and to notify the locals about government programmes that will help them

ACTIVITY 2:

Our institute is situated in the hilly area of Uttarakhand. The majority of the villages we adopt are between one and three kilometres away from the nearest road and are only accessible on foot. Students visited adopted villages to raise awareness of the various Government Scheme and provide digital education with the assistance of staff and faculty so that the villagers may get benefits directly from the government.

Sr. No.	Activity to be conducted (along with reason)
1	In order for the villagers to receive direct government benefits, faculty, staff, and volunteer students are planned to raise knowledge about computers and their fundamental uses in the coming months.
2	









UNNAT BHARAT ABHIYAN (2.0)

THDC Institute of Hydropower Engineering and Technology, Tehri, Uttarakhand-249124

PROGRESS REPORT

July-Sept 2022

UBA Coordinator's Name: Mandeep Guleria

Email: mandeep@thdcihet.ac.in

Phone Number: 8171644880

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Khemra		
2	Jakh		
3	Godmu-Jaspur	Chamba	Tehri Garhwal Uttarakhand-249124
4	Kutha		Ottalakilallu-243124
5	Painula		

List of Activities:

ACTIVITY 1: Azadi Ka Amrit Mahotsav



Name of Activity: Celebrations of 75 years of our independence.

Need of the Activity: To Commemorate the 75 years of Indian independence, Azadi ka Amrit Mahotsav event was celebrated on 15th August 2022 in institute campus and nearby adopted villages (under UBA 2.0)

To celebrate the Indian independence 75th anniversary, Gram Pradhan's of the nearby adopted villages was contacted and Independence Day celebrations was done on 15th august 2022. Also Villagers in their households hoisted national flag and captured selfie with the Tiranga. Apart from this, faculty members/staffs in the institute also celebrated the occasion with great zeal.

Prepared By:

Mandeep Guleria

UBA Coordinator (THDC-IHET, Uttrakhand-249124)

<u>Unnat Bharat Abhiyan</u> <u>Plan of Action at Gram Sabha Level for Participating Institutions (PIs)</u>

Reporting Period(Month & Year)	July August & September 2022
1 Name of the Dantisinating Institution (DI) and	AISUE Codo:
1. Name of the Participating Institution (PI) and A	AISHE Code:
Dr Manuj Kumar Agarwal	Alstie code.
2. Contact details- UBA Office	
Mobile number	8909288878
E-mail ID	manuj6july@gmail.com

3. Details of cluster/villages where UBA activity is being carried out

SN.	Villages	Block	District
1	Kuchawli	Kanth	Moradabad
2	Sadarpur	Kanth	Moradabad
3	Sonakpur	Kanth	Moradabad
4			
5			

4. Gram Sabha level activity and information

A: Program organised in Gram Sabha

SN.	Name of Activity	Date	Remark
1	Plantation on the occasion of "Van Mahotsav"	10 July 2022	

2	Entrepreneurship Development	18 th August 200	Villagers were guided how they can utilize their free time to make more earning
	Flag Distribution & Discussion about how they can improve their livelihood	15 August 2022	On the occasion of Independence day flags were distributed in thevillages
4	Dental Check-up Camp	23th September 2022	Camp Was held in MIT campus and villagers were special invitees for the camp.

B: Plan of action for village development (Gram Sabha)

SN.	Name of village	Major issues identified in village	Action plan
1	Kuchawli, Sadarpur,	Villagers are having enough time afte	r Suggested a business of Dona
	Sonakpur,	crops cutting but not have enough	making and Candle Making.
	Mohammadpur,	means of earning so that they can	It is our plan that we will guide the
	Karanpur	improve their lifestyle	villagers for making candles and
		, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	will try to sell on the occasion of
			Deepawali .

Photograp:-











MIET Kumaon, Haldwani [C-21279]

PROGRESS REPORT

July August September 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Kamal Singh Rawat

Email: kamal.rawat@mietkumaon.ac.in

Phone Number: 9639858711

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	Block	DISTRICT
1	Aan Singh Nawar	Haldwani	Nainital
2	Padampur Padaliya	Haldwani	
3	Jaipur Padaliya	Haldwani	
4	Jeetpur	Haldwani	
5	Kuriya Gaun	Haldwani	

ACTIVITY 1:

Name of Activity : Plantation on Harela

Need of the Activity : awareness about environment

Date : 16 July 2022

Activity Details:

Harela is celebrated in Uttarakhand region, it means 'day of green' and is celebrated in the month of Shravan. It is a festival of greenery, peace, prosperity and environmental conservation to worship Lord Shiva and Goddess Parvati. The seeds of five to seven types of crops maize, til (sesame), urad (black gram), mustard, oats— are sown in donas (bowl made of leaves) or ringalare (hill bamboo baskets) nine days before the festival. They are harvested on the ninth day and distributed to neighbors, friends and relatives. The flourish of the crops symbolizes prosperity









in the year ahead. This year Harela was celebrated on **16th July, Saturday** on this occasion MIET Kumaon Institute with ABVP and panchayat representatives celebrated & planted trees in as well as in nearby areas of Aan Singh Nawar. Saplings were planted under the Vriksha Mitra campaign run through the organization's SFD.

The overall motive of this program was to create awareness about environment wherein the advantages of planting trees and disadvantages of cutting down trees was discussed. Dr. B S Bisht (Director MIET Kumaon), Dr. Kamal Singh Rawat (UBA, Coordinator), Mr. Sooraj Ramola, Mr. Kamlesh Bhatt, Mrs. Rashmi Lamgariya, Mrs Isha Badalwal, Mr. Alok Tripathi, Mrs. Poonam, Mr. Shubham, staff, students and others were present during the plantation.









एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने किया पौधरोपण

हल्हानी। एमआईईटी कुमाऊं संस्थान में शुक्रवार को एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने हरेला पर्व पर पौधरोपण किया। संगठन के आयाम एसएफडी के माध्यम से संचालित वृक्ष मित्र अभियान के तहत संस्थान परिसर में पौधे लगाए गए। इस मौके पर डॉ. बीएस बिष्ट, सूरज रमोला, कमलेश भट्ट, रिष्म लमगड़िया, ईशा बदलवाल, आलोक त्रिपाठी, पूनम, शुभम सहित अन्य मौजूद रहे।









ACTIVITY 2:

Name of Activity : Stress Management

Need of the Activity : Long-term stress can damage your health, personal life and

contribute to farm accidents. Stress needs to be recognised,

understood and managed.

Date : 26th July 2022,

Activity Details:

The session on stress management was organized in the campus of MIET kumaon. The session was taken by Dr. A K Pratihar (Professor- Mechanical Engineer, GBPUAT, Pantnagar). Effect of stress on physical, mental and emotional life was discussed in the session. The session was followed by meditation and self-realization exercise.

In the session Dr. B.S. Bisht, MD MIET Kumaon, Dr. Kamal Rawat, UBA Coordinator, Mr. Kamal paldaiya (Gram Pradhan Jaipur Padaliya), Pramjeet Kaur (Gram Pradhan) Mr. B.D. Joshi (Villager), Mr. B.C. Joshi (Villager), students, staff and other were presented.













ACTIVITY 3:

Name of Activity : Health awareness program and fruits distributed to the

cancer patient at Susheela Tiwari Government Hospital

Need of the Activity : As part of Azadi Ka Amrit Mahotsav towards the

celebration of 75 years of independence

Date : 11 and 12 August 2022

Activity Details:

As part of Azadi Ka Amrit Mahotsav towards the celebration of 75 years of independence, MIET kumaon College of Nursing Haldwani, organized a patriotic poster and Rangoli competition, Health awareness program and fruits distributed to the cancer patient at Susheela Tiwari Government Hospital, Haldwani. A patriotic poster competition was organized on august 11, 2022, from 2.00 PM to 3.00 PM. A patriotic Rangoli competition was conducted on August 12, 2022, from 2.00 PM to 3.00 PM. Under Unnat bharat abhiyan health awareness program and fruits distributed to the cancer patient at Susheela Tiwari Government Hospital, Haldwani. The overall program was coordinated by Assistant Professor Mrs. Priyanka Joshi, Nursing Tutor Ms. Lalita Takuli, Ms. Sonal, Ms Neelam dev and Mrs. Rekha.











ACTIVITY 4:

Name of Activity : Independent Day

Need of the Activity : As part of Azadi Ka Amrit Mahotsav Independent Day

Date : 15th August 2022,

Activity Details:

☐ MIET Kumaon celebrated the 75th Independence Day on **Monday 15th August 2022** with great patriotic spirit and zeal. With the motive and intention to inculcate patriotism among the students.

- ☐ National flag distribution under Har Ghar Tiranga Abhiyan
- ☐ Participated in rally organized by Amar Ujala

















ACTIVITY 5:

Name of Activity : Meeting with SHGs for discussion on possible livelihood

opportunities

Need of the Activity : Promoting rural entrepreneurship using local resources,

local skills and local knowledge involving women

workforce

Date : 3rd September 2022,

Activity Details:

☐ The meeting was held in Padampur Padaliya village on the 26th august 2022. In the meeting Dr. Kamal Rawat, UBA Coordinator MIET Kumaon, women from various SHGs, VLF and Block office representatives were presented.

☐ Discussion on the problem facing in marketing, packaging and training on possible livelihood opportunities

☐ A training / workshop on mushroom farming required









- 1. Workshop on mushroom farming
- 2. Skill workshop for SHG
- 3. Awareness program on malnutrition in children

UBA Coordinators Name: Dr. Neelu Lodhiyal

Email:neelulodhiyal@gmail.com

Phone.No. 6395172331 / 9411538146

S.No.	Adopted Village	Block	District
1.	Basani	Haldwani	Nainital
2.	Matiyal	Dhari	
3.	Saur	Kotabagh	
4.	Sawalde	Ramnagar	
5.	Vijaypur	Haldwani	

List of Activities:

Activity-1

Title of Activity: Gram Sabha Meeting at village Basani.

Brief Description: Team of UBA KU, Nainital has celebrated the Independence day in Primary and Junior High School of village Basani with the theme 'Sikshit Bharat Unnat Bharat'. UBA team has distributed stationary and books to school children to inculcate the reading and writing habit in them.

UBA team has also organised a Gram Sabha at village. Gram Pradhan Mrs. Vimla Taragi and villagers has actively participated in Sabha. Team has discussed the various issues of village and initiatives which can be taken in near future to improve the condition of village.

Major issues identified in village:

☐ There is no proper road connectivity outside as well as inside the village
which is one of the predominant struggle of villagers on a daily basis.
$\hfill \Box$ Due to poor cellular or mobile network infrastructure, the villagers also fac
problems pertaining to no usage of internet.
☐ The villagers also face poor medical facilities in the village.

☐ There is presence of only primary school in the village. In order to pursue higher education, villagers have no alternative but to send their children in schools and colleges located far away from the village.



GLIMPSES OF ACTIVITIES AT VILLAGE BASANI

Activity-2

Title of Activity: Books and plants distribution at village Matiyal.

Brief Description: Unnat Bharat Abhiyan (UBA) team has visited village Matiyal. Team has interacted with the children of primary school and attended the cultural programs organized by them. All children actively participated in the program.

In the presence of Gram Pradhan Mrs. Saroj Arya, teachers and staff, UBA team has distributed books and stationary to inculcate reading and writing habits in children. Team has also distributed some medicinal and fruit plants to children and villagers.



GLIMPSES OF ACTIVITIES AT VILLAGE MATIYAL





SEOHARA DEGREE COLLEGE, SEOHARA (BIJNOR) 24676

PROGRESS REPORT

Month- July to September

UBA Coordinator's Name: Dr. Akhlesh Kumar Agrawal

Email: sscins786@gmail.com

Phone Number: 9219834047, 8755877739

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	GARHI		
2	SADAFAL		
3	SARKARI	DHAMPUR	BIJNOR
4	KURI		
_			
5	KRISHNA RAMPUR		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Name of Activity: WATER RESOURSE

Need of the Activity: To make the public aware about the resources of water.

Description in 200 words (along with the Pictures):

Today, most countries are placing unprecedented pressure on water resources. The global population is growing fast, and estimates show that with current practices, the world will face a 40% shortfall between forecast demand and available supply of water by 2030. Furthermore, chronic water scarcity, hydrological uncertainty, and extreme weather events (floods and droughts) are perceived as some of the biggest threats to global prosperity and stability. Acknowledgment of the role that water scarcity and drought are playing in aggravating fragility and conflict is increasing.

Feeding 10 billion people by 2050 will require a 50% increase in agricultural production, (which consumes 70% of the resource today), and a





15% increase in water withdrawals. Besides this increasing demand, the resource is already scarce in many parts of the world. Estimates indicate that over 40% of the world population live in water scarce areas, and approximately ¼ of world's GDP is exposed to this challenge. By 2040, an estimated one in four children will live in areas with extreme water shortages. Water security is a major – and often growing –challenge for many countries today.

Climate change will worsen the situation by altering hydrological cycles, making water more unpredictable and increasing the frequency and intensity of floods and droughts. The roughly 1 billion people living in monsoonal basins and the 500 million people living in deltas are especially vulnerable. Flood damages are estimated around \$120 billion per year (only from property damage), and droughts pose, among others, constraints to the rural poor, highly dependent on rainfall variability for subsistence.

The fragmentation of this resource also constrains water security. There are 276 transboundary basins, shared by 148 countries, which account for 60% of the global freshwater flow. Similarly, 300 aquifers systems are transboundary in nature, with 2.5 billion people worldwide are dependent on groundwater. The challenges of fragmentation are often replicated at the national scale, meaning cooperation is needed to achieve optimal water resources management and development solutions for all riparians. To deal with these complex and interlinked water challenges, countries will need to improve the way they manage their water resources and associated services.

To strengthen water security against this backdrop of increasing demand, water scarcity, growing uncertainty, greater extremes, and fragmentation challenges, clients will need to invest in institutional strengthening, information management, and (natural and man-made) infrastructure development. Institutional tools such as legal and regulatory frameworks, water pricing, and incentives are needed to better allocate, regulate, and conserve water resources. Information systems are needed for resource monitoring, decision making under uncertainty, systems analyses, and hydro-meteorological forecast and warning. Investments in innovative technologies for enhancing productivity, conserving and protecting resources, recycling storm water and wastewater, and developing nonconventional water sources should be explored in addition to seeking opportunities for enhanced water storage, including aguifer recharge and recovery. Ensuring the rapid dissemination and appropriate adaptation or application of these advances will be a key to strengthening global water security.





Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)	
1	Tree planting (Special contribution in balancing the environment)	
2	Homegrown Manure (Essential for healthy foods for Human and Animals)	









Graphic Era Deemed to be University, Dehradun

PROGRESS REPORT

July to September 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Sanjeev Kumar

Email: hod.civil@geu.ac.in

Phone Number: 7906256094

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Khata		
2	2 Khari		
3 Bullawala		Doiwala	Dehradun
4 Jhabrawala			
5	Dharmuchak		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Name of Activity: Meeting with Gram Pradhan and Members

Need of the Activity: Miscellaneous

Description in 200 words (along with the Pictures): Two meetings with Gram Pradhan and ward members of Adopted villages have been done. The main objective of the meeting was to finalize various activities to be plan in coming months. In addition to that some psychological counselling of youths has been done towards their future plan and awareness about ill effects of drugs.















Sr. No.	Activity to be conducted (along with reason)
1	Soil testing and crop recommendation along with awareness program for villagers about benefit of organic farming has been planned.
2	Carrier guidance for school students in adopted village.
3	Cleanliness drive in adopted village









INSTITUTE / ORGANIZATION NAME

PROGRESS REPORT

August, 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Bibhash Kumar

Email: bibhash.92@nituk.ac.in

Phone Number: 7500149697

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Janasu	Kot	Pauri Garhwal
2	Pharasu	Khirsu	Pauri Garhwal
3	Dungripanth	Khirsu	Pauri Garhwal
4	Kaliyasaud	Khirsu	Pauri Garhwal
5	Bagi	Devprayag	Tehri Garhwal

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Name of Activity: Visit to adopted village under Unnat Bharat Abhiyan to Celebrate "Har Ghar Tiranga" under Azadi Ka Amrit Mahotsav

Need of the Activity: To motivate the rural population to celebrate the event Har Ghar Tiranga under Azadi Ka Amrit Mahotsav and also to distribute the national flag to the individual household.

Description in 200 words (along with the Pictures): Attached in Annexure 1

ACTIVITY 2:

Name of Activity: Visit to government school of the adopted village Farashu, where a presentation regarding "Water Harvesting Methods and its Importance" has been delivered followed by some quiz completions and prize distribution.

Need of the Activity: To present the importance of water conservation and the different methods used for water harvesting amongst the school students.

Description in 200 words (along with the Pictures): Attached in Annexure 1

Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)	
1	Visited to the school, where information regarding some of the basic science experiments, hygiene and importance of library along with books will be	
	presented amongst the students.	









2	Visited to the school information about basic computer applications and use of computer and technology in day to day activities	
3	Ideas about rain water harvesting in water conservation will be presented amongs	t the
villagers		

Annexure 1

Activity 1: Visit to adopted village under Unnat Bharat Abhiyan to Celebrate "Har Ghar Tiranga" under Azadi Ka Amrit Mahotsav

UBA Cell of NIT Uttarakhand had visited the adopted village Kaliyasaud and Dungari Panth to Celebrate "Har Ghar Tirang campaign under Azadi Ka Amrit Mahotsav. In these villages national flag Tiranga were distributed at all the possible households. They were motivated to celebrate Har Ghar Tirang campaign. It is worth mentioning that after distributing the National flag, each citizen was made aware to dispose the damaged flag according to the National flag code maintaining due regard to its dignity after celebration of Independence Day on 15th August 2022.

Some of the photos taken during our recent visits

















Activity 2: Visit to government school of the adopted village Farashu, where a presentation regarding "Water Harvesting Methods and its Importance" has been delivered followed by some quiz completions and prize distribution.

A One-day Interaction session on Water harvesting methods and its importance in the life of residents of the village followed by quiz competition and prize distribution was organised by through offline mode. The aim of this Interaction program is to enhance the knowledge of the students about the current trends on which we can improve the village life of the residents in daily working style. In this regard Power Point Presentation was made available amongst the students for better understanding of the subject matter. After this session, we opened the session for the interaction between the students and some residents in the village who are called by the principal of the school. After that a quiz completion was organized for the students followed by prize distributions.















UNNAT BHARAT ABHIYAN INSTITUTE

AISHE CODE: C - 46966

DEWAN VS INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY, MEERUT

PROGRESS REPORT

JULY, AUGUST, SEPTEMBER 2022 (03 MONTHS QUARTERLY REPORT)

UBA Coordinator's Name: PRASHANT RAGHAV, MEENAKSHI SINGH

Email: prashant@dewaninstitutes.org, singh28.minakshi@gmail.com

Phone Number: 8476020835, 8218472711

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1	MOHIUDDINPUR (CT)		
2	MOHIUDDINPUR LALSANA		
3	TIKRI	MEERUT, RAJPURA, JANI KHURD	MEERUT
4	ITAYIRA		
5	AMINAGAR URF BHOORBARAL		

List of the Activities:

1	09 July 2022	Tikri	Organized a career counseling session for the students of village Tikri Meerut on July 9, 2022 at Panchyat Ghar to give a right direction to the students and enable them to take progressive decisions for choosing their career. Dr. KP Jayant HOD (CS), and Mr. Prashant Raghav, Ms. Minakshi Singh, Mr. Deepak Sharma.
2	17 July 2022	Lalsana	Organized a career counseling session for the students of village Tikri Meerut on July 9, 2022 at Panchyat Ghar to give a right direction to the students and enable them to take progressive decisions for choosing their career. Dr. KP Jayant HOD (CS), Ms. Minakshi Singh and Mr. Surya Lab technician.
3	15 Aug 2022	Lalsana & Itayira	Introduction of Har Ghar Takniki Shiksha Scheme of Dewan group under the occasion of Azadi ka amritmahotsav at the two villages with gram pradhan and other people of villages. Done by Ms. Meenakshi Singh & Mr. Prashant Raghav.
4	28 Sep 2022	Lalsana	A visit to the village Mohiuddinpur Lalsana was made in order to determine the best occupation for women in the village and set up the resource people and means accordingly. The leader of self help organisation was spoken to. Done by Ms. Meenakshi Singh & Mr. Manu Tyagi.

Need of the Activity:

The economically weaker section of students of village who want to pursue their higher studies and not getting any directions towards government scholarships.

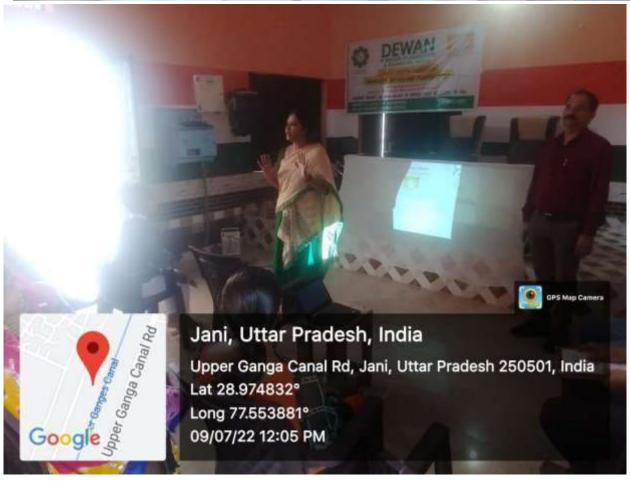
Next action plan:

Sr. No.	Activity to be conducted	
1	Planning for training and technical workshops of computer literacy and electronic hardware.	
2	Planning for khand preparation out of sugarcane juice.	
3	Planning for production of skin products by villages with the help of some outside agencies.	

Dr. Shilpi Bansal (Director, DVSIET)







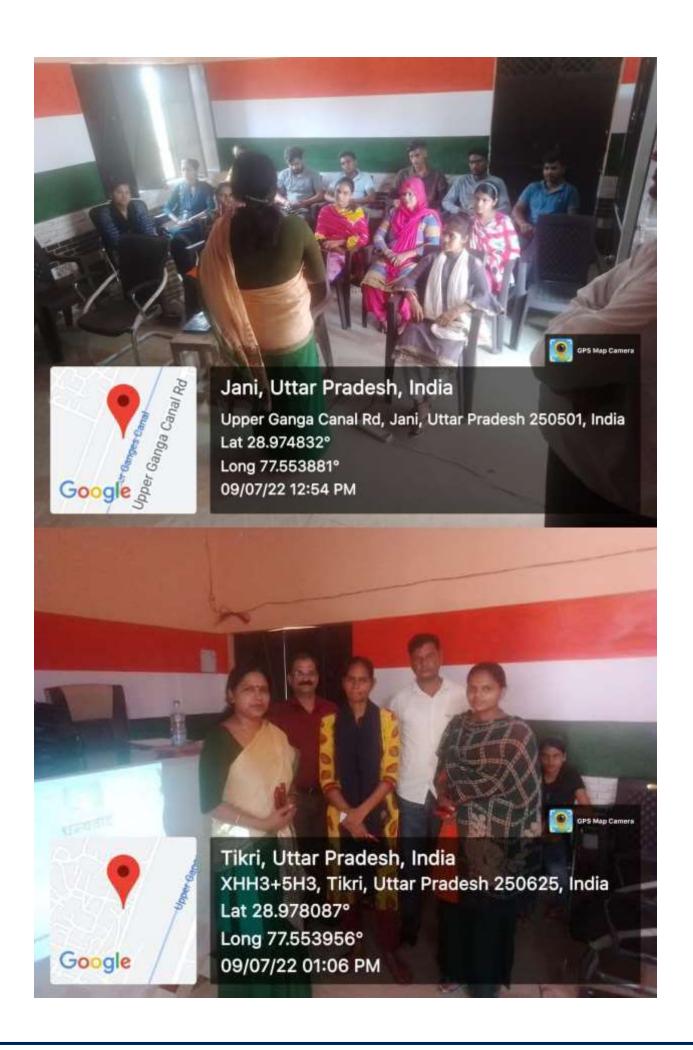
































































VMSB Uttarakhand Technical University, Dehradun

PROGRESS

JUL-SEP, 2022

UBA Coordinator's Name: Dr Dheerendra Singh Gangwar

Email: dsgangwar@gmail.com

Phone Number: 9319352461

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1	Shishamwara	Vikas Nagar	
2	Dhulkot	Sahaspur	
3	Chak Manshah	Sahaspur	Dehradun
4	Rudrapur	Sahaspur	
5	Bhopalpani	Raipur	

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Conduction of 5 Day Workshop on Commercial Production of Floor Cleaner/Disinfectant under UBA Project on Capacity Building, 4-8, Jul-2022.

Need of the Activity: Participatory Capacity Building

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture): A 5-Day workshop on Commercial Production of Floor Cleaner/Disinfectant under Unnat Bharat Abhiyan Project on Capacity Building was conducted from 4 July to 8 July, 2022. During this training program details related to Raw Material, Packaging, Marketing, and Financial Management of Business Activities were shared with the participants. Women from various Self Help Groups from Chakmanshah and Shishamwara Villages participated in this workshop. Mr. Rajesh Kumar from Multi Discplinary Training Center, Dehardun of Khandi and Village Industries Commission trained the participants as a resource person.





5-Day workshop on Commercial Production of Floor Cleaner/Disinfectant, 4-8, July-2022









Title of the Activity: Calibration of Azadi Ka Amrit Mahotasv and Inauguration of Three Community Enterprises and One Community Learning Centre

Need of the Activity: Capacity Building among Rural People.

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture): Unnat Bharat Abhiyan Cell of VMSB-UTU Dehradun helped rural women in establishing their own community enterprises. On 10-Aug-2022, UBA Cell of the University organised an Inaugural Ceremony for Three Community Enterprises and One Community Learning Centre in Shishamwara and Chakmanshah Villages. The chief guest of this program Padmabhushan Dr Anil Prakash Joshi emphasized on enhancing the livelihood opportunities using available local resources.

Women associated with these community enterprises were trained for making Agarbatti, Dhoopbatti, Disinfectant, Floor Cleaner, Detergent Powder, etc.

The Community Learning Centre established at Nageshwarnath Mandir in Shishamwara Village will help in Capacity Building among rural people to improve the overall quality of their lives.

During this Program UBA Coordinator, Dr D S Gangwar explained the importance of collective actions for community development. Dr Sandeep Singh Negi, Monika Gupta, Pooja Semwal actively participated In this program.



Hindustan Media Report, 11-Aug-2022











Invite for the program



Felicitation of the Chief Guest



Plantation on the Occasion of Azadi Ka Amrit Mahotsav











Azadi ka Amrit Mahotsav



Group Photograph



Self Help Group Members from Nari Shakti Community Enterprises









Title of the Activity: Workshop on Role of Community Enterprises in Socio-economic Wellbeing

Need of the Activity: Capacity Building among Community Members of adopted Villages.

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture): Unnat Bharat Abhiyan Cell of VMSB Uttarakhand Technical University Dehradun helped rural women in capacity building among rural women for establishing their own community enterprises. In continuation of it, a Workshop on Role of Community Enterprises in Socio-Economic Wellbeing was conducted in Shishamwara village on 19-September-2022. It was attended by the villagers from Shishamwara, Chakmansha, and Dhulkot Villages. This workshop was conducted in collaboration with Multi-Disciplinary Training Center, Dehradun of Khadi and Village Industry Commission.

During this workshop, participants were sensitized on Community Enterprises Management, Financial Inclusion, Digital Transformation, Prime Minister Employment Generation Program and Socio-Economic Wellbeing. While addressing the audience, Hon'ble Vice Chancellor Prof. Onkar Singh emphasized on mass production, quality control, technological interventions and financial self-reliance. He appreciated the efforts made by the villagers assured that the University will continue to support in their future endeavors.

The State Director of Khandi and Village Industries Commission, Mr. Ram Narayan highlighted the role of Prime Minister Employment Generation Program and Community Entrepreneurship in socio-economic wellbeing of rural communities. He appreciated the efforts of women for the formation of Self-Help Groups and Community Enterprises to ensure higher standards of living and motivated them to adopt professional practices to promote their undertaken business activities.

A progress report on Activities carried out under Unnat Bharat Abhiyan and Village Adoption Program was presented by the UBA Coordinator, Dr Dheerendra Singh Gangwar. During this program, faculty members Dr Sandeep Singh Negi, Ms. Monoka Gupta, Ms. Sangeeta Dhyani, and Pooja Semwal from the university also shared their views. The village pradhan of Chakmanshah village, Ms. Komal Devi explained the importance of Participatory Capacity Building and encouraged the women to increase their participation in community development activities. On this occasion, certificates for successful completion of the Workshop on Floor Cleaner making were provided to the participants.



Program Schedule



Address by Hon'ble Vice Chancellor Sir



Products of Community Enterprises



Group Photograph











Plantation of Saplings

आर्थिक उत्थान में उद्यमियों की भूमिका पर चर्चा की

सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

वीर माथो सिंह भण्डारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के उन्तत भारत अभियान प्रकोष्ठ द्वारा सिंधनीवाला में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य रूप से महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक उत्थान में सामुदायिक उद्यमियों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

सोमवार को आयोजित कार्यशाला में महिलाओं को उत्पादन, गुणवत्ता सुधार, विपणन, उपभोक्ता मनोविज्ञान, तकनीकी एवं वित्तीय प्रवन्धन से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। यूटीयू के कुलपित प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किये जा रहे उत्पाद

स्वरोजगार की तरफ प्रेरित करने वाला सराहनीय प्रयास है। सकारात्मक सोच के साथ महिलाओं के द्वारा किये जा रहे प्रयास में यूटीयू सदैव सहयोग के लिए तत्पर रहेगा। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में निश्चत रूप से सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों को निश्चित केन्द्रों यूटीयू के उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ ने आयोजित की कार्यशाला

के माध्यम से बेचने का प्रयास किया जाना चाहिए जिसमें विवि हरसम्भव सहयोग करेगा। राज्य निदेशक खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के राम नारायण ने महिलाओं द्वारा बनाई गई वस्तुओं के विपणन के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग की दुकानों का प्रयोग किये जाने का आश्वासन दिया। कार्यशाला में उन्नत भारत अभियान के समन्वयक डा.धीरेन्द्र गंगवार, संदीप सिंह नेगी, मोनिका गुप्ता, संगीता ध्यानी, पूजा सेमवाल, कोमल देवी, मधु गुप्ता, महावीर उनियाल, मुकेश गुप्ता आदि मौजुद थे।



कार्यशाला में विचार व्यक्त करते यूटीयू के कुलपति।

🖁 उत्तर भारत

महिलाओं के सामाजिक आर्थिक उत्थान पर डाला प्रकाश

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो uttarbharatlive.com

देहरादून। बीर माधी सिंह भण्डारी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ट के सौजान्य से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक उत्थान में सामदायिक उद्यमियों की भिमका पर प्रकाश डाला गया। उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा केन्द्रीय खादी एवं ग्रामोद्योग के सहयोग से शीशमबाड़ा एवं चकमनशाह गांव की महिलाओं को आत्मनिर्धर बनाने के उद्देश्य से सामदायिक उद्यमों की स्थापना की गई है। इस कार्यशाला में महिलाओं को उत्पादन, गुणवत्ता सुधार, विपणन, उपभोक्ता मनोविज्ञान, तकनीकी एवं वित्तीय प्रबन्धन से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ऑकार सिंह ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किये जा रहे उत्पादों से महिलाओं के सामाजिक, आर्थि कीमें सुधार हेतु स्वरोजगार की तरफ प्रेरित करने वाला सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा किस कारात्मक सीच के साथ महिलाओं के द्वारा किये

- भाषो सिंह भण्डारी विवि में कार्यशाला का आयोजन
-)> वितीय प्रबन्धन से संबंधित विषयों पर चर्चा

जा रहे इस तरह के प्रयास मेंउतराखण्ड पौद्योगिकी विश्वविद्यालय सहयोग हेतु तत्पर रहेगा। विशेषकर इलैक्टिक उत्पाद यधा-एलईडी बल्ब बनाना एवं इनकी मरम्मत करने तकनोकी विश्वविद्यालय अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। कार्यक्रम के अंत में कुलपति ने कहा कि ईमानदारी और लगनशीलता से आप कार्य करेंगे तो निश्चित रूपसे प्रयासों में सफलता मिलेगी। राज्य निदेशक खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग श्री राम नारायण ने महिलाओं द्वारा बनाई गई वस्तुओं के विपणन हेतु खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की दुकानों का प्रयोग किये जाने का आश्वासन दिया गया। अभियान के समन्वयक डॉ धीरेन्द्र ग ंगवार, संदीप सिंह नेगी,मोनिका गुप्ता, संगीता ध्यानी, पूजा, सेमवाल, कोमल देवी, महावीर उनियाल, मुकेश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

Media Report: Rashtriya Sahara and Uttar Bharat Live









Next action plan:

Sr. No.	Activity to be conducted (along with reason)		
1	Data Analysis and Report Preparation for UBA Project on Capacity Building.		
2	Interaction with the farmers to encourage them for adoption of Natural Farming and other innovations to improve their farm productivity and incomes.		
3	Formation of teams, SHGs, FPOs etc. to support villagers in their pursuit for better livelihood opportunities in association with National Rural Livelihood Mission (NRLM).		
4	Interventions to enhance connectivity of the villagers with Knowledge, Networks and Institutions.		
5	Sensitization workshops on Healthcare, Nutrition, Sanitation and Entrepreneurship.		









Dev

UNNAT BHARAT ABHIYAN

Dev SanskritiVishwavidyalaya Gayatrikunj-Shantikunj, Haridwar-249411

PROGRESS REPORT

JULY to SEPTEMBER, 2022

UBA Coordinator's Name: Dr. Ashwani Kumar

Email: ashwani.sharma@dsvv.ac.in

Phone Number: 9258369607

S.No	Name of Adopted Villages	Name of Blocks	District	State
1.	Udpalta¼mn~ikYVk½	Kalsi	Dehra	adun
2.	Rani Pokhari¼□□□□□□□½	Doiw	rala	Dehradun
3.	Itharna¼bBkjuk½	Doiwala		Uttrakhand
Dehradun				
4.	Rakhwal¼j[koky½	Doiwala		

5. Boodpur $\frac{1}{4}$ cwM+iqj tV $\frac{1}{2}$

and

Narsan

Haridwar

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Name of Activity: Plantation at Udplata, (Kalsi), Itharna (Doiwala) Dehradun on 21-8-

2022& 28-8-2022 respectively.

nourishment

Need of the Activity: Nature is God's most beautiful creation. It felicitates the growth, development

of

SanskritiVishwavidyalayaUnnatBhartAbhiyantook the initiative to encourage students to enhance their intellectual, social, personal and emotional growth. Under the UBA initiative, a "TREE PLANTATION DRIVE" was organized in the UdaplataRajkiyeUcchtarMadhyamicSchoolon Sunday, 21 August, 2022andon the hill top around the Gram Panchayat Building and Shiv Mandirin Itharna village on 28 August, 2022. The campaign's main aim was to direct student's mind in constructive activities with the positive outcome through the facilitation of contributing to the society. The students brought various saplings including Ashoka, Neem, Amla, Guava, Kadamb, Pipal,Kachnaar etc. The Villagers participated in the drive enthusiastically along with the students in the plantation activity which connected them with their peers, elders,

all

its

creatures.

community and environment.









Udpalta Village















Itharna (Gadool)















ACTIVITY 2:

Name of Activity: Problem identification through PRA Exercise (imitation)

Need of the Activity: To bring out major constraints/problems in the identified villages.

Description in 200 words (along with the Pictures):

An unstructured PRA exercise was initiated in three villages namely BoodapurJat, Itharna and Udpalta in the form of brain storming sessions to encourage village participants to speak out the problems faced by them. After listing the problems discussions were heled to narrow down the major issues/problems which need immediate redressal/solution.

Major problems of **BoodpurJat**(Narsan) village-

- 1) Adduction and Drugs Menace
- 2) Choked Drainage System, encroachment and silting of water bodies
- 3) Lack of guidance forself-employment of educated women and youth
- 4) Loss of value system and ethics among the youth
- 5) Acute need forplantation

Major problems of Itharna (Doiwala) village-









- 1) Accessibility of batter quality primary education facility
- 2) Women self-employment
- 3) Lack of access to computer education for girls
- 4) Lack of knowledge for value addition of local produce
- 5) Access to dependable health facility

Major problems of Udpalta (Kalsi) village-

- 1) Accessibility of batter quality primary education facility
- 2) Drinking water
- 3) Women self-employment
- 4) Lack of knowledge for value addition of local produce





















































ACTIVITY 3:

Name of Activity: Establishment of an operational station at Udpalta (Kalsi)

Need of the Activity: To strengthen the primary education and to impart training for

self- employment and value addition.

Description in 200 words (along with the Pictures):

Udpalta is located around 160 kilometre away from university headquarter at an altitude at above 5000 fit making it difficult to access on a routine basis for the developmental work. In order to implement the planed programmes effectively, the university has establish an operational station in a building (loaned by a villagers) in Udpalta village. The building has now been renovated by the University to









house its volunteers for who would undertake the developmental activities. The main aim of this establishment will be to provide a better quality primary education to children which will complement the existing primary education setup.

ACTIVITY 4:

Name of Activity: Participation in the Gram Sabha on 15 August, 2022.

Need of the Activity: To live in perfect harmony with natureand protect the environment.

Description in 200 words (along with the Pictures):

On the occasion of Azadi Ka Amrit Mahotsav, on August 15, 2022, in village BudpurJat, Narsan block, Haridwar the students and faculty of Dev SanskritiVishwavidyalaya, along with teachers and principal of Shiv Gyan Vidya Mandir, Rajesh Kumar, were also present. After the rally, sweets and other food items were distributed by the university to the school children on the occasion of Independence Day. After this, a Gram Sabha was organized where faculty members and students of the university participated. Detailed discussions were held by the attendees on various issues concerning development of the village. Issues like computer literacy, water conservation, health issues, etc. were discussed in the meeting. The inhabitant of the village will immensely benefit from suggested activities in future.























ACTIVITY 5:

Name of Activity: To establishment of Bal Sanskar Shala

Need of the Activity: To inculcate ethics and values in young children and help they develop

Mentally and physically

Description in 200 words (along with the Pictures):

Students have undertaken establishment of three 'Bal Sanskar Shalas' in the village Rakhwal (Doiwala), Dehradun for children aged between 6 to 13 yrs for Cultural & Values Development. This activity was taken up in three consecutive Sundays starting from 11th September. This an important activity that helps in bringing Awareness about spiritual glory of Indian Culture & inculcate divine qualities through that Improving physical, mental and spiritual wellbeing of future generation. This is achieved through learning human/moral values, ethics, spiritual practices through games and stories. Presently, five activities have been undertaken in all three Bal Sankar Shalas

Help children to complete their homework given in the school

Impart moral education through stories

Practice Yoga/Asanas/Pranayama

Sports and entertainment

Poem recitation

Action plan for next quarter:

Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)	
1	Preparation of action plan for each village	
2	Undertake activities as per the above plan	









Report on

Disaster Awareness Training Programme On A Primary /Secondary Education Interventions

Regional Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan IIT Roorkee Organized "Disaster Awareness Training Programme on A Primary/Secondary Education Interventions" event on January 28, 2023, at the Department of WaterResources Development and Management, IIT Roorkee. A "Disaster Awareness Training Programme on a Primary /Secondary Education Intervention" was held on 28th January 2023 at Lecture Hall, Department of Water Resources Development and Management, IIT Roorkee. The program was organized by Regional Coordinating Institute (RCI), Unnat Bharat Abhiyan (UBA), IIT Roorkee in collaboration with SAADRI- South Asia Alliance of Disaster Research Institutes, Centre of Excellence in Disaster Mitigation and Management, IIT Roorkee. The list of participants is enclosed as annexure –I. The event schedule is enclosed as annexure – II.

Themes of the Event: The program aims to increase disaster awareness among the school/college students/people of the South Asian region and thereby prepare the people to respond to disasters so that they can be a medium of change. The program aims to escalate the concept of "Know Disaster – No Disaster" by educating all on disaster awareness and knowledge.

Prof. Ashish Pandey, Coordinator, Unnat Bharat Abhiyan, Regional Coordinating Institute (RCI), Indian Institute of Technology Roorkee,

At the outset, he discussed in detail the importance of the training program. He also said that this program is being organized with the aim of making people aware of natural calamities and we work with the coordinators of the UBA Participating Institutes to increase disaster awareness among society.

Prof. Pandey elaborated on the RCI – UBA activities and said that 60+ participants from 34 institutions from UP West and Uttarakhand participated in the event under the regional coordinating institute, IIT Roorkee and South Asia Alliance of Disaster Research Institutes (SAADRI)









Inaugural Function

Prof. K. K. Pant, Director, IIT Roorkee, and Prof. Durgesh Pant, Director General, Uttarakhand Council of Science and Technology (UCOST) inaugurated the program. During his inaugural address, Prof. Durgesh Pant said that IIT Roorkee is celebrating its 175 years of existence, which is absolutely a temple of learning and has a very rich legacy in the field of education and learning. He appreciated the efforts of IIT Roorkee to organize the program Disaster Awareness. He also invited the participants to participate in the Rural Science Congress, scheduled to be held during 10-12 February 2023 at Dehradun.

Prof. K K Pant, Director, IIT Roorkee emphasized educating participating institutes under UBA about natural disasters like cloud bursting, forest fires, etc. He said that the National Education Policy (NEP) is also focused on practical knowledge rather than theoretical, which proves the importance of the type of training program. He added that such events could be helpful to fulfil the dreams of Ek Bharat Shreshtha Bharat.

At the outset, Prof. Ashish Pandey, Regional Coordinator, Regional Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan, IIT Roorkee discussed in detail the importance of the training program. He said that the program aims to increase disaster awareness among society through UBA Participating Institutes.

Prof. Sumit Sen, Coordinator, South Asia Alliance of Disaster Research Institutes (SAADRI), IIT Roorkee addressed the inaugural session and discuss the program on disaster awareness. The program was convened by UBA students Ms. Chanda Kumari and Ms. Debaleena Roy.

Dr. Pankaj Kumar and Vishwanandan Kumar Singh, Safety Officer, IIT Roorkee also demonstrated the two training modules sessions. In the end Dr. S. Srikrishnan's formal vote of thanks. The list of participants is enclosed as Annexure-I









Annexure-I

List of Participates

S. No.	Name of Participants	Name of the Institute	Email ID	Mobile No.
1	Mr. Devesh Kothari	HERDS, Chamba, Tehri Garhwal	herds.org@gmail.com	9412970443
2	Mr. Vijayeshwar Dangwal	SKJVS, Dunda, Uttarkashi	anildangwal.uk@gmail.com	7895037755
3	Dr. Ravish Joshi	KAGAS, Pithoragarh	kagas_in@yahoo.com	9412095649
4	Mr. Prakash Chandra Joshi	HOPE, Ranikhet, Almora	pcjoshi.hope@gmail.com	9412092942
5	Mr. Raghubir Kandwal	GRASS Rudraprayag	grass_rudraprayag@yahoo.co.in	9927869255
6	Mr. Harish Chandra Joshi	Hariyali Org. Kulsari Chamoli	hspjvs@gamil.com	9476911172
7	Mr. Ishwari Dutt Joshi	LPVS, Sunoli, Almora	joshi.ishwari@rediffmail.com	9412924528
8	Dr. Swapan Suman	MIET, Meerut	swapan.suman@miet.ac.in	7004667943
9	Mr. Sushil Kumar Sharam	MIET, Meerut	sushil.sharma@miet.ac.in	9911603679
10	Mr. Pankaj Ghildiyal	SEAD, Dehradun	sead.pkr@gmail.com	9412325403
11	Ms. Debaleena Roy	IIT Roorkee	debaleena.roy@sric.iitr.ac.in	8010844848
12	Ms. Chanda Kumari	IIT Roorkee	chanda_k@dm.iitr.ac.in	8434939202
13	Mr. Sandeep Kapil	GHSS Garhmeerpur	sandeepkapil1981@gamial.com	9720103002
14	Mr. Sandeep Yadav	GHSS Garhmeerpur	sandeepyadav12@gamil.com	9012385711
15	Dr. Suyash Bhardwaj	G.K. University, Haridwar	Suyash.bhardwaj@gmail.com	9719580167
16	Dr. Kamal Singh Rawat	MIET, Kumaon, Haldwani	kamal.rawat@mietkumaon.ac.in	9639858711
17	Mr. Himanshu Upadhyay	MIET, Kumaon, Haldwani	himanshut@mietkumaon.ac.in	9808077102
18	Mr. Ashish Dogra	ANUNAAD Public School	ashishdongra1990@gmail.com	7500037226
19	Ms. Riya	ANUNAAD Public School	criya8480@gmail.com	7668212288
20	Ms. Khushi	ANUNAAD Public School	khushikhushi61047@gmail.com	9761227936
21	Ms. Srishti Singh	ANUNAAD Public School	singhsrishti2@gmail.com	7906705271
22	Mr. Chirag Suman	ANUNAAD Public School	chillichirag@gmail.com	9411564629
23	Mr. P.S. Sharma	DIT University Dehradun	pss@dituniversity.edu.in	8267921752
24	Dr. Amar Nath	COER, Roorkee	nathamar016@gmail.com	9411926159
25	Mr. Subham Saini	Bhuamrit FPC Ltd.	sainisamrat97@gmail.com	6398618418
26	Mr. Arvind Kumar	Bhuamrit FPC Ltd.	arvindaini70782@gmail.com	9897686809
27	Mr. Bibhash Kumar	NIT UK	bibhash.92@nituk.ac.in	7500149697
28	Mr. Musharraf Ahmad	NIT UK	btzociv009@nituk.ac.in	7618559796
29	Mr. Mayanak Bhandari	NIT UK	btzociv001@nituk.ac.in	7088527224
30	Mr. Bal Krishna Teli	NIT UK	btzociv008@nituk.ac.in	8239560909
31	Dr. Naved Akhatar	S.D. College of Commerce	navedakhatar100@gmail.com	8937095019
32	Dr. Sachin Goal	S.D. College of Commerce	sdcomzn819@gmail.com	8937095013
33	Dr. Sangeeta Gupta	S.D. College of Commerce	drsangeeta.mzn@gmail.com	9897222887
34	Dr. Sandip Mittal	S.D. College of Commerce	drsandip12@gmail.com	8937095006
35	Ms. Nandini	S.D. College of Commerce	nandini25903@gmai.com	9897322701
36	Mr. Vishesh	S.D. College of Commerce	visheshrajwal@gmail.com	9760487739
37	Mr. Ankit Dhama	S.D. College of Commerce	handball.ankit1234@gmail.com	8077384116









38	Mr. Rahul Sharma	S.D. College of Commerce	sharma30061990@gmail.com	9149092682
39	Mr. Jai Prakash		jaiprakash9837594@gmail.com	9837594344
40	Mr. Satnindra Singh		Satnindrasingh1@gmail.com	6396600446
41	Mr. Manoj Kumar		kumarkashyap9761@gmail.com	8384863756
42	Mr. Ashutosh Mishra	CCS University, Meerut	ashutosh.iisr@gmail.com	9808621782
43	Dr. Nitin Kumar Agrawal	MIT, Moradabad	nitinkumarg@gmail.com	9837770535
44	Mr. Prashant Singh	MIT, Moradabad	prashantimsme@gmail.com	9457846572
45	Mr. Anand Kumar	IIT Roorkee	anandk1@iitr.gmail.com	8517073194
46	Mr. Shubham Kumar	IIT Roorkee	s_kumar5@me.iitr.ac.in	9568358753
47	Mr. Shiv Pratap Singh			
48	Mr. Ujjwal Sharma			
49	Mr. Udit Nimani			
50	Mr. Atul Kumar			
52	Mr. Kumar Abhinay			
53	Mr. Asesh Sarkar			
54	Mr. Nishant Saxena			
55	Ms. Radhika Agrawal	IIT Roorkee	r_agarwal@hs.iitr.ac.in	7983697634
56	Ms. Sejal Deo	IIT Roorkee		
57	Ms. Priyanka Singh	SCRIET CCS University Meerut	singhprii@gmail.com	9634956265
58	Mr. Chandan Singh Bora	HESCO		9997067673
59	Mr. Manish Rathor	HESCO		9760945933
60	Mr. D. K. Shriwastava	Govt.U.P.S. Garhmirpur		









UNNAT BHARAT ABHIYAN

Disaster Awareness Training Program on A Primary / Secondary Education Interventions

Date & Time: January 28, 2023, 11:00 AM to 4:00 PM Venue: Lecture Hall, WRD&M Department, IIT Roorkee

Organized by

Regional Coordinating Institute (RCI), Unnat Bharat Abhiyan (UBA) and
South Asia Alliance of Disaster Research Institutes (SAADRI) Indian Institute of Technology Roorkee

Introduction:-

The program aims to increase disaster awareness among the schoolchildren of the South Asian region and thereby prepare the children to respond to disasters so that they can be a medium of change. The project will escalate the concept of 'Know Disaster – No Disaster' by educating students with disaster awareness and knowledge so that children become the harbingers of change.

About SAADRI:-

The South Asia Alliance of Disaster Research Institutes (SAADRI) is a platform for alliance partners to seek collective contributions towards the regional need for disaster risk reduction and climate-change-induced risk resilience.

About SAADRI Young Professional Platform:-

The SAADRI Young Professional Platform is envisaged to play a profound role for SAADRI Young Professionals. The platform will facilitate the youth to lead new, innovative SAADRI activities to fulfil the vision and objectives set by the SAADRI Charter. 'Young Professionals' aspirations to be the agents of change by channeling their bright minds towards safe and resilient South Asia and global society. SAADRI YPP shall nurture these young minds in the right direction so that they can be proud ambassadors for SAADRI.

Need of the initiative:-

96.5% of the total disasters recorded globally in 2011 were from South Asia (SAARC Disaster Management Centre). The South Asian region is densely populated, and 7 out of 34 million students and adolescents are from South Asia (Global EFA Monitoring Report, 2015). These scenarios pose serious implications for such a highly populous South Asian region, where a large number of people are poor, marginalized and at risk.

Aim:-• Ensuring new generations of children in South Asia develop their capacities to respond and act appropriately when disaster hits, to enable them to safeguard their lives and contribute to ensuring the safety of others;









• Capacity development with respect to disaster management and emergency response by inhibiting disaster resilience from an early age among schoolchildren.

Capacity Development/Training of Trainers

- i) Training of Trainers: Training will be given to the trainers/ teachers in the form of a "Stakeholder workshop" to become aware of disaster preparedness and be motivated, gain confidence and feel like a productive part of the community. The trainers/teachers will be involved in children's Awareness generation activities with specific regionally suitable disaster management practices and guidelines along with resource materials. This will be a step towards the program by enhancing the knowledge base and strengthening their potential to cope with disasters.
- ii) Rapid Visual Surveys and Board Game: This method will keep the administration of the school up to date in terms of physical infrastructure and knowledge transfer procedure through action-oriented disaster awareness. Board Game of Disaster Management.

Programme Details:-

TIME	TOPIC RESOURCE PERSON		
11:00 - 11:05AM	Welcome address and About Unnat Bharat Abhiyan	Prof. Ashish Pandey, Coordinator, RCI-UBA, IIT Roorkee	
11:05 - 11:10 AM	About SAADRI	Prof. Sumit Sen, IIT Roorkee	
11:10 - 11:15 AM	About SAADRI-YPP and Introduction of the Program	Prof. S. Srikrishnan, IIT Roorkee	
11:15 - 11:25 AM	About Unnat Bharat Abhiyan	Prof. Vivek Kumar, National Co-coordinator, UBA, IIT Delhi	
11:25 - 11:35 AM	Guest of honor	Prof. Durgesh Pant, Director General, Uttarakhand State Council for Science And Technology, Dehradun	
11:35 - 11:50 AM	Director's Address	Prof. K. K. Pant, Director, IIT Roorkee	
11:50 - 11:55 AM	Vote of Thanks	Mr. Kumar Abhinay, SAADRI YPP	
11:55 - 12:00 PM	Group Photo		
12:00 - 01:00 PM	Training Module - 1	Dr. Pankaj Kumar, IIT Roorkee	
01:00 - 02:00 PM	Lunch at KIH, IITR		
02:00 - 03:00 PM	Training Module - 2	Mr. Vishwanandan Kumar Singh, Safety Officer IIT Roorkee	
03:00 - 03:30 PM	Group Discussion, Certificate Distribution & Concluding Session		
03:30 - 04:00 PM	Distribution of the Certification & Concluding Remarks		









Photo Gallery

"Disaster Awareness Training Programme on a Primary /Secondary Education Intervention"



Lamp-lighting by Prof. K K Pant, Director, IITR, Prof. Durgesh Pant, and Prof. Asnish Pandey in the inaugural function



Prof. Ashish Pandey Coordinator, RCI-UBA IITR welcoming the participants



Prof. Sumit Sen, Coordinator, (SAADRI) IITR, delivering inaugural address



Prof. Ashish Pandey Receviving Prof. Durgesh Pant, DG (UCOST)



Prof. Ashish Pandey welcoming Prof. K K Pant, Director, IITR



South Asia Alliance
SAADRI Young
INDIAN II

O
Disaster Aware
ary /Seconda

I - UB/ Cell - 01332

Prof. Durgesh Pant, DG (UCOST) delivering inaugural address











Prof. K K Pant, Director, IITR,) delivering inaugural address



Dr. S. Srikrishnan's formal vote of thanks



The participants attending the technical session



The participants attending the technical session



Prof. Ashish Pandey Coordinator, presenting the gift to Prof.

Durgesh Pant, DG (UCOST)



Prof. Ashish Pandey Coordinator, presenting the gift to Prof. Sumit Sen, Coordinator, (SAADRI) IITR



Dr. Pankaj Kumar, making the presentation during technical session



Mr. Vishwanandan Kumar Singh, making the presentation during technical session











Dr. Pankaj Kumar and Vishwanandan Kumar Singh, demonstrated on training



Dr. Pankaj Kumar and Vishwanandan Kumar Singh, demonstrated on training



Prof. Ashish Pandey , given certificate to the participant



Dr. Pankaj Kumar and Vishwanandan Kumar Singh, demonstrated on training



Prof. Ashish Pandey , given certificate to the participant



Group photograph of the dignitaries & participants









News Clipping

"Disaster Awareness Training Programme on a Primary /Secondary Education Intervention"

हिन्द्स्तान

देहरादून रविवार 🛮 २९ जनवरी २०२३



रुड़की आईआईटी में शनिवार को उन्नत भारत अभियान के तहत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि । 🍑 हिन्दुस्तान

आपदा रोकने के उपाय की जानकारी जरूरी

रुड़की, संवाददाता । आपदाओं को रोक पाना प्रत्यक्ष तौर पर हमारे हाथ में नहीं है लेकिन इनको रोकने के उपाय अपनाकर इनके दुष्प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आपदा को लेकर सतर्क और सजग रहना जरूरी है। इसके साथ आसपास के लोगों को भी सजग किया जाना चाहिए।

यह बात उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने आईआईटी रुड़की, डन्नत भारत अभियान और क्षेत्रीय समन्वय संस्थान के साउथ एशिया एलायंस ऑफ डिजास्टर रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से आपदा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही। आईआईटी में आयोजित कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में उन्होंने प्रतिभागियों को 10 से 12 फरवरी तक देहरादून में आयोजित होने वाली ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. केके पंत ने बादल फटने, जंगल में आग लगने सहित अन्य प्राकृतिक आपदाओं का उल्लेख कर इनसे बचाव के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम से जुड़े प्रतिभागी संस्थाओं को प्रशिक्षित होने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का

- आईआईटी में आपदा जागरुकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित
 ३४ अंग्रमार्थे से ०२
- 34 संस्थाओं से 92
 प्रतिभागियों ने लिया
 कार्यक्रम में हिस्सा

उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें किताबी ज्ञान से इतर प्रायोगिक जानकारी पर अधिक महत्व दिया

तीनों संस्थाओं के क्षेत्रीय समन्वयक प्रो. आशीष पांडेय ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। बताया कि प्रतिभागी संस्थान के समन्वयकों के जरिए प्राकृतिक आपदा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। साउथ एशिया एलायंस ऑफ डिजास्टर रिसर्च इंस्टीट्यूट, आईआईटी रुड़की के समन्वयक प्रो. सुमित सेन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। संचालन चंदा कुमारी और देबलीना रॉय ने किया। इस दौरान एस श्रीकृष्णन, दीपक रावत, पंकज कुमार, नितिन वर्मा आदि मौजूद। कार्यक्रम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड की 34 संस्थाओं से 92 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

जनादेश एक्सप्रेस

रविवार, 29 जनवरी 2023

आपदा जागरूकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जनादेश एक्सप्रेस/रुड्की ।
आई जाईटी रुड्की में आपदा
जागरुकता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण
कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें
बादल फटने, जंगल में आग लगने
सर्वित अन्य प्राकृतिक आपदाओं के
बचाव के बारे में जानकारी दो गयी।
कात भारत अभियान, बोजीय समन्वय
संस्थान, आईआईटी रुड्की द्वारा साठथ
एशिया एलायंस ऑफ डिजास्टर रिसर्च
इंस्टिट्यूट के सहयेग से एक दिवसीय
आपदा जागरुकता प्रशिक्षण कार्यक्रम
आयोजित किया गया।

आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रोफंसर के के पन्त ने बादल फटने, जंगल में आग लगने सहित अन्य प्रकृतिक आपदाओं के बाया के बारे में जानकारी दी। उत्तरखण्ड विज्ञान एवं प्रीडोगिकी परिषद के महानिदेशक प्रोफंसर दुर्गेश पन्त ने कहा कि आपदाओं को रोक पाना प्रत्यक्ष तीर पर हमारे तथ में नहीं है, परन्तु इनके शमन के उपायें से परिचित होकर इनके तुष्प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड राज्य के 34 संस्थाओं से 92 के आयोजन की उपयोगिता को प्रदर्शित करता है। ऐसे आयोजनों से मिलकर ही एक भारत श्रेष्ठ भारत का सपना



प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। उन्होंने प्रतिभागियों को आगामी 10 से 12 फ़रबरी तक देहरपून में आयोजित होने वाली ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस में भाग लेने के लिए आमंत्रित भी किया। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उक्षेत्र्य करते हुए कहा कि इसमें किताबी जान से इतर प्रायोगिक जानकारी पर अधिक महत्व दिया गया है, जो इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम साकार हो सकता है। इससे पहले जात भारत अभियान, क्षेत्रीय समान्यास संस्थान, आई आईटी रुड़की के क्षेत्रीय समान्ययक प्रोफेसर आशीष पाण्डेय ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रतिभागी संस्थान के समान्ययकों के जरिये प्राकृतिक आपदा के प्रति लोगों की जागरूक करने के प्रति लोगों की कार्यक्रम अग्वीवीजन किया जा रहा है।

fcUnkl vDI]:M+dh] jfookj] 23 tuojh 2023

आईआईटी रुड़की में आपदा जागरूकता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बिदास अवस संवाददार

आईआईटी रुडकी में आपदा जागरूकता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें बादल कटने,जंगल में आम लगने बहित अन्य प्राकृतिक आपदाओं के बचाव के बारे में जानकारी दी गई।

आपको बता दें कि उन्नत भारत अभियान,क्षेत्रीय समन्वय संस्थान आईआईटी रुडकी द्वारा साउथ एशिय रलायंस ऑफ डिजास्टर रिसर्च इस्टिट्यूट के सहयोग से एक दिवसीय आपदा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आईआईटी ने बादल फटने, जंगल में आग लगने सहित अन्य प्राकृतिक आपदाओं के बचाव के बारे में जानकारी दी। उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पन्त ने कहा कि आपटाओं को शेक पाना प्रत्यक्ष तौर पर हमारे हाथ में नहीं है, परन्तु इनके शमन के उपायों से परिचित होकर इनके दुष्पनाव को काफी हद क कम किया जा सकता है। कार्यक्रम



में पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड राज्य के 34 संख्याओं से 92 प्रतिमाधियों में की तमाम किया। उन्होंने प्रतिभाधियों में आगामी 10 से 12 फ्ल्यरी तक देहरादून में आयोजित होने वाली ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस में भाग सेने के लिए आर्मिज भी किया। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उत्त्लेख करते हुए कहा कि इसमें किताबी ज्ञान से इतर प्रायोगिक जानकारी पर अधिक महत्त्व दिया गया जा इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन की उपयोगिता को प्रदर्शित करता है। ऐसे आयोजनों से मिलकर ही एक भारत श्रेष्ठ भारत का संपना साकार हो सकता है। इससे पहले उन्नत भारत अभियान, क्षेत्रिय सम्बय्ध संस्थान, आईआईटी रुड़की के क्षेत्रीय समन्वयक प्रोफंसर आशीष पाण्डेय ने प्रक्रिशा कार्यक्रम की उपयोगिता के प्रकाश आतते हुए बताया कि प्रतिभागी संस्थान के समन्वयकों के जरिये प्राकृ कि आपदा के प्रदेश से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा सहा है।









laokn U;wt ,tsalh :M+dh] jfookj] 23

आपदाओं को रोकना संभव नहीं कम किए जा सकते हैं दुष्प्रभाव

संवाद न्यूज एजेंसी

रुड़की। आईआईटी रुड़की में साउथ एशिया एलायंस ऑफ डिजास्टर रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से एक दिवसीय आपदा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने कहा कि आपदाओं को रोक पाना हमारे हाथ में नहीं है लेकिन इनके दुष्प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. केके पंत ने बादल फटने, जंगल में आग लगने समेत अन्य प्राकृतिक आपदाओं का उल्लेख करते हुए इनसे बचाव के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम से जुड़े प्रतिभागी संस्थाओं को प्रशिक्षित होने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें आईआईटी रुडकी में आपदा जागरुकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

किताबी ज्ञान से इतर प्रायोगिक जानकारी पर अधिक महत्त्व दिया गया है। क्षेत्रीय समन्वयक प्रो. आशीय पांडेय ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि उदघाटन सत्र के बाद आईआईटी रुड़की के डॉ. पंकज कुमार और सुरक्षा अधिकारी विश्वनंदन कुमार सिंह द्वारा ट्रेनिंग मॉड्यूल का सत्र आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को साउथ एशिया एलायंस ऑफ डिजास्टर रिसर्च इंस्टीट्यूट आईआईटी रुड़की के समन्वयक प्रो. सुमित सेन ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन यूबीए कार्यक्रम से जुड़ी छात्राओं चंदा कुमारी और देवलीना रॉय ने किया। कार्यक्रम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 34 संस्थाओं से 92 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

:M+dh cæh fo'kky] :M+dh] jfookj] 23

आईआईटी रुड़की में हुआ आपदा जागरूकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

भारत अभियान, क्षेत्रीय समन्वय

रुडकी बद्री विशाल। उन्नत पन्त ने आईआईटी रुडकी की 175 वर्ष पुरानी समृद्ध परम्परा संस्थान आईआईटी रुड्की द्वारा का जिक्र करते हुए कहा कि साउथ एशिया एलायंस ऑफ आपदाओं को रोक पाना प्रत्यक्ष



डिजास्टर रिसर्च इंस्टिट्यूट, आईआईटी रुड्की के सहयोग से एक दिवसीय आपदा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र को उत्तराखण्ड विजान एवं पौद्योगिकी परिषद् के महानिदेशक प्रो. दुगेंश पन्त ने सम्बोधित किया। प्रो. करने के लिए उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम से जुड़े प्रतिभागी संस्थाओं को प्रशिक्षित होने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें किताबी ज्ञान से इतर प्रायोगिक जानकारी पर अधिक महत्त्व दिया गया है, जो इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन की उपयोगिता को प्रदर्शित करता है। ऐसे आयोजनों से मिलकर ही एक भारत श्रेष्ट भारत का सपना साकार हो सकता है। इससे पहले उन्नत भारत अधियान, क्षेत्रीय समन्वय संस्थान, आईआईटी रुड़की के क्षेत्रीय समन्वयक प्रो. आशीष पाण्डेय ने उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम

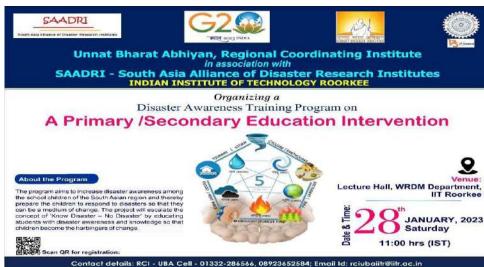
आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र के उपरान्त आईआईटी रुड़की के डॉ. पंकज कुमार तथा सुरक्षा अधिकारी विश्वनंदन कुमार सिंह द्वारा ट्रेनिंग मॉडयूल का सत्र आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम को साउथ एशिया एलायंस ऑफ डिजास्टर रिसर्च इस्टिट्यूट आईआईटी रुड्की के समन्वयक प्रो. सुमित सेन ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन यूबीए कार्यक्रम से जुड़ी छात्राएं चंदा कुमारी व देवलीना रॉय ने तथा घन्यवाद ज्ञापन साउथ एशिया एलायंस ऑफ डिजास्टर रिसर्च इस्टिट्यूट से एस. श्रीकृष्णन ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में दीपक

आपदा के प्रति लोगों को जागरूक रावत, पंकेज क्मार, नितिन उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम वर्मा का विशेष योगदान रहा। राज्य के 34 संस्थाओं से 92 उक्त कार्यक्रम में पश्चिमी प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

विशेष सचिव सुजेश चन्द्र नवानी ने भुगतान को लेकर मिल प्रबन्धन को लिखा पत्र

रुड़की बद्री विशाल। इकवालपुर सहकारी गन्ना विकास समिति रुड़की के विशेष सचिव सुजेश चन्द्र नवानी ने इकवालपुर मिल प्रवन्ध न को लिखे पत्र में बताया कि शुगर मिल पर वर्ष 2017-18 का साढ़े नो करोड़ व 2018-19 का 102 करोड़ के करीब बकाया चल रहा हैं। इस कार्योलय द्वारा कई बार पत्राचार किया गया, उसके उपरांत भी आपने भुगतान नहीं किया ओर न ही यह अवगत कराया कि उक्त दोनों पेगर्ड् सूत्र का चीनी का कितना स्टाक अवशेष हैं। उन्होंने मिल प्रबन्धन से अपेक्षा की कि एक सप्ताह के भीतर दोनों पेराई सत्रों का गन्ना भुगतान कराना सुनिश्चित करेंगें और इस सत्र का चीनी मिल में जो उत्पादन हो रहा है उसका रख-रखाव इस प्रकार से हो कि वर्ष 2022-23 का संपर्ण गन्ना मूल्य भुगतान पेराई सत्र समाप्त होने के उपरांत किया जा सके। ताकि कृषकों का भुगतान हो। यदि भविष्य में अन्यथा की स्थिति में किसान धरना-प्रदर्शन करें, तो उसकी जिम्मेदारी मिल प्रबन्धन की होगी और उक्त स्टाक का ब्यौरा भी कार्यालय को उपलब्ध करायें।













Report on "UNNATI"

(Unnat Bharat Abhiyan Networking for National Atmanirbhar Technological Intervention)

"UNNATI" (Unnat Bharat Abhiyan Networking for National Atmanirbhar Technological Intervention)

"UNNATI" Mahotsav & Expo is an initiative to display the knowledge-based solutions that resulted from continuous interactions among knowledge institutions through their students and faculty members and primary stakeholders through GramSabhas of respective villages to identify ground-level challenges and design their appropriate & sustainable solutions.

These technology and management-based solutions, which have evolved through a participatory approach & knowledge sharing, aim to ease the lives and improve the standard of living of a specific village. However, through this expo, we aim at a wider review of these solutions by academicians & researchers, and representatives of the community, and proliferation in other areas. We also aim to create an ecosystem for commercialization of these solutions through startups, CSR support, and the organization of entrepreneurs.

Inaugural session

The "UNNATI" Mahotsav & Expo commenced on 17th March 2023, 11.00 AM, with the inaugural function. Prof. V.K. Vijay, National Coordinator, Unnat Bharat Abhiyan, IIT Delhi explained about "UNNATI" Mahotsav & Expo. Prof. Sukumar Mishra, Associate Dean, R&D IIT Delhi, Welcomed the participants. Shri Harsh Chouhan, Chairman, National Commission for Scheduled Tribes, also addressed the participants.

Chief Guest Dr. Subhas Sarkar, Hon'ble Minister of State for Education, also addressed the participants. In his address, he emphasized that "How to proceed to empower villages through Unnat Bharat Abhiyan and urged all higher education institutions affiliated with the scheme to make villages living laboratories where many fundamental and research problems can be identified and solved.









Technical Session

RCI-UBA, IIT Roorkee technology on "Portable Manual Briquetting Machine for Converting Forest Bio Residue to Low-Cost Energy Briquettes" was selected for demonstration in "UNNATI" Mahotsav and Expo. The technology is very useful for Himalayan regions. Prof. Vinay Sharma, Department of Management Studies, IIT Roorkee, and his team have invented this machine. A manually operated, horizontally aligned, dual plunger-based briquetting machine is designed for pine needles. The machine works on the principle of Pascal's fundamentals and has two levers that provide the necessary displacement of a different scale to the hydraulic piston. A foot pedal is also attached with one of the levers to assist the dying pressure applied to the machine. Hopper is provided to feed the machine with crushed pine needles. The piston presses the pine needles against the metallic wall provided in the machine, and finally, the briquette comes out from the die with the help of an ejector. The machine can produce one briquette of 20-25 gm at a time, and takes 40-45 seconds to produce the same. The presented machine is less bulky and hence portable in nature. The machine is entirely manual and requires minimal running and installation costs. Such a machine is suitable for the production of briquettes at the local level. Thus, the fabricated machine can prove to be a better alternative to the existing machine setups that are bulky, runs on electricity, and requires heavy investments & amp; semi-skilled labor for their operation.

OUTCOMES OF THE WORKSHOP

"UNNATI MAHOTSAV" aims to implement a mechanism to ensure knowledge, technology, and information exchange among stakeholders. This platform will provide the following: -

- There are excellent opportunities for Participating Institutes under the scheme Unnat Bharat
 Abhiyan to display their innovations relevant to society and gradual movement towards
 holistic development of the chosen cluster using modern scientific and technological
 knowledge.
- 2. Ecosystem for commercialization of the identified solution through startups, CSR support & entrepreneurs.
- 3. Advanced technological solutions after thorough analysis by academicians, researchers, and community representatives.
- Excellent opportunities for Higher Educational Institutes of Unnat Bharat Abhiyan for gradual movement towards holistic development of the chosen cluster - using modern scientific and technological knowledge.









- Opportunities for networking of community, voluntary social organizations and NGOs working on the convergence of Science & Technology and social relevance as implementers of change in New India.
- 6. In the process, a bank of unaddressed technological needs of society will be created, which may become a dynamic source of live projects for the students, research scholars, and faculty in professional institutes. A compendium of 75 technologies has also been prepared, which may be fruitful for achieving the objective.









Photo Gallery



Lamp Lighting by the Chief guests in the inaugural function



Dignitaries on the dais



Prof. V.K. Vijay, Coordinator NCI-UBA IIT Delhi addressing the "UNNATI" Mahotsay & Expo



Mr. Harsh Chouhan, Chairman, National Commission for Scheduled Tribes. Addressing the participants



Prof. Sukumar Mishra, Asso. Dean, R&D IIT Delhi Welcoming the participants



Dr. Subhas Sarkar, Hon'ble Minister of State MoE, addressing the participants











Participants during Inaugural session



Mr. Gajendra Goswami Making a Presentation during technical session.



Team UBA IIT Roorkee and other participants



Demonstration of Machine in Stall



Group photo of all the participants and guests









ABOUT UNNAT BHARAT ABHIYAN

Unnat Bharat Abhiyan (UBA), a flagship program of the Ministry of Education, coordinated by IIT Delhi, envisions a transformation in the rural development processes by leveraging knowledge institutions to help build the architecture of an inclusive India. The idea is to enable the faculty and students of HEIs to work with the people of rural India in identifying development challenges and evolving appropriate solutions for accelerating the sustainable growth of villages. Presently Unnat Bharat Abhiyan has a vast network of 3471 Participating Institutes and ~17000 Villages. IIT Delhi coordinates as a National Coordinating Institute of UBA with the support of 45 Regional Coordinating Institutes (RCI) and 14 Subject Expert Groups (SEG).











UNNAT BHARAT ABHIYAN INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY ROORKEE

PROGRESS REPORT

January-March 2023

UBA Coordinator's Name: Dr. Bhanu Prakash Vellanki

Email: bhanuprakashv@ce.iitr.ac.in
Landline Number: 01332-284832

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1.	Beladi-Salhapur		
2.	Chharba/Gopalpur		
3.	Meerpur-Muwazarpur		Haridwar/Dehradun
4.	Puranpur		, Demadan
5.	Chandpur/Rithaura Grunt		

List of Activities:

UBA activities at IIT Roorkee are student-driven. Around 180 students are actively involved in carrying out different initiatives in the five adopted villages. The following report contains the data of activities conducted in the adopted villages in the months of January to March 2023.

ACTIVITY 1:

Name of Activity: JNV Registration and Book Distribution (in village Beladi)

Need for the Activity: For the betterment of the students living in Beladi village

Description: Jawahar Navodaya Vidyalayas are established in every district of India to provide better education to the gifted students of rural areas at free of cost. It is a boarding school having magnificent infrastructure and emphasize on sports, cultural, scouting and guiding activities along with study. Rural students are mostly unaware of the test conducted for getting admission to the School. Even if they know, they don't have proper resources to study for the same. Solving this problem, the team identified 11 students in Beladi-Salhapur for the test and helped them in filling their registration form along with providing them resource material to study for it.











ACTIVITY 2:

Name of Activity: Female Health camp (in village Puranpur)

Need for the Activity: To pay more attention to female health in villages

Description: The poor health of Indian women is a concern on both national and individual levels. It affects the children who will be India's next generation of citizens and workers. It reduces productivity at the household level and in the informal and formal economic sectors. Improving women's health is integral to social and economic development. Most rural areas suffer in terms of health due to a lack of proper medical facilities, awareness, and experienced doctors. Unnat Bharat Abhiyan, IIT Roorkee, took the initiative to improve the health condition of villagers in Puranpur by conducting a free female health camp for girls and women.











ACTIVITY 3:

Name of Activity: Installation of Vermicompost bed (in villages Beladi, Rithuara Grunt and Meerpur)

Need for the Activity: To reduce the use chemical fertilizers and minimize the harmful effects it has on soil and crops.

Description: Farmers widely utilize chemical fertilizers such as Urea, DAP which has been demonstrated in several studies to have harmful effects on crops intended for consumption.

Moreover, the continuous application of these fertilizers depletes the natural fertility of the agricultural land, rendering it reliant on chemicals. This practice not only deteriorates soil quality but also poses health risks to local villagers. To address this issue, a vermicompost bed was setup in Beladi-Salhapur as a solution.















ACTIVITY 4:

Name of Activity: Bio-enzyme Initiative (in village of Beladi)

Need for the Activity: After realizing that kitchen waste was being needlessly discarded despite its potential use for making cleaners and other useful products, the concept for this Initiative was born.

Description: On March 19, 2023, Bio-enzymes were set up in Beladi. The SHG women were gathered at Preetiji's house in the village of Beladi. The team had already talked about the benefits of bio-enzyme and its process in detail to motivate the SHG members of Beladi, and a workshop had been conducted in Puranpur, which a few members of Yamuna SHG attended. The team had also Briefed them beforehand to arrange for Jaggery and a container to store the bio-enzymes. The team arranged orange peels from the campus and got other requirements fulfilled by the SHG members. The team started the process as soon as all the raw materials were obtained. The team introduced them to Bio-enzymes and then the process of making them. The team initiated the process of making bio-enzyme in the container. Orange peels (2 kg) were mixed with jaggery (750 grams) and water (7 liters), and after mixing it well, the container was closed tightly. Then the team told them about precautions to take and further steps to be taken to complete the process. The team also informed them about the compositions and ratio of raw materials and told them to consult the team in case of any doubt.











ACTIVITY 5:

Name of Activity: Organic Holi Colours Stalls (in village Rithaura Grunt)

Need for the Activity: To help the SHGs in the village to get employment opportunities.

Description: An Organic Holi Colour Stall was set up by the UBA team of IIT Roorkee within the campus, in collaboration with self-help groups, that offered eco-friendly and skin-safe Holi colors made from natural ingredients like turmeric, beetroot, and spinach. The initiative has provided livelihood opportunities to the SHG women in the village. Volunteers assisted visitors in choosing colors, and the stall's vibrant setup attracted attention. The initiative promotes awareness about eco-friendly and sustainable practices and celebrates responsible living.



















UNNAT BHARAT ABHIYAN

MEERUT INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY, MEERUT[C-46414]

PROGRESS REPORT

Jan - March 2023

UBA Coordinator's Name: Dr. Swapan Suman

Email: swapan.suman@miet.ac.in

Phone Number: 7004667943

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Jamalpur Majra	Block JaniKhurd	
2	Dimoli	Block JaniKhurd	
3	Chhajupur/ Chhajmalpur	Block JaniKhurd	Meerut
4	Anjouli	Block JaniKhurd	
5	Gagol/Gagoul	Block/ Tehsil Meerut	

ACTIVITY 1:

Name of Activity: Visit 'आधारशिला लेब ' with school students of Jani Block

Need of the Activity: Through Adharshila Lab, a campaign to connect rural children as well as their parents and villagers with innovative technology and science.

Through Adharshila Lab, a campaign to connect rural children as well as their parents and villagers with innovative technology and science has been started in Meerut. Science taught from class 6th to 12th will be made practical and elders will be explained the importance of science and maths in every work of life.

Here children's are getting an opportunity to experience coding, artificial intelligence, robotics, drone technology, Newton's laws, concept of bullet train, rotation of planets and a tour of the universe through telescope. Solar system i.e. solar system, process of night and day, light, lens and sound in physics, from measuring temperature to concept of battery in chemistry, human body and cell in biology, abacus in mathematics, sensor in technology and personality and career development. Along with training in the direction, an opportunity will also be provided to meet the scientists of the country's top research institutes and ISRO.



































ACTIVITY 2:

Name of Activity: Exposure Visit-2 - To demonstrate discipline in SHG, role of SHG in improving life and livelihood

Need of the Activity: Target women beneficiaries (who are yet to form a SHG) are taken to an existing SHG with sound financial and social interventions which is linked to a federation. This is an introductory activity to activate, inactive SHGs.

Objective of the event:

- To acquaint the members of the SHG to functioning of an SHG and developing a vision around building our nation
- To make the participants enthusiastic on the forming a SHG
- Encouraging women organize themselves and cooperate to have better access to opportunities
- Giving women the opportunity to participate directly as full members of their organizations and take decisions for their development.
- Creating awareness so they can identify their needs and are able to get support from their organizations.
- Training them so they can improve their skills and abilities for managing their organizations.
- Making them aware about their rights.
- Educating them to the point of functional literacy.
- Encouraging them to improve their skills for developing their households.
- Making sure that they can be recognised and have equal status and value in decision-making for their households.





















ACTIVITY 3:

Name of Activity: Workshop on Problems and challenges faced by SHG Women's

Need of the Activity: SHG formation is a social mobilization process which enables the poor to build their own organization in which they participate freely, fully and directly and take decision on all issues concerning poverty eradication, employment creation and income generation.

Self Help Groups are instrumental for rural development but are facing numerous problems. These problems include marketing, finance, quality product, infrastructure and facilitator's support. Hence certain suggestions like provision of adequate and timely finance, sufficient Infrastructure, capacity building and skill up-gradation, creation of adequate marketing facilities, Effective supervision and monitoring of investment activities, strong political will and inspection. MIET continuously working with different SHGs in various sectors under Unnat Bharat Abhiyan.

- Problems of Marketing
- Problems of finance
- Problem of infrastructure
- Lack in training
- Problems relating to Product and Quality























ACTIVITY 4:

Name of Activity: Training Series part 2- Mushroom Cultivation training on-site (Final Cultivation)

Need of the Activity: Empowerment of Self Help Groups through Hands-on Trainings on Mushroom Production

Mushroom cultivation training program is continuously conducted by MIET Meerut under Unnat Bharat Abhiyan with a goal that the SHGs become an entrepreneur based on the acquired knowledge and skill.

The cultivation of oyster mushroom in the Meerut district is showing good progress and members of self-help groups (SHGs) are becoming self-reliant. Several women are also showing eagerness to learn mushroom cultivation as means of their livelihood.























Action plan for Upcoming months:

Sr. No.	Activity to be conducted	
1	Activity on Cycle driven atta chakki at Gagol Village	
2	Activity on Self Help Groups promotion and branding	
3	Activity of women empowerment	









VMSB Uttarakhand Technical University, Dehradun

PROGRESS REPORT

JAN-MAR, 2023

UBA Coordinator's Name: Dr. Dheerendra Singh Gangwar

Email: dsgangwar@gmail.com

Phone Number: 9319352461

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1	Shishamwara	Vikas Nagar	
2	Rudrapur	Vikas Nagar	
3	ChakManshah	Sahaspur	Dehradun
4	Dhulkot	Sahaspur	
5	Bhopalpani	Raipur	

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Interaction with the Villagers and FPO Volunteers from Rudrapur Village (11 Feb 2023)

Need of the Activity: Participatory Capacity Building and Rural Entrepreneurship

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture): A meeting with the villagers, Gram Pradhan and Volunteers from Society for Economic and Social Studies and Jai Shri Kisan Swayatta Sakarita Samooh was conducted in Rudrapur Village to establish a Rural Haat in the Village. This Rural Haat Project is funded by NABARD to help villagers in improving their Essential Selling Skills with the facilities like Covered Selling Area, Drinking Water, Warehousing Facilities, Waste Management, Washrooms for Men and Women, Autonomous Power Backup (Solar), and Food Processing and Packaging Unit.













ACTIVITY 2:

Title of the Activity: Visit o Community Learning Centre in Shishamwara Village (07 Feb 2023).

Need of the Activity: Participatory Capacity Building and Rural Entrepreneurship

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture): The Community Learning Centre in Shishamwara Village was visited by UBA Team from VMSB UTU Dehradun. Our team had an interaction with the Centre in Charge Shi Mahabir Uniyal. He informed about the activities carried out at this Community Learning Centre and how people are getting benefited out of the Wi-Fi and Library.

ACTIVITY 3:

Title of the Activity: Interaction with the Volunters of Sakshi SHG from Chakmanshah Village and discussion on All Women Rural Haat in their Village 04 Mar 2023).

Need of the Activity: Participatory Capacity Building and Rural Entrepreneurship

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture): A meeting with the volunteers of Sakshi SHG was conducted in the campus of Shivalik Engineering College. A presentation on DIDI HAAT: ALL WOMEN RURAL HAAT was given as a business plan for incubation. Sakshi Community Enterprise esytablished by Sakshi SHG is a business unit in Chakmanshah Village operating since 2017. Recently, this group has started business of Agarbatti, Detergent, and Floor Cleaner with the help of Unnat Bharat Abhiyan Cell of VMSB Uttarakhand Techical University, Dehradun.

A Business Plan for Incubation

or

"Didi Haat: All Women Rural Haat" in Chakmanshah Village

साक्षी सामुदायिक उद्यम

चकमनशाह, विकासखंड विकासनगर, जनपद देहरादून

Presented by:
Sakshi Self Help Group
Chakmansha, Dehradun, Uttarakhand









Next action plan:

Sr. No.	Activity to be conducted (along with reason)
1	Interaction with the farmers to encourage them for adoption of Natural Farming and other innovations to improve their incomes.
2	Formation of teams, SHGs, FPOs etc. to support villagers in their pursuit for over all development.
3	Interventions to improve Access to Technology, Knowledge and Financial Institutions and to help them in Capacity Building.
4	Establishment of DIDI HAAT in Chakmansha Village.









UNNAT BHARAT ABHIYAN INSTITUTE/ ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCE PROGRESS REPORT

MONTHS, OF JANUARY 2023 TO MARCH 2023

UBA Coordinator's Name: - **Dr. Santosh Kumar Email:**- <u>outreachcell@aiimsrishikesh.edu.in</u>

Phone Number: -9690462768

Sr.No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1	THANO	RAIPUR	DEHRADUN
2	RANIPOKHARI	DIOWALA	DEHRADUN
3	SHYAMPUR	DIOWALA	DEHRADUN
4	RAIWALA	DIOWALA	DEHRADUN
5	GANGA BHOGPUR	YAMKESHWAR	PAURI GARHWAL

List of Activities: -

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Online Telehealth Consultation in Village Ganga Bhogpur

Need of the Activity: Free Medical Health Camp in Adopted Village

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any)):

To promote health services in remote rural/slum areas of the adopted village through outreach telehealth Consultation to provide free medical health consultation to all people living in rural settlements of adopted village. So that the people there can take adequate care of themselves and their families. We are destined to provide medical service at doorstep at vulnerable areas through teleconsultation.

ACTIVITY 2:

Title of the Activity: Community Wellness Programme in village **Need of the Activity:** More Awareness Programme in Village Areas

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any)):

Community Wellness Programme Under Supervision of Nodal officer (UNNAT BHARAT ABHIYAN) a trained multideciplanry team is send to community to address the physical, mental & Social need of people at doorstep. After listening the is concerns & quarries effected people are encouraged and supported to Consult in family medicine OPD or Urban Health Center for specialist care.

Next Action Plan:

Sr.No.	Activity to be Conducted(along with reason)	
1	Awareness Programme will be placed in adopted village	
2	Online Telehealth Consultation in Adopted & other village's	
3	Doorstep care through mobile van any adopted villages	













Dr. Santosh Kumar Nodal Officer Unnat Bharat Abhiyan AIIMS, Rishikesh









GovindBallabh Institute of Engineering and Technology, PauriGarhwal

PROGRESS REPORT

January to March, 2023

UBA Coordinator's Name: Dr. Sunil Chamoli&Dr. Sachin Tejyan

Email: mech.chamoli@gmail.com

Phone Number:+91-9897870171

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Pawamalla		
2	Pawatalla		
3	Kotnalgaon	Pauri	PauriGarhwal
4	Lawali		
5	Paniya		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Name of Activity: Educational Related Awareness Program

Need of the Activity:To know about their talent through self-observation andhaving information about how they can choose their subject after class 10th and about government scholarships.

Descriptionin 200 words(along with the Pictures):

Under the Unnat Bharat Abhiyan, an education-related awareness program was organised at SaraswatiShishuMandir, Ghurdauri. College students of G.B. Pant Institute of Engineering and Technology, Ghurdauri gave various types of information about the extra curricular activities, introduced them about soft skills, told them how they can know their talent through self-observation or introspection and gave them information about how they can choose their subject after class 10th and government scholarships to help them financially in future.

















ACTIVITY 2:

Name of Activity: Awareness drive & Quiz Competition

Need of the Activity: To aware about the plenty of opportunities after 12^{th} .

Description in 200 words (along with the Pictures):

Under the Unnat Bharat Abhiyan,an education related program and Quiz competition was conducted in ATAL UTKRISHT GIC INTER COLLEGE, JAMLAKHAL,where the students of G.B.P.I.E.T gave various information to the students and also conducted quizzes that have highly enlightened them. It was a fun yet a creative way to attract the participation of the students. They made them aware about plenty of opportunities they are open to after 12th and about various scholarships which are available for them. The programme was ended by prize distribution to the winners of the quizzes.



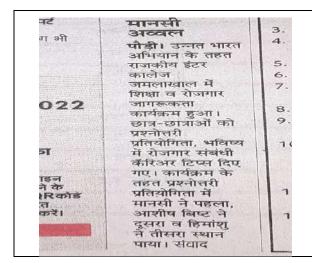














ACTIVITY 3:

Name of Activity: Survey in Adopted Village - Kotnal

Need of the Activity: 1. To find the number of beneficiaries of various government scheme and to find whether people are aware of these schemes or not.

2. To identify major problems of the villagers and collect that information, so that we can find an optimal solution for it in near future

Description in 200 words (along with the Pictures):

It is a chronical snapshot of the survey conducted by the students of GBPIET, Pauri-Garhwal, Uttarakhand under Unnat Bharat Abhiyan (UBA) of Kotnal village, Pauri-Garhwal dated on February 26,2023.

Major issues spotted

- 1. Kotnal village is surrounded by forest and there's a high risk of wild animal encounter with the villagers and their cattle.
- 2. There's no health facility located in the village premises.
- 3. Major problem spotted out is of road and transportation, as there's no road provided in the village so it brings difficulty for villagers.
- 4. Former Primary School building has been ruined, so primary school has been temporarily shifted to an old abandoned house.

















ACTIVITY 4:

Name of Activity: Survey in Adopted Village - Lawali

Need of the Activity: 1. To find the number of beneficiaries of various government scheme and to find whether people are aware of these schemes or not.

2. To identify major problems of the villagers and collect that information, so that we can find an optimal solution for it in near future

Description in 200 words (along with the Pictures):

It is a chronical snapshot of the survey conducted by the students of GBPIET, Pauri-Garhwal, Uttarakhand under Unnat Bharat Abhiyan (UBA) of Lawali village, Pauri-Garhwal dated on April 22,2023.

Major issues spotted

- 1. There's no health facility located in the village premises.
- 2. Many villagers are unemployed due to lack of opportunities.
- 3. Educational Board Changes from State Board to C.B.S.E so students are not having proper source of preparation for their board exams.























UNIVERSITY SOCIAL RESPONSIBILITY

IIMT UNIVERSITY (U-0889)

Progress Report

April-2023

UBA Coordinator's Name of the School/Department: Dr. Shubha Dwivedi

Email: shubha.dwivedi@iimtindia.net

Phone Number: 8218985675

Venue: IIMT University Ganganagar, Meerut.

S.No.	Adopted Villages	Block	District
1.	Kastala Shamshernagar	Rajpura	Meerut
2.	Bhavanpur	Rajpura	Meerut
3.	Datawali Gesupur	Rajpura	Meerut
4.	Pabla	Rajpura	Meerut
5.	Andawali	Rajpura	Meerut

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Village Sanitation Programme at Kastala Shamshernagar

Date and Time: 8/04/2023

Need of the Activity:

• To improving the quality of life of the rural people.

• To provide privacy and dignity to women.

- To create awareness among farmers about sanitation.
- To improve drinking water quality of rural peoples.
- To discuss and manage different health issues of rural peoples and society

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any):

Unnat Bharat Abhiyaan Programme was started by Government of India to develop villages. For improving the quality of life of the rural people, privacy and dignity to women, it is really helpful. It ensures to create awareness among farmers about sanitation and improvement of drinking water quality in rural peoples. This is really an urging demand of rural society in order to manage different health issues of rural society. Activity oraganised by School of Agricultural Sciences, IIMT, University, Meerut ensures to be helpful in enhancement of knowledge of rural society by applying different innovative ideas. The main purpose of organizing this activity is to create awareness among rural peoples and farmers about sanitation related with their domestic activities. This programme is also helpful to enrich rural India and regional agencies with access to the professional resources of IIMT, University Meerut by higher educationist, especially those that have acquired academic excellence in the field of science, engineering technology, and management.

• Outcome of the activity:

• Key Learning Outcome:

- Upgrading Farmers and rural Society knowledge
- ❖ Make Farmers familiar with different eco-friendly methods of water treatment.
- Enrichment of different innovative ideas to regarding sanitation issues and their management.

• Post Outcome:

• Interactive sessions among farmers and experts helped both in understanding the innovative methods regarding village development.

Photos of activity:











उन्नत भारत अभियान आई० आई० एम० टी० विश्वविद्यालय मेरठ

एवं कृषि संकाय, आई० आई० एम० टी० विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ग्रामीण स्वच्छता अभियान कस्तला शमशेर नगर, मेरठ

Date: 08th April 2023, Time:- 10:00 am Onwards Venue:- कस्तला शमशेर नगर, मेरठ

Dr. ShubhaDwivedi UBA Coordinator & Head Department of Biotechnology

Dr. Ashok Yadav Dean School of Agriculture Sciences

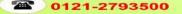


















Image: Village Sanitation Programme Participants (School of Agricultural Sciences)

Press Release if any: https://youtu.be/GEQon7iUs4I

ACTIVITY 2:

Title of the Activity: In-situ Workshop at Andavali village on "Role of Oraganic Farming in

Agriculture".

Date and Time: 15/04/2023

Need of the Activity:

To improving the quality of Agricultural Farming in rural societies

To make rural womens independent by adopting different agricultural start-up.

To create awareness among farmers about in situ farming systems.

To promote rural society for their betterment in increasing their economic status.

To discuss and manage different issues related to farming systems.

To suggest different remedial measures for production of healthy crops.

To provide sustainability by adopting organic methods of farming.

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any):

The Unnat Bharat Abhiyaan Programme was launched by the Indian government to develop

villages. It is very beneficial for enhancing the privacy and dignity of women as well as the

quality of life of rural residents. It makes sure that farmers are aware of the need of novel

methods of farming and the enhancement of crop production quality for society and wellbeing.

This is a particularly urgent need from rural community to know the eco-friendly practices of

farming. Through the use of many cutting-edge concepts, the activity planned by the School of

Agricultural Sciences at the IIMT University in Meerut promises to be beneficial in advancing

understanding of rural community. The major goal of this activity is to educate farmers and rural

residents about the importance of oraganic farming in relation to their daily household activities. This programme aids in enrichment of many new concepts of farming and development of in-situ

cultivation practices.

Outcome of the activity:

Key Learning Outcome:

❖ Farmers and rural Society awareness

340

- ❖ Make Farmers familiar with different eco-friendly methods of agricultural farming.
- Enrichment of different innovative ideas to regarding agriculture issues and their management.
- ❖ Advancement in farmers practices by adopting oraganic farming methods
- Upgrading rural economic status

Post Outcome:

 An Interactive workshop among farmers and experts promoted better understanding of sustainable farming methods regarding rural physical social and economic aspects development.

Photos of activity:









Image: In-situ Workshop at Andavali village on "Role of Oraganic Farming in Agriculture".









COLLEGE OF ENGINEERING AND RURAL TECHNOLOGY MEERUT

PROGRESS REPORT

January 2023 to March 2023

UBA Coordinator's Name: AJAY KUMAR YADAV

Email: ajay.ajaikr@gmail.com

Phone Number: 9312676152

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	PANCHLI KHURD	JANI	
2	JANI KHURD	JANI KHURD	
3	SOHARKA	JANI	MEERUT
4	KALANJARI	JANI	
5	MAHROLI	MEERUT	

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Name of Activity: To meet Gram Pradhan and villagers for awareness program

Need of the Activity: TO SAFE OF THE cold, water resources and others

Descriptionin 200 words(along with the Pictures):

ACTIVITY 2:

Name of Activity: Helth Camp to villagers

Need of the Activity: FOR VILLAGE HEALTH check up

Description in 200 words (along with the Pictures):

Action plan for next month:

Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)
1	
2	
3	























UNNAT BHARAT ABHIYAN RAJKIYA SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA MALDEVTA (RAIPUR) DEHRADUN UTTARAKHAND - 248008 PROGRESS REPORT

(January to March 2023)

UBA Coordinator's Name: Dr. Sunita Nautiyal

Email: drsunitanautiyal@gmail.com

Mob. No.: +918755133654

UBA Member's Name: Dr. Suman Singh Gusain, Mob.9528378282

Dr. Rekha Chamoli, Mob. 9411576387 Dr. Shruti Chaukiyal, Mob.8171037437

S.NO.	ADOPTED VILLAGE	TALUKA (BLOCK)	DISTRICT
1	Asthal		
2	Thewa Maldevta		
3	Sarketh	Raipur	Dehradun
4	Serki		
5	Kheri Mansingh		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Environmental Awareness Program

Need of the Activity: Social responsibility

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any)):

The Unnat Bharat Aviyan, Govt P.G.College Maldevta Raipur dehradun of conducted Environmental awareness program in Asthal Village panchayat Community Centre as part of their social responsibility on 07 January 2023. In which More than 30 women, men, Children and College students were participated.





संजय कुमार राजपूत उन्नत भारत अभियान के तत्वाधान में ग्राम सभा अस्थल में किया गया एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

देहरादून, रायपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता रायपुर में उन्नत भारत अभियान के तत्वाधान में ग्राम सभा अस्थल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्लास्टिक उन्मूलन एवं निस्तारण के विषय पर चर्चा रूम पर चर्चा की गई। जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में धाद स्मृति वन की सचिव श्रीमती नीना रावत मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रही जिन्होंने पर्यावरण में फैले पॉलिथीन, कचरा द्वारा ब्रिक निर्माण के बारे में विस्तृत जानकारी दी और ग्रामीण वासियों को इको ब्रिक का निर्माण करना भी सिखाया ।उन्होंने अपने व्याख्यान में ग्रामीण वासियों को बताया कि कैसे पर्यावरण में फैले कचरे का हम निस्तारण कर सके और उनके द्वारा ऐसे इको ब्रिक बनाकर अपने आसपास के जगह की सुंदरता को भी बड़ा सके जिसे पर्यटन की दृष्टि में गांव का सौंदरीकरण भी हो सके। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम सभा अस्थल की प्रधान श्रीमती आरती खन्ना द्वारा भी गावं के पर्यावरण संरक्षण में किए गए कार्यों की विवेचना की और उन्होंने बताया की इस ग्राम सभा में इको वारियर के साथ मिलकर, वह पर्यावरण संरक्षण का कार्य कर रहे हैं इसके पश्चात ग्राम वासियों द्वारा भी उन्नत भारत अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिलाया सभी ग्राम वासियों ने इस बात पर बल दिया कि ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर ग्राम वासियों व उच्च शिक्षण संस्थाओं के मध्य स्थापित किए जाने चाहिए। इस कार्यक्रम में संयुक्त रूप से ग्राम वासियों, छात्र- छात्राओं व महाविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ सुनीता नौटियाल ,डॉ रेखा चमोली, डॉ सुमन सिंह गुसाईं, डॉ श्रुति चौकियाल, श्री कविंद्र जोशी एवं ग्राम ग्रामीण वासियों में सविता नेगी, गीता कौशिक, अनीता देवी, उमा देवी इत्यादि उपस्थित रहे

अम वि प्रथा २०२३ को शाम सभा अस्वत में उन्नत सारत अभियान की प्रथा काम्याला का न्या उन्नत सारत अभियान किया अथा, कार्यक्रम में विषय दिन्तीय आयोजन किया अथा, कार्यक्रम में विषय ग्रामीग उपस्थित के समन्वयक डॉ॰ सुनीता मीरियाल न निवस निशेषन, ग्राम पदान का स्वागत किया उपने प्रमात उन्होंने कार्यक्रम की एप रेखा निस्तुत रूप से प्रमा नी विशेषका जीना एवत जी हारा पालीबीन के हमा इकी बिक का निर्माण युवं क्यरें हुक के संदर्भण कुलिए नाबूतर रुवं न्यारकीवारी नजीन में जिस्तान कि की कि कि प्रानकारी ही कि प्रानकारी ही कि प्रानकारी ही कि प्रानकारी हो कि प्रानकारी के किए हो प्रानकारी कि प्रानकारी हो कि प्रानकारी कि प्रानकारी हो कि प्रानकारी कि प्रानकारी कि प्रानकारी हो कि प्रानकारी कि प्रानकारी हो कि प्रानकारी हो कि प्रानकारी कि प्रानकारी हो है कि प्रानकारी हो है कि प्रानकारी हो है कि वनान किमा जा सकता है इस नोर में जानकारी भिष्य विशेषन एवं उन्तर् आरत अभिशान की मक्सों एवं ग्रामीन महिलाओं का उत्तभार व्यंक्त किया वार्यक्रम के। समापन उन्नत आरत आका मान के सक्त्ये डा समन शुकाई ने हान्यवाद क्लोमित कर्क तत्वनात समस्त गामीको रुव दान्न-GEN पान किया. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय AN EGIST OF मालदेवता रायपुर, देहरादून

-3-	नत आरत आंश्रेयान
	The State - Panion
Anna Maka di	19-115 - 07 -01- 2023 Z
न्यामक नाम	EKHIBAZ 1940 - 0.1 -01 2000
a el	Sonah
न बाला राजा	TEIR
्र वाला राजी उपिता जेगी	रवित्रा उ
4. लिस्मी देवी	वर्दमी
5 Puppy Ramat	Restor Rowert
6. more 1 901	अनिल इसी
7. Mamoa Rawat	Manufer Rawat
8. उमा देनी	उमा हैसी
9. Shunga Shawe	a shunger
10. Kalfara Manual	Trollians_
11. de kajal Parasar	Katal
2 kaveta kuna	Kavela.
13 Panutrach	manyrett.
14. Elman Nivala	Costano
15 4477 2169	Nace -
(1) औ चर्च	DHARTI
	Anelo
	1 PREKA
Nikhel hish	Jushba ?
(20) Khushban Thata	Funta
	Patricia de la constantina della constantina del
de Shasank Yadow	
Handan Gauriya	
Auto Pausat	
Shalin Jayal	interter
E Robert To	10/12/22
ह्या रारवी	पारवी देवी
® जाशदेशा	7)18201
छ जारा की विश्व श्री भीता की विश्व	भीता अधिक
Adver	Antre

ACTIVITY 2:

Title of the Activity: To Promote Women and Children Health and Education Awareness Programm

Need of the Activity: Social Mobilization

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any):

The Unnat Bharat Aviyan, Govt P.G.College Maldevta Raipur dehradun of conducted the Women and Children health and Education awareness program in Asthal Village panchayat Community center as part of their social Mobilization on 14 March 2023.



उल्लंग भारत उर्राभमान भिया व प्रमुक्ट म जाने का वा की मान - 101-03-2003 ज्ञान विमोक - १४ ० ३-४०३ को विसेश नरका के स्थान के स्वार के स्थान के स्वार के स्थान के स्वार के स्थान के स्वार मामवास्ता ना आसामा निका गामा स्य कार्यस्था में साम स्था स्थान एवं सहत में उन्त भारत मार्थमान के अन्तमत स्वास्था, प्रमानरहा रार्थमा भिष्मा अवंभी ज्यामहम्ता नामसूम निसे अस्मीन जामे, जिसमें स्थानति की होत्री विश्वास्त्र में मामीवीं की स्वास्त्र शिक्षा को जोत्साहित किया गया, समाजवित्री ताला। रेड में लोगों को अदित किया के किया हुए हम आक्रिक रहकर जावन समाज क्तीबन व दासिवार को सुकी व समिड - sale sied रारकारी माजनाओं के बार में देशकीय माहेलाआ क योजनाओं का लांका स्टब्स् को लेना नाहिस एन्स आरत आंभामान केरे दार्मातक डॉल्स्स्मीता न्सारियाह्य ने कहा कि असर की वास्तावन राष्ट्रीय न मुमीरी संभव है जाव मामीय कारह छि।सत व अध्यक्त रहर वर की जाती है उन मोलनाय ग्राम

राजकीय स्थातकोत्तर महाराजका मालदेवता रायपुर, देख्यान 3-16-27:-







Dr. A.P.J Abdul Kalam Institute

of Technology, Tanakpur

PROGRESSREPORT

Jan 2023 to Mar 2023

UBA Coordinator's Name: Mr Alap Mahar

Email:alapmahar@gmail.com

Phone Number: 9411313038

	Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA(Block)	DISTRICT
1		Tallicheeni		
2		Mallicheeni		
3		Cheenigoth	Poornagiri	Champawat
4		Gyankhera		
5		Nayakgoth		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Title of the Activity: Teaching life lesson or "Adulting "classes

Need of the Activity: To prepare students/people with valuable life skills.

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if

any)): To prepare students and villagers with valuable

life skills like budgeting , cooking , basic home

repair, or filling taxes etc . Learing time-management

skills .Mastering skills like basic auto repair or home maintenance will help to become more independent.

ACTIVITY 2:

Title of the Activity: Compost Making

Need of the Activity: To encourage youth and villagers to organic fertilizer instead of chemical

Brief Description (Need/Impact/Action/Picture (if any):

Next action plan: Motive of this activity is to use organic fertilizer instead of chemical fertilizer. It built healthier soil ,prevent soil erosion ,conserve water and improve plant growth in our garden and field .

Sr. No.	Activity to be conducted(along with reason)
1 1	Sport activities to be conducted in collaboration with villagers to encourage them and enhance the competitive nature .









Graphic Era Deemed to be University, Dehradun

PROGRESS REPORT

January to March 2023

UBA Coordinator's Name: Dr. Sanjeev Kumar

Email: hod.civil@geu.ac.in

Phone Number: 7906256094

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA	DISTRICT
1	Khata		
2	Khari		
3	Bullawala	Doiwala	Dehradun
4	Jhabrawala		
5	Dharmuchak		

List of Activities:

ACTIVITY 1:

Name of Activity: National Conference on "Advances in Water Resources Management and Environment Research"

Need of the Activity: Awareness of water management and Environmental protection

Description in 200 words (along with the Pictures): A Two Day National Conference on "Advances in Water Resources Management and Environment Research" was held on 24th and 25th March 2023 in GEU. The two-day event was inaugurated by the esteemed Dr. Sanjay Jain, Scientist G at the National Institute of Hydrology (NIH), Roorkee. The conference has attracted experts and researchers from across the country to discuss the latest advancements and challenges in water resources management and environmental research.

Dr. Sanjay Jain, who has an illustrious career in hydrology and water resources management, emphasized the importance of collaboration between academia, industry, and government in addressing the critical challenges of water scarcity and environmental degradation. He also highlighted the need for a holistic approach to water management, considering the various factors that impact water availability, quality, and distribution.

This Conference was attended by around 200 students, Faculties, Researchers and people from adopted villages through blended











Sr. No.	Activity to be conducted (along with reason)
1	Cleanliness drive in various societies of villages
2	Medical health check-up camp